राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 8 अंक 66

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, बुधवार, 14 अगस्त, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

अगले पांच वर्ष दुनिया के लिए बेहद गंभीर

>> 3

डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या की होगी सीबीआइ जांच

कलकत्ता हाई कोर्ट ने दिया आदेश, लापरवाही पर ममता सरकार से किए तीखे सवाल

निर्भया मामले का हवाला देकर कहा- निष्पक्ष जांच जरूरी, अस्पताल व पुलिस की भूमिका से कोर्ट असंतुष्ट

मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल पद से इस्तीफा देने वाले संदीप घोष को नया पद मिलने पर भी जताई आपत्ति

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले में जांच सीबीआइ को हस्तांतरित करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि वह अस्पताल व पुलिस की भूमिका से संतुष्ट नहीं है। आंदोलन कर रहे चिकित्सकों ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हाल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक का शव शुक्रवार सुबह बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई थी। घटना में कोलकाता पुलिस के सिविक वालंटियर संजय राय नाम के एक व्यक्ति को शनिवार को गिरफ्तार किया गया।

प्रशिक्षु चिकित्सक के माता-पिता ने अदालत की निगरानी में मामले की जांच के अनुरोध के साथ हाई कोर्ट का रुख किया था। कुछ जनहित याचिकाएं भी दाखिल की गई थीं, जिनमें मामले की जांच सीबीआइ से कराने का अनुरोध था। इनकी सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने पाया कि जांच में कमी है। खंडपीठ ने अदालत की निगरानी में केंद्रीय एजेंसी को मामले की जांच सौंपते हुए निर्भया मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया और कहा कि दुर्लभ मामलों में निष्पक्ष व सही जांच के लिए यह जरूरी है। हमने पुलिस को समय दिया होता, लेकिन घटना के पांच दिनों के बाद भी जांच में कोई महत्वपूर्ण निष्कर्ष नहीं निकला है। पूरी आशंका है कि सुबूत नष्ट कर दिए जाएंगे इसलिए सीबीआइ जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले में ममता सरकार से तीन सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है।

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कालेज में दुष्कर्म के बाद चिकित्सक की हत्या के विरोध में मंगलवार को पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते चिकित्सक और कार्यकर्ता। एएफपी

प्रिंसिपल ने इस्तीफा क्यों दिया, समझना मुश्किल : खंडपीठ ने घटना के बाद मेडिकल कालेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डा. संदीप कुमार घोष के इस्तीफे और दूसरे कालेज में उनकी नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। कहा कि यह जानकर दुख होता है कि घटना की जांच को लेकर डा. संदीप घोष सक्रिय नहीं थे। उनसे अब तक पूछताछ क्यों नहीं की गई है। हाई कोर्ट ने डा. घोष को लंबी छुट्टी पर जाने का आदेश दिया और कहा कि अगले आदेश तक उन्हें नए पद पर बहाल नहीं किया जा सकेगा।

पिता को दी गई थी आत्महत्या की सूचना : घटना पर सबसे पहले अप्राकृतिक मौत का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी, इसे लेकर भी कोर्ट में सवाल उठा। सरकारी वकील ने कहा कि पहले किसी ने शिकायत नहीं की इसलिए इसे अप्राकृतिक मौत कहा गया। तब मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या शव सड़क के किनारे बरामद हुआ? इसे अप्राकृतिक मृत्यु क्यों कहा गया? मृतका के पिता का दावा है कि घटना के दिन अस्पताल से उन्हें फोन कर कहा था कि आपकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है। जिस सेमिनार हाल में डाक्टर की हत्या हुई थी उसी के बगल के कक्ष में अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के निर्देश पर मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। सवाल उठ रहे हैं कि मरम्मत की इतनी जल्दी क्यों थी?

(पेज 5 भी देखें)

एनएचआरसी ने लिया संज्ञान

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए बंगाल सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। आयोग ने मंगलवार को कहा कि उसने मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब की है। राष्ट्रीय महिला आयोग की दो सदस्यीय टीम ने भी मंगलवार सुबह आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल का दौरा किया। टीम घटनास्थल पर गई और जांच अधिकारियों व मृतका के माता-पिता से भी मिली। इस बीच बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आई क्रूरता की बात

प्रशिक्षु महिला डाक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्रूरता की बात सामने आई है। कई जगहों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं और मौत गला घोंटने के कारण हुई है। चीखने से रोकने के लिए मुंह और गला दबाया गया जिससे थायरायड ग्रंथि फट गई। इसके अलावा मृतका के चेहरे, गर्दन, होंठ, पेट, दाहिने हाथ और उंगलियों पर चोटें थीं, कालर बोन टूटी थी। गुप्तांग से खून बह रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक वह हमलावर से लड़ी थी। आरोपित के हाथों पर भी गहरी खरोंच के निशान हैं।

स्वतंत्रता के सारथी

तीन तलाक पीड़ितों के लिए निकाली आजादी की राह

बरेली: फतवों और धमकियों से न डरने वाली निदा खान तीन तलाक पीड़िताओं की आवाज बनी हुई हैं। वह पीड़िताओं की थाने से लेकर अदालत तक कानूनी मदद करती हैं। ● पेज-7

संपादकीय

रोजगार के अवसर बढ़ाने की चुनौती: रोजगार प्रदान करने में एमएसएमई की हिस्सेदारी फिलहाल 62 प्रतिशत है, जबकि अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत तक है। **गौरव वल्लभ** का विश्लेषण।

फिर दिखा सेक्युलरिज्म का विकृत चेहरा: यह अफसोस की बात है कि हमारे राजनीतिक दल बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में एक सुर में नहीं बोल सके। **राजीव सचान** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

जलवायु अनुकूल कृषि की जरूरत : गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्में जारी कीं। इन उन्नत बीजों से खेती करने पर किसानों को अधिक लाभ होगा, क्योंकि खेती की लागत कम होगी। अरविंद कुमार मिश्रा का विश्लेषण।

पेरिस ओलिंपिक से सबक : हमारे यहां बड़ी नौकरियां दिलाने वाले कोचिंग केंद्र तो लबालब भरे हैं, लेकिन खेल के मैदान सूने पड़े हैं। युवाओं को खेल के मैदान में भी लाना होगा। सुधीर मोता का आकलन। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

सेहत भरे जीवन का

वजन घटाना नहीं है खेल

क्यों बढ़ जाती है पाचन की समस्या

● पेज-13

देश में सिर्फ 18 प्रतिशत नेशनल हाईवे ही सुरक्षित

नई दिल्ली: देश में नेशनल हाईवे और हाई स्पीड कारिडोर पर सुरक्षा की चुनौतियों में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहे। राजमार्ग मंत्रालय ने व्हाइट कारिडोर चिह्नित करने की कवायद शुरू की तो कुल नेशनल हाईवे का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा ही ऐसा पाया गया है, जहां तीन वर्षों में कोई हादसा नहीं हुआ। (पेज-3)

स्वास्थ्य बीमा से हट सकता है जीएसटी

नई दिल्ली: जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक नौ सितंबर को होने जा रही है। यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें जीवन और स्वास्थ्य बीमा की खरीदारी पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी दरों को या तो कम किया जा सकता है या फिर इसे पूरी तरह खत्म किए जाने पर चर्चा हो सकती है। संभव है कि केंद्र ही इसका विचार रखे। (पेज-10)

संतों को बदनामी की नहीं होनी चाहिए चिंता: हाई कोर्ट

नई दिल्ली: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा गोविंदानंद सरस्वती के खिलाफ दायर मानहानि केस में अंतरिम आदेश देने से इन्कार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि आप एक संत हैं, आप इस बारे में चिंतित क्यों हैं? उन्हें बदनाम नहीं किया जा सकता, संत अपने कर्मों से सम्मान पाते हैं। (पेज-13)

कंधे पर रखकर चलाई जा सकने वाली स्वदेशी एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण

जागरण संवाददाता, जयपुर

कंधे पर रखकर चलाई जा सकने वाली (मैन पोर्टेबल) स्वदेशी एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में सफल परीक्षण किया गया है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह मिसाइल भारत में बनाई गई है और यह पैदल सेना द्वारा उपयोग की जा सकती है। इसका उपयोग दुश्मन के टैंकों और अन्य भारी बख्तरबंद वाहनों को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है। डीआरडीओ अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल का परीक्षण सफल रहा और यह अपने निर्धारित लक्ष्य को भेदकर नष्ट कर दिया।

भारतीय सेना एवं पैरा कमांडो के लिए तैयार की गई इस मिसाइल से रात में भी हमले किए जा सकते हैं। इसका वजन 14.5 किलो और लंबाई 4.3 फीट है। इसको पहली बार कंधे पर रखकर राकेट लांचर की तरह लांच किया गया। इसकी रेंज ढाई किलोमीटर तक है। इस गाइडेड एंटी टैंक मिसाइल को भविष्य में अर्जुन टैंक में भी लगाया जा सकता है। इस मिसाइल का अभ्यास पूरा हो चुका है। सेना में इस मिसाइल के शामिल होने के बाद फ्रांस में बनी मिलन-2टी और रूस में बनी कान्कर्स एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलों के पुराने वर्जन को हटाया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मिसाइल के सफल परीक्षण पर सेना और डीआरडीओ को बधाई दी है।

राजस्थान में पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में डीआरडीओ द्वारा विकसित कंधे पर रखकर चलाई जा सकने वाली स्वदेशी एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का परीक्षण करते जवान। वीडियोग्रैब/एएनआइ

- डीआरडीओ ने की है विकसित, पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ परीक्षण
- दुश्मन के टैंक और बख्तरबंद वाहनों को करेगी नष्ट, रात में भी होगी कारगर
- ढाई किमी तक रेंज वाली प्रणाली को अर्जुन टैंक में भी लगाया जा सकेगा

मुहम्मद यूनुस ने हिंदू संगठनों से की मुलाकात, दिया सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन

- प्रसिद्ध शक्ति पीठों में से एक ढाकेश्वरी मंदिर में की बैठक
- कहा, हम सभी एक और हम सभी के पास समान अधिकार
- हिंदू संगठनों ने गृह मामलों के सलाहकार को सौंपी सात मांगें

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को हिंदू समुदाय के सदस्यों से यहां प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर में मुलाकात की और उनकी सरकार की भूमिका के बारे में कोई धारणा बनाने से पहले धैर्य रखने का आग्रह किया। उन्होंने देश के अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के हजारों सदस्यों ने शुक्रवार और शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका और उत्तर-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में बड़े पैमाने पर विरोध रैलियां निकाली थीं और देशभर में हुई बर्बरता के बीच सुरक्षा की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचने के बाद यूनुस ने बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद और महानगर सर्बजनिन पूजा समिति के नेताओं, मंदिर प्रबंधन बोर्ड के अधिकारियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। हमेशा की तरह कुर्ता-पायजामा पहने यूनुस अपने अधिकारियों के साथ बैठे और मंदिर परिसर में हिंदू समुदाय से बातचीत की। ढाकेश्वरी मंदिर प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है।

यूनुस ने कहा, 'हमारी लोकतांत्रिक आकांक्षाओं में हमें मुसलमान, हिंदू या बौद्ध नहीं, बल्कि इंसान के रूप में देखा जाना चाहिए। हमारे अधिकार सुनिश्चित होने चाहिए। सभी समस्याओं की जड़ संस्थागत व्यवस्थाओं के क्षय में है। इसीलिए ऐसे मुद्दे उठते हैं।' उन्होंने कहा, 'अधिकार सबके लिए समान हैं। हम सब एक ही हैं और हमारे पास समान अधिकार हैं। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। कृपया हमारी सहायता करें। धैर्य रखें और बाद में आकलन करें कि हम क्या कर पाए और क्या नहीं। अगर हम असफल होते हैं तो हमारी आलोचना करें।' यूनुस ने हिंदू समुदाय के लोगों से खुद को बांग्लादेश की धरती की संतान मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आप बस इतना कहें कि आप इंसान हैं, बांग्लादेश के नागरिक हैं और यह आपका संवैधानिक अधिकार है जिसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बस यही मांगें, इससे ज्यादा कुछ नहीं।'

ढाका में मंगलवार को ढाकेश्वरी मंदिर में हिंदू समुदाय के लोगों से संवाद करते बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस। प्रेट्र

यूनुस के आवास के बाहर सेना व हिंदू प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

बांग्लादेशी सेना के जवानों और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों के बीच मंगलवार को झड़प हो गई, जो लापता हुए अपने परिवार के सदस्यों के पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। ये लोग ढाका में जमुना स्टेट गेस्ट हाउस के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे, जहां अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस रह रहे हैं।

ढाका में भारतीय वीजा केंद्र में सीमित कामकाज बहाल

ढाका स्थित भारतीय वीजा केंद्र में मंगलवार से सीमित कामकाज बहाल हो गया। केंद्र ने एक बयान में कहा कि आवेदकों को पासपोर्ट हासिल करने के संबंध में संदेश भेजे जाएंगे। आवेदक केंद्र पर तभी पहुंचें जब उनको संदेश प्राप्त हो जाए। भारतीय वीजा आवेदन केंद्र ने पिछले हफ्ते बांग्लादेश में सभी केंद्रों को अगले आदेश तक बंद करने की घोषणा की थी।

बांग्लादेश में हिंसा आतंकी करतूत : शेख हसीना

ढाका, रायटर : बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश में पिछले महीने हुई हिंसा को 'आतंकी हमला' करार दिया। हसीना के बयान को उनके उनके बेटे ने मंगलवार को एक्स पर जारी किया। पद से हटने के बाद पहली बार चुप्पी तोड़ते हुए हसीना ने कहा, जुलाई में 'क्रांति के नाम पर' कई लोग मारे गए। मुझे न्याय चाहिए। मैं मांग करती हूं कि इन हत्याओं और बर्बरता में शामिल लोगों की उचित जांच की जाए और दोषियों की पहचान की जाए और उन्हें सजा दी जाए। हसीना का यह बयान पिछले महीने हुए हिंसक संघर्षों के दौरान एक किराना दुकान मालिक की हत्या को लेकर उन पर मामला दर्ज किए जाने के कुछ घंटों बाद आया है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना को बांग्लादेश से भारत आना पड़ा। इस हिंसा में करीब करीब 300 लोग मारे गए।

दोनों समुदायों ने सांप्रदायिक सद्भाव मजबूत करने पर जताई सहमति पेज>>11

बीएनएसएस की धारा 479 पूर्व प्रभाव से लागू होगी या नहीं

माला दीक्षित ● जागरण

सुप्रीम कोर्ट का सवाल

- केंद्र सरकार से पूछा- नए कानून का लाभ वर्षों से जेल में बंद विचाराधीन कैदियों को मिलेगा कि नहीं
- सरकार को दो हफ्ते में हलफनामा दाखिल कर स्थिति स्पष्ट करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली : नया कानून लागू हुए अभी थोड़ा ही वक्त हुआ है, लेकिन उसका लाभ वर्षों से जेल काट रहे विचाराधीन कैदियों को मिलेगा कि नहीं यह महत्वपूर्ण सवाल सुप्रीम कोर्ट के सामने है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह हलफनामा दाखिल कर स्थिति साफ करे और बताए कि विचाराधीन कैदियों को अधिकतम जेल में रखने से संबंधित नया कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 479 पूर्व प्रभाव से लागू होगी या नहीं। सरकार जो भी जवाब देगी उससे साफ हो जाएगा कि पहली बार अपराध के आरोपित विचाराधीन कैदियों को एक-तिहाई सजा पूरी करने पर जेल से बाहर आने को मिलेगा कि नहीं।

सीआरपीसी की जगह जुलाई से लागू हुई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 विचाराधीन कैदियों को अधिकतम जेल में रखने के बारे में प्रविधान करती है। यह धारा कहती है कि पहली बार के आरोपित विचाराधीन कैदी अगर उस कानून में अपराध में दी गई अधिकतम सजा की एक तिहाई जेल काट लेता है तो कोर्ट उसे बांड पर रिहा कर देगा। उम्रकैद व मृत्युदंड की सजा वाले अपराध में आरोपित विचाराधीन कैदी अगर कुल सजा की आधी सजा काट लेता है तो कोर्ट उसे जमानत पर रिहा कर देगा।

मंगलवार को जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की पीठ जेलों में क्षमता से ज्यादा विचाराधीन कैदी होने के मामले पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमित्र वरिष्ठ वकील गौरव अग्रवाल ने बताया कि रिव्यू कमेटी को उन विचाराधीन कैदियों को रिहा करने का अधिकार है जो आधी सजा काट चुके हैं। साथ ही पहली बार के आरोपित विचाराधीन कैदियों के लिए एक और छूट है कि अगर उन्होंने आरोपित अपराध में निर्धारित अधिकतम सजा की एक तिहाई जेल काट ली है तो उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। अग्रवाल ने ये दलीलें बीएनएसएस की धारा 479 का हवाला देते हुए दीं। कहा कि अगर कानून का यह प्रविधान पूरी तरह से लागू हो तो इससे जरूरत से ज्यादा भरी जेलों की समस्या में राहत मिल सकती है। लेकिन तभी सवाल उठा कि क्या यह कानून पूर्व प्रभाव से (रेट्रोस्पेक्टिव) लागू होगा। इस पर पीठ ने एएसजी ऐश्वर्या भाटी से सवाल पूछा। भाटी ने निर्देश लेने के लिए समय देने का अनुरोध किया। कोर्ट ने उन्हें निर्देश लेकर स्थिति स्पष्ट करने वाला हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। कोर्ट ने पूर्व आदेश का अनुपालन नहीं दाखिल करने वाले राज्यों को अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

बड़ी पहल

स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक हर स्तर पर जगाई जाएगी पुरातन भारतीय ज्ञान की अलख, साल भर में 10 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य, जल्द ही मास्टर ट्रेनर होंगे तैयार

पढ़ाई में अब हर स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा पर जोर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

स्कूल से जुड़ी पढ़ाई हो या फिर इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट या अंतरिक्ष विज्ञान जैसी उच्च शिक्षा की पढ़ाई, छात्रों को अब हर स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा से रूबरू कराया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय ने इस मुहिम को तेजी से बढ़ाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। सभी पाठ्यक्रमों में इससे जुड़ी विषय-वस्तु को शामिल करने के साथ ही शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूजीसी ने फिलहाल भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित एक पाठ्यक्रम भी डिजाइन किया है। इसमें महाभारत काल में कृषि और सिंचाई जैसी व्यवस्था, खगोल विज्ञान की वैदिक अवधारणाएं, वैदिक गणित, प्राचीन भारत की सुश्रुत संहिता में वर्णित की गई प्लास्टिक, मोतियाबिंद सर्जरी, रामायण काल में कृषि व सिंचाई की तकनीक आदि विषयवस्तु को भी प्रमुखता से जगह दी है। सालभर में 10 हजार शिक्षकों को भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मौजूदा समय में मास्टर ट्रेनर तैयार करने का काम किया जा रहा है।

शिक्षा मंत्रालय ने इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी विषय-वस्तु तैयार करने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े देश के करीब 11 संस्थानों के साथ करार भी किया है। इसमें काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआइआर), सीएसआइआर से जुड़ी संस्था ट्रेडिशनल नालेज डिजिटल लाइब्रेरी, डिपार्टमेंट आफ साइंटिफिक एडं इंडस्ट्रीयल रिसर्च (डीएसआइआर), आइआइएम संबलपुर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री वेंकटेश्वरा वैदिक विश्वविद्यालय तिरुपति, आइआइटी खड़गपुर आदि शामिल हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा पर यह जोर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने के बाद दिया गया है। इसमें पूरी शिक्षा व्यवस्था को भारत केंद्रित बनाने पर फोकस है।

(मप्र के कालेजों में पढ़ाई जाएंगी आरएसएस विचारकों की किताबें : पेज-3)

11 संस्थानों से विषय-वस्तु तैयार करने के लिए किया गया है करार

प्रतीकात्मक

शिक्षा मंत्रालय ने बनाया एक अलग डिवीजन

भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने अलग से एक डिवीजन भी बनाया है, जो कि शिक्षा के क्षेत्र में इससे जुड़ी गतिविधियों को बढ़ाने में तेजी से जुटा है। इसके साथ ही स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों में ऐसे खेल व गतिविधियां आगे बढ़ाने की पहल की गई है, जो भारत केंद्रित हैं। इसका असर भी दिखने लगा है। हाल ही में स्कूली शिक्षा के लिए एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई तीसरी व छठी कक्षा की नई पाठ्यपुस्तकों में भारतीयता से जुड़ी विषय वस्तु की भरमार है। इनकी कहानियां भी भारतीय समाज के ताने-बाने से जुड़ी हैं। शिक्षा मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक इस मुहिम में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी जोर है ताकि छात्रों को पढ़ाने के दौरान वह उन्हें भारतीय जुड़ाव पैदा करने वाली विषय वस्तु से जोड़े। साथ ही उदाहरण भी भारत केंद्रित हो।

दुष्कर्म के दोषी आसाराम को पहली बार मिली पैरोल

संवाद सूत्र, जागरण ● जोधपुर

नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में जोधपुर की सेंट्रल जेल में जीवन की अंतिम सांस तक की सजा काट रहे कथावचक आसाराम को इलाज कराने के लिए सात दिन की पैरोल मिली है। उसकी तबीयत खराब है और वह पिछले चार दिन से जोधपुर के एम्स में भर्ती है। राजस्थान हाई कोर्ट से पैरोल की अर्जी स्वीकार होने के बाद अब वह खुद के खर्चे पर पुलिस को साथ लेकर उपचार के लिए महाराष्ट्र के पुणे जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त, 2013 को उसकी गिरफ्तारी हुई थी। उसके यह पहला मौका है, जब उसे पैरोल की मंजूरी मिली है।

दरअसल, चार दिन पहले आसाराम को सीने में दर्द की शिकायत के बाद एम्स के आपातकालीन इकाई लाया गया था। महाराष्ट्र में आयुर्वेदक पद्धति से इलाज करने को लेकर पूर्व में भी उसकी ओर से पैरोल के लिए आवेदन किया गया था। इस बार हाई कोर्ट के जस्टिस डाक्टर पुष्पेंद्र सिंह भाटी की खंडपीठ ने उसकी तबीयत के मद्देनजर अंतरिम पैरोल को मंजूरी दी है। उसके साथ दो अटेंडेंट और एक डाक्टर भी जा सकेगा।

आसाराम। फाइल

राजस्थान हाई कोर्ट ने स्वीकार की अर्जी, सात दिनों तक इलाज के लिए जा सकेगा पुणे

(डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को फिर मिली 21 दिन की फरलो : पेज-5)

****

22 अगस्त को पहली कटऑफ सूची दिल्ली विश्वविद्यालय के नान-कालेजिएट वुमेन्स एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए जारी की जाएगी।

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री पहुंच सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
14 अगस्त	33.0	26.0
15 अगस्त	32.0	25.0
नोएडा		
14 अगस्त	32.0	25.0
15 अगस्त	32.0	25.0
गुरुग्राम		
14 अगस्त	31.2	27.3
15 अगस्त	31.0	27.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

कल सुबह चार बजे से होगा मेट्रो का परिचालन

नई दिल्ली: स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 15 अगस्त को मेट्रो का परिचालन सुबह चार बजे से होगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का कहना है कि सुबह चार बजे से सुबह छह तक सभी कारिडोर पर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी। ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह देखने के इच्छुक लोग लाल किला के पास पहुंच सकें। दिल्ली मेट्रो के तीन स्टेशन लाल किला के नजदीक है। जिसमें वायलेट लाइन का लाल किला, जामा मस्जिद स्टेशन व चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन शामिल है। (राब्यू)

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। याचिका में केजरीवाल ने दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तारी को चुनौती दी है। साथ ही इसी याचिका में जमानत देने की अपील भी की है। केजरीवाल की याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ सुनवाई करेगी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की याचिका पर जल्द सुनवाई का भरोसा दिया था। वकील अभिषेक सिंघवी ने तत्काल सुनवाई की मांग की थी। (प्रेट्र)

सपना चौधरी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली: हरियाणवी कलाकार सपना चौधरी की मुश्किलें बढ़ने लगी है। तीस हजारी कोर्ट की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रश्मि गुप्ता ने सपना के खिलाफ दर्ज हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया है। इस मामले में कई पीड़ित शामिल हैं। दरअसल, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाकर एक संयुक्त शिकायत दर्ज कराई गई थी। (जासं)

स्वतंत्रता दिवस पर कैलाश गहलोत करेंगे ध्वजारोहण, एलजी ने किया नामित

उलझन खत्म ▶ सीएम केजरीवाल ने आतिशी को यह अधिकार देने की सिफारिश की थी

एक दिन पहले मंत्री गोपाल राय ने सामान्य प्रशासन विभाग को जारी किया था आदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

कैलाश गहलोत। फाइल

छत्रसाल स्टेडियम में होने वाले दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कौन करेगा, इस पर बनी उलझन खत्म हो गई है। राजनिवास की ओर से दिल्ली के गृह मंत्री कैलाश गहलोत को इसके लिए नामित किया गया है। हालांकि सीएम केजरीवाल ने आतिशी को यह अधिकार देने की सिफारिश की थी। केजरीवाल ने इसे लेकर पहले तिहाड़ से एलजी को पत्र भी लिखा था और एक दिन पहले मंत्री गोपाल राय द्वारा इस संदर्भ में सामान्य प्रशासन विभाग को आदेश भी जारी किया गया था।

सूत्रों के मुताबिक, राजनिवास की ओर से दिल्ली की मौजूदा परिस्थिति में ध्वजारोहण को लेकर गृह मंत्रालय से दिशा निर्देश की मांग की गई थी। गृह मंत्रालय की ओर से कहा गया कि ध्वजारोहण के लिए एलजी दिल्ली सरकार के किसी भी मंत्री को नामांकित कर सकते हैं। इसके बाद एलजी ने गृह मंत्री कैलाश गहलोत को यह जिम्मेदारी सौंप दी। एलजी के फैसले का आम आदमी पार्टी ने भी स्वागत किया है। पार्टी की ओर से कहा गया है, 'दिल्ली के गृह मंत्री कैलाश गहलोत को 15 अगस्त पर ध्वजारोहण के लिए नामित करने के फैसले का हम स्वागत करते हैं। यह कदम एक नियुक्त प्रतिनिधि के बजाए एक निर्वाचित प्रतिनिधि को चुनकर लोकतंत्र के सिद्धांत का सम्मान करता है, जो हमारे शासन में लोगों के जनादेश के महत्व को मजबूत करता है।' परंपरा के मुताबिक मुख्यमंत्री छत्रसाल स्टेडियम में ध्वजारोहण करते हैं। लेकिन जेल में बंद होने की वजह से केजरीवाल ने पिछले सप्ताह एलजी को पत्र लिखकर उनकी शिक्षा मंत्री आतिशी को ध्वजारोहण की इजाजत देने की सिफारिश की थी। लेकिन जेल प्रशासन ने नियमों के खिलाफ बताते हुए यह पत्र राजनिवास भेजा ही नहीं।

तिहाड़ जेल से महाठग की चिट्ठी पहुंच जाती है, सीएम की नहीं : सिसोदिया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

राजनिवास ने तिहाड़ जेल से लिखा गया मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पत्र मिलने से इन्कार किया था। जिस पर आप नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल पर मंगलवार को कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि तिहाड़ जेल से महाठग सुकेश की चिट्ठी एलजी साहब के पास तुरंत पहुंच जाती है और इस पर कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन उन तक चुने हुए मुख्यमंत्री की चिट्ठी नहीं पहुंचती है। जिन एलजी साहब को महाठग सुकेश की चिट्ठियों से इतना प्यार है कि उसके एक-एक शब्द को सच मानते हैं, उन्हें एक बार दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री की चिट्ठी को भी तिहाड़ से मंगवा लेना चाहिए था। आप नेता आतिशी ने भी कहा कि हम 15 अगस्त को ध्वजारोहण इसलिए करते हैं, क्योंकि इसी दिन भारत के लोगों को राज करने का अधिकार मिला था। इससे पहले भारत में अंग्रेजों का राज होता था, जो भारत में एक वायसराय को भेजते थे, जो मनमर्जी से सरकार चलाता था। उस सरकार में भारत के लोगों का कोई अधिकार नहीं होता था। उन्होंने कहा कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री चिट्ठी लिखते हैं तो एलजी साहब तिहाड़ प्रशासन से कहते हैं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का लिखा पत्र न भेजा जाए, लेकिन जब सुकेश पत्र लिखता है तो पूरा एलजी कार्यालय उसका इंतजार करता है।

केजरीवाल और के. कविता की न्यायिक हिरासत बढ़ी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : नई आबकारी नीति घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत अदालत ने दो सितंबर तक बढ़ा दी। ईडी ने न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेश किया था। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लाड्रिंग मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन उन्होंने जमानत बांड नहीं भरा है।

'देश की बेहतरी के लिए बच्चों को तैयार करना ही मेरा धर्म और कर्म'

पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और शिक्षा मंत्री आतिशी ने किया सर्वोदय कन्या विद्यालय का दौरा

वेस्ट विनोद नगर स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में बच्चों से बातचीत करते पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया। सौजन्य - दिल्ली सरकार

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और शिक्षा मंत्री आतिशी ने मंगलवार को वेस्ट विनोद नगर स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय का दौरा कर छात्रों से बातचीत की। इस दौरान कक्षा दसवीं के फ्रेंच और जर्मन सीख रहे विद्यार्थियों ने दोनों के साथ लैंग्वेज इमर्शन प्रोग्राम के तहत पेरिस के अपने अनुभवों को साझा किया। 17 महीनों बाद विद्यालय पहुंचे मनीष सिसोदिया ने कहा कि इतने दिनों तक उन्होंने स्कूलों में जाना, बच्चों से बातचीत, उनके साथ हंसना-बोलना, शिक्षकों से बातचीत और शिक्षा को लेकर सपने देखने के कार्य को बहुत याद किया। देश की बेहतरी के लिए बच्चों को तैयार करना ही उनका धर्म और कर्म है।

सिसोदिया ने कहा कि पिछले 17 महीनों में दिल्ली सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे काम को अधिक गति दी है। वह जिन खाली जमीनों पर स्कूलों का शिलान्यास करके गए थे, वहां आज विश्व स्तरीय स्कूल बनकर तैयार हो गए हैं। इस दौरान लगभग 20 नए स्कूल शुरू हुए, 14 स्कूलों की इमारत निर्माणाधीन हैं, 18 स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस शुरू हुए और एक स्पोर्ट्स स्कूल शुरू हुआ, जहां बच्चे खेल की पढ़ाई कर रहे हैं। केजरीवाल के मार्गदर्शन में बनाया गया आर्म्ड फोर्सेस प्रिप्रेट्री स्कूल के बच्चों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसके पहले बैच में 64 छात्र थे, जिसमें से 32 ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की लिखित परीक्षा पास की और आठ छात्र मुख्य परीक्षा पास कर लेफ्टिनेंट बने।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि एक समय था, जब कोई सोच भी नहीं सकता था कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे कोई विदेशी भाषा भी सीख सकते हैं, लेकिन शिक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की बदौलत केजरीवाल सरकार ने अपने स्कूलों में इसे सच साबित किया है। सिसोदिया को 17 महीनों बाद दोबारा बच्चों के बीच देखकर विश्वास हो गया कि उन्हें बच्चों और उनकी शिक्षा से कोई दूर नहीं कर सकता है।

बलिदान से हमें मिली आजादी : वीके सक्सेना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से सेक्टर-14 मेट्रो स्टेशन तक मंगलवार को आयोजित हुई तिरंगा यात्रा

द्वारका स्थित गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय से द्वारका सेक्टर 14 मेट्रो स्टेशन तक एलजी वीके सक्सेना, साथ में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, मनोज तिवारी, कमलजीत सहरावत व छात्र तिरंगा यात्रा निकालते हुए। जागरण

आजादी हमें सस्ते में नहीं मिली है। लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया है। बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्हें हम जानते हैं, लेकिन कई सारे लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया है, मगर उनके नाम हम नहीं जानते हैं। आज उन सब लोगों को हम तिरंगा यात्रा से नमन करते हैं। प्रधानमंत्री के 'हर-घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' से लोगों में देशभक्ति की भावना जागेगी। इस आजादी को हम कैसे संजोकर रखे यह हमारा संकल्प होना चाहिए। घर-घर लोग तिरंगा फहरा रहे हैं। तिरंगा फहराने से जज्बा जागता है। तिरंगा यात्रा हम सब के लिए बहुत जरूरी है। उक्त बातें दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने मंगलवार को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से सेक्टर-14 मेट्रो स्टेशन व कनाट प्लेस में तिरंगा यात्रा के दौरान कहीं।

एलजी पहले द्वारका सेक्टर-16 स्थित गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आइपीयू) में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यहां उन्होंने पौधरोपण किया। इसके बाद एलजी ने विश्वविद्यालय से द्वारका सेक्टर-14 मेट्रो स्टेशन तक पैदल तिरंगा निकाली, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों सहित सभी लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जय हिंद और भारत माता की जय के नारे भी लगाए गए। मेट्रो में तिरंगा झंडा वितरण करते हुए कनाट प्लेस पहुंचे। यहां उन्होंने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के स्कूली बच्चों द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 की कुश्ती में कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को सम्मानित किया। साथ ही उन्हें एनडीएमसी में स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए ब्रांड एंबेसडर के तौर पर नियुक्त किया। तिरंगा यात्रा में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत, मनोज तिवारी समेत एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय और सदस्य कुलजीत चहल व अन्य लोग मौजूद रहे।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

जागरण संवाददाता, सुलतानपुर: एमपी-एमएलए न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के प्रार्थना-पत्र को निरस्त करते हुए उनके खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। संजय सिंह को धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम व विधि विरुद्ध जमावड़े का दोषी पाया गया है और इसमें उन्हें तीन माह की सजा हुई है।

उन्हें नौ अगस्त को न्यायालय में समर्पण करना था, जिस पर उन्होंने राज्यसभा का सदन चलने की बात कहकर छूट मांगी थी। संजय सिंह के साथ पूर्व विधायक अनूप संडा व चार अन्य दोषियों के विरुद्ध भी गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। तत्कालीन विशेष मजिस्ट्रेट योगेश यादव ने 11 जनवरी, 2023 को सभी आरोपितों को दोषी पाते हुए तीन-तीन माह के कारावास और 1500-1500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। पांच दोषियों की अपील छह अगस्त को न्यायाधीश एकता वर्मा ने निरस्त कर नौ अगस्त को समर्पण करने का आदेश दिया था।

मंत्रिमंडल में शामिल नहीं, मनीष की सलाह से ही चलेगी सरकार

वी के शुक्ला, जागरण ● जागरण

तकनीकी बाधाओं के कारण अभी सिसोदिया के सरकार में शामिल होने में लग सकता है समय

नई दिल्ली: दिल्ली मंत्रिमंडल में अभी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भले ही शामिल नहीं हो सकेंगे, मगर उनकी सलाह से ही अब दिल्ली की आप सरकार चलेगी। सिसोदिया सरकार के मंत्रियों से कामकाज की जानकारी लेंगे और जरूरी दिशा निर्देश देंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए वह हर सप्ताह सरकार के कामकाज की समीक्षा करेंगे। आबकारी घोटाले मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया 17 माह बाद जेल में रहने के बाद बाहर आए हैं। इसी मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में हैं।

सिसोदिया सहित आप की पूरी लीडरशिप का यही कहना है कि यह पूरा मामला फर्जी है और जल्द ही उन्हें न्याय मिलेगा। आप का कहना है कि नेताओं के जेल से बाहर आने का सिलसिला शुरू हो गया है और केजरीवाल भी जल्द जेल से बाहर आएंगे। अभी हालात ऐसे हैं कि सिसोदिया फिर से दिल्ली कैबिनेट में शामिल नहीं हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री को एलजी को पत्र लिखना होगा और जानकारों का कहना है कि जेल में होने के चलते वह अदालत की बिना अनुमति के कोई पत्र नहीं लिख सकते हैं। ऐसे में सिसोदिया के सरकार में शामिल होने में समय लग सकता है। बहरहाल, सिसोदिया बाहर आने के बाद पार्टी के काम में जुट गए हैं। पार्टी के दोनों बड़े नेता जेल में थे तो संगठन व सरकार का काम सुस्त हो गया था। उधर, भाजपा भी आप पर हमलावर है। ऐसे में आप चुनाव को लेकर तैयारी में देरी नहीं करना चाहती है।

एमसीडी के अधिकारियों में नैतिक साहस और बल की कमी : हाई कोर्ट

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

ध्वस्तीकरण के तीन आदेशों के बाद भी एक इमारत का अवैध निर्माण नहीं रुकने पर हाई कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों की लापरवाही से हो रहे अवैध निर्माण के मुद्दे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एक बार फिर दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई।

एक इमारत के अवैध निर्माण पर बीते दो साल में तीन ध्वस्तीकरण आदेश जारी करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर अदालत ने अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि, कैसे कनिष्ठ अभियंता उपायुक्तों के आदेशों का पालन नहीं करते। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और अधिकारियों में नैतिक साहस और बल की कमी है। अदालत ने डियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मौजूद एमसीडी आयुक्त अश्विनी कुमार से कहा कि ऐसा नहीं है कि यह क्षेत्र एक अधिकारी तक ही सीमित है। आपको अपने उपायुक्तों से बात करनी होगी। अदालत ने एमसीडी समेत अन्य अवमाननाकर्ताओं के विरुद्ध नोटिस जारी कर दो सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 25 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने कहा कि कार्रवाई के नाम पर अवैध इमारत में मार्च 2022, अक्टूबर 2022 और फिर 2023 में केवल फुटबाल के आकार के छेद किए गए थे। इसके कारण इमारत फिर से खड़ी हो गई थी। व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित जोनल डिप्टी कमिश्नर (डीसी) को संबोधित करते अदालत ने मौखिक टिप्पणी की कि इमारत एक दिन में नहीं बनती है।

वीडियो बनाने व इस्तेमाल करने का नहीं है अधिकार, हटाएं पोस्ट : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा नेता शाजिया इल्मी से जुड़ा वीडियो पत्रकार राजदीप सरदेसाई को हटाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि ऐसा वीडियो रिकार्ड करने और उपयोग करने का राजदीप को अधिकार नहीं है। पिछली सुनवाई पर दिए गए आदेश के तहत राजदीप और इंडिया टुडे ग्रुप ने उस वीडियो को अदालत के समक्ष पेश किया और अदालत ने इसे देखने के बाद राय दी कि यह वीडियो इंडिया टुडे के कैमरामैन द्वारा रिकार्ड किया गया था, जब शाजिया ने खुद को शो से हटा दिया था।

पीठ ने कहा कि ऐसे में अदालत की राय है कि चूंकि वीडियो शाजिया द्वारा खुद को शो से हटाने के बाद रिकार्ड किया गया था, इसलिए यह घटना वादी और कैमरापर्सन के बीच का मामला बन गया। अदालत ने निर्देश दिया कि अंतरिम राहत संबंधी शाजिया इल्मी के आवेदन पर फैसला होने तक इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो को हटा दिया जाना चाहिए।

छात्रों के लिए स्थापित होंगे एंटी रैगिंग कंट्रोल रूम

डीयू दाखिला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में परास्नातक कक्षाओं के लिए शैक्षणिक सत्र एक अगस्त से शुरू हो चुका है। स्नातक का प्रवेश सत्र 29 अगस्त से शुरू करने की घोषणा डीयू प्रशासन ने की है। नवीन प्रवेश लेने वाले छात्रों को परेशानी न हो, इसलिए, छह दिनों तक एंटी रैगिंग कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे। यहां छात्र अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

डीयू के प्राक्टोरियल बोर्ड ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर रैगिंग रोकने के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए थे। 12 से 18 अगस्त तक रैगिंग रोकथाम सप्ताह मनाने की घोषणा की गई थी। इसके तहत दो कंट्रोल रूम उत्तरी और दक्षिणी परिसर में स्थापित किए गए थे, लेकिन स्नातक का प्रवेश सत्र शुरू न होने के चलते यहां छात्र आ ही नहीं रहे थे। इसके बाद प्राक्टर कार्यालय के सुझाव के बाद स्नातक छात्रों के लिए विशेषतौर पर एंटी रैगिंग कंट्रोल रूम स्थापित करने का कदम उठाया गया है, जो 29 अगस्त से तीन सितंबर तक सक्रिय रहेगा। इससे पहले डीयू ने रैगिंग रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। छात्राओं की सुरक्षा के लिए कालेजों के बाहर सादे कपड़ों में पुलिस की तैनाती भी की जाएगी। डीयू प्रशासन ने कुछ दिन पूर्व जारी दिशानिर्देशों में कहा है कि पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास के इच्छुक छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके पीजी को स्थानीय पुलिस द्वारा विधिवत सत्यापित किया गया है। सभी छात्रों - छात्रावास में रहने वालों को अभिभावकों से लेकर अंडर टेकिंग देनी होगी। वेब पोर्टल http://www.antiragging.in पर सूचित करना होगा।

29 अगस्त से तीन सितंबर तक उत्तरी व दक्षिणी परिसर में सक्रिय रहेंगे दो कंट्रोल रूम

▶ प्रत्येक महिला कालेज के बाहर स्थापित की जाएगी पुलिस पिकेट, मिलेगी विशेष सहायता

रैगिंग की स्थिति में क्या करें

- कालेज की शिकायत पेटी में लिखित शिकायत डालें या यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन नंबर 1800-180-5522 पर 24 घंटे में कभी भी काल करें।
- proctor@du.ac.in, helpline@antirlogging.in पर मेल करें।
- 112 पर काल करें या नजदीकी पीसीआर वैन को सूचित करें।
- एंटी रैगिंग-हिम्मत एप का इस्तेमाल करें।
- यूजीसी निगरानी एजेंसी यानी सेंटर फार यूथ नंबर 09818044577 से संपर्क कर सकते हैं।
- परिसर सुरक्षा वाहन चमिका पर या मारिस नगर एसएचओ से 8750870128 इस नंबर पर संपर्क करें।

चाणक्यपुरी में एयर होस्टेस से छेड़छाड़

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: लक्ष्मी नगर से द्वारका जाने के दौरान एप आधारित बाइक चालक द्वारा एयर होस्टेस से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। घटना बीते आठ अगस्त को चाणक्यपुरी इलाके में हुई। शिकायत मिलने के बाद आरोपित को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गईं। जांच के बाद आरोपित जयवीर को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ से पता चला कि वह पहले भी एक आपराधिक मामले में शामिल रहा है।

पुलिस के मुताबिक एयर होस्टेस युवती ने रात 11 बजे लक्ष्मी नगर से राइड बुक की थी। रास्ते में वर्षा होने पर बाइक सवार ने चाणक्यपुरी इलाके में एक पेड़ के नीचे बाइक रोक दी। युवती जैसे ही बाइक से उतरी, बाइक चालक ने उसे गलत तरीके से छूना शुरू कर दिया। विरोध करने पर आरोपित ने युवती की पिटाई भी कर दी। आरोप है युवक ने पीड़िता को जंगल में ले जाने की कोशिश की। तभी उधर से गुजर रहे एक एसयूवी सवार ने जब गाड़ी रोकी, तो आरोपित बाइक लेकर भाग गया।

दिल्ली सरकार बना रही सबसे बड़ा मल्टीलेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो

पहल

मल्टीलेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो में 434 बसें, 230 कार और 200 दोपहिया एक साथ खड़ी की जा सकेंगी, 5 एकड़ में फैले 7.6 लाख वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र और 35 मीटर ऊंचे इ-बस डिपो में बेसमेंट और छह पार्किंग लेवल होंगे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली में बनेगा इलेक्ट्रिक बस डिपो। फाइल

दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ी पहल की है। सरकार वसंत विहार में देश का सबसे बड़ा मल्टीलेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो बनाने जा रही है। मंगलवार को एलजी वी के सक्सेना और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने संयुक्त रूप से इस ई-बस डिपो का शिलान्यास किया। डिपो में 434 बसें, 230 कार और 200 दोपहिया एक साथ खड़े किए जा सकेंगे। पांच एकड़ में फैले और 7.6 लाख वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र के साथ 35 मीटर ऊंचे इस ई-बस डिपो में बेसमेंट के अलावा छह पार्किंग स्तर होंगे। यहां सौर पैनल और ईवी चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि वसंत विहार मल्टीलेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो सिर्फ एक ट्रांसपोर्टेशन हब नहीं होगा, बल्कि यह दिल्ली सरकार की अर्बन मोबिलिटी क्षेत्र में भविष्योन्मुखी दृष्टि का प्रतीक होगा। उनाने ग्रीन टेक्नोलाजी, ऊर्जा-कुशल प्रणालियों और सौर पैनलों से लैस यह डिपो न केवल आज की जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि भविष्य में भी इस प्रकार के अर्बन इंफ्रा प्रोजेक्ट के लिए एक माडल के रूप में कार्य करेगा।

इस बहु-स्तरीय इलेक्ट्रिक बस पार्किंग डिपो के निर्माण से इस डिपो की क्षमता 3.5 गुना बढ़ जाएगी। वर्तमान में यहां 125 बसें पार्क की जाती हैं। इसका ग्राउंड कवरेज 1.27 लाख वर्ग फीट है। 409.94 करोड़ की कुल लागत से बनने वाले इस डिपो के अगस्त 2026 तक शुरू हो जाने की उम्मीद है। इस बहुस्तरीय डिपो में पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा गया है और छत पर 122केवी का सौर पैनल स्थापित किया गया है। ये सौर पैनल 600 किलोवाट सौर ऊर्जा भी उत्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त यहां बसों और सार्वजनिक वाहनों दोनों के लिए 85 चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे।

इसके अलावा बेसमेंट में बाइक और कार पार्किंग की व्यवस्था होगी। स्थान के अधिकतम उपयोग करने के लिए बसों को 45 डिग्री के कोण पर पार्क किया जाएगा। हल्की ढलान वाला छह मीटर चौड़ा रैंप दोतरफा यातायात को सुचारु बनाएगा। जिससे डिपो के भीतर कुशल आवाजाही सुनिश्चित होगी। इस डिपो में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी होगा और हवा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी तलों पर पौधे भी होंगे।

बहु-स्तरीय इलेक्ट्रिक बस डिपो के निर्माण में राफ्ट पाइलिंग की जगह पाइलिंग फाउंडेशन तकनीक का इस्तेमाल होगा। बाहरी हिस्से में सभी स्तरों तक आसान पहुंच के लिए परिधि के साथ सावधानीपूर्वक नियोजित रैंप की सुविधा होगी।

हरिनगर और शादीपुर में आवासीय कालोनियों के निर्माण की भी योजना

गहलोत ने कहा कि परिवहन विभाग भविष्य में हरिनगर और शादीपुर में इसी तरह के डिपो बनाने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) निजी बिक्री के लिए हरिनगर और शादीपुर में आवासीय कालोनियों के निर्माण की भी योजना बना रहा है, जिससे 800 करोड़ रुपये से 1,000 करोड़ रुपये तक का राजस्व उत्पन्न होगा।

एम्स सफेद दाग के मरीजों को घर में उपलब्ध करा रहा फोटोथेरेपी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

विटिलिगो की बीमारी पर व्याख्यान के दौरान डाक्टरों ने दी जानकारी

मरीजों से समाज में भेदभाव, कंपनियां और होटल नहीं देते नौकरी

सफेद दाग की बीमारी विटिलिगो के मरीजों को एम्स घर में फोटोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। अब तक 75 मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। मंगलवार को इस बीमारी को लेकर एम्स में आयोजित एक व्याख्यान में डाक्टरों ने यह जानकारी दी।

एम्स डीन (एकेडमिक) व त्वचा रोग के विभागाध्यक्ष डा. कौशल वर्मा ने बताया कि इस बीमारी के प्रति लोगों में बहुत गलतफहमी है। इसे कलंक के रूप में देखा जाता है, जो गलत है। समाज में मरीजों के साथ भेदभाव भी होता है। चेहरे व हाथ पर सफेद दाग हो तो एयरलाइंस कंपनियां, होटल व कुछ विभाग नौकरी भी नहीं देते। यह संक्रामक व जेनेटिक बीमारी नहीं है। खानपान से भी इसका संबंध नहीं है। यह एक आटोइम्यून की बीमारी है। 0.5 से दो प्रतिशत लोग इससे पीड़ित होते हैं। एम्स के डाक्टर बताते हैं कि अध्ययन में पाया गया है कि बिना इलाज कराए भी 20 प्रतिशत मरीज स्वतः काफी हद तक ठीक हो जाते हैं। प्रोफेसर डा. सुजय खंडपुर ने बताया कि इससे स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। सिर्फ त्वचा में खराब लगता है।

****

40 टीवी चैनल ऐसे हैं, जो सप्ताह में एक बार साइन लैंग्वेज में समाचार प्रसारित करते हैं। हालांकि उनके लिए अभी ऐसा करना अनिवार्य नहीं है।

अगले पांच वर्ष दुनिया के लिए बेहद गंभीर : जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा– विश्वव्यापी अशांति के बीच कई देश हैं संघर्षरत

बोले– अमेरिका में जो नया राष्ट्रपति बने, साथ काम करने को तैयार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई दिल्ली में मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारतीय प्रवासियों के प्रभाव पर एक रिपोर्ट को जारी करने के कार्यक्रम को संबोधित किया। एएनआइ

विदेश मंत्री एस. जयशंकर का मानना है कि अगला पांच वर्ष के दुनिया के लिए संकट का काल है। अभी पश्चिम एशिया में इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है तथा दक्षिण एशिया में अशांति बढ़ रही है। साउथ चाईना सी में भी चीन के आक्रामक रवैये से तनाव बढ़ रहा है जबकि यूक्रेन-रूस के बीच युद्ध समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में विदेश मंत्री जयशंकर का कहना है कि अगले पांच वर्ष अप्रत्याशित तौर पर कठिन रहने वाले हैं। ऐसे समय में विश्वव्यापी अशांति और आर्थिक चुनौतियों के बीच बहुत से देश संघर्षरत हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को भारतीय प्रवासियों के प्रभाव पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए भारत और अमेरिका के रिश्तों का जिक्र किया और कहा कि ऐसे कठिन समय में दोनों देशों के बीच और मजबूत संबंधों की जरूरत है। विदेश मंत्री ने मौजूदा वैश्विक हालात के संदर्भ में भारत व अमेरिका के रिश्तों और इन दोनों देशों के रिश्तों को बनाने में अमेरिका में रहने वाले भारतीयों की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे।

हालांकि उन्होंने अमेरिका में चल रहे चुनाव के परिणाम को लेकर कुछ भी कहने से मना किया। फिर भी अपने अंदाज में जयशंकर ने कहा, 'मैं किसी दूसरे देश के चुनावों पर कोई टिप्पणी नहीं करता क्योंकि मैं भी नहीं चाहता कि दूसरे देश हमारे चुनावों पर टिप्पणी करें।'

उनका इशारा भारत में हुए पिछले आम चुनाव से पहले अमेरिकी प्रशासन की तरफ से की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में थी, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। जयशंकर ने कहा, 'अमेरिका में चाहे जिसे भी बहुमत मिले, पिछले 20 वर्षों के संबंधों को देखते हुए हमें यह भरोसा है कि उसके साथ काम करेंगे।'

'युवा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का प्रयास करें'

- गृह मंत्री ने अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी
- उपराष्ट्रपति धनखड़ ने नई दिल्ली में तिरंगा बाइक रैली को किया रवाना
- दोनों ने कहा– अभियान विकसित भारत के प्रति देश की प्रतिबद्धता

जेएनएन, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अहमदाबाद में भाजपा की तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई और युवाओं से आगे आकर 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा युवाओं में ऊर्जा भरने और राष्ट्र निर्माण के लिए उन्हें प्रतिबद्ध करने का एक तरीका है। उधर, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत नई दिल्ली में भारत मंडपम से तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने लोगों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया और कहा कि इस झंडे को गर्व के साथ फहराएं और संकल्प लें कि इसकी प्रतिष्ठा और गौरव बढ़ाते रहेंगे और तिरंगा हर परिस्थिति में ऊंचा लहराता रहेगा। बता दें कि हर घर तिरंगा अभियान का तीसरा संस्करण 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नौ से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दो साल पहले शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान न केवल देशभक्ति की अभिव्यक्ति बन गया है, बल्कि 2047 तक भारत को एक महान और विकसित राष्ट्र बनाने की हमारी प्रतिज्ञा का प्रतीक भी बन गया है। जब मोदी के नेतृत्व में देश एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए प्रतिबद्ध है तो नागरिकों, विशेषकर युवाओं को आगे आकर उस क्षेत्र में देश को अव्वल बनाने के उद्देश्य से काम करने की जरूरत है, जिसमें वे कार्यरत हैं। यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद राष्ट्रीय ध्वज थामकर शाह ने कुछ दूरी तक पैदल चलकर इसमें हिस्सा लिया।

अहमदाबाद में मंगलवार को हर घर तिरंगा यात्रा निकालते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

उधर, नई दिल्ली में प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम से शुरू हुई बाइक रैली इंडिया गेट होते हुए मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में समाप्त हुई। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते वक्त उपराष्ट्रपति धनखड़ कहा कि भारत ऐसा देश बन चुका है, जो लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारा उत्थान हमें 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाएगा, उस वक्त हम अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहे होंगे। यह भारत की सदी है और हर घर तिरंगा अभियान विकसित भारत के प्रति देश की प्रतिबद्धता है।

कुछ लोग भारत के तेजी से होते विकास को पचा नहीं पा रहे : उपराष्ट्रपति

हिंडनबर्ग के आरोपों की जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) जांच की मांग को लेकर मंगलवार को उपराष्ट्रपति धनखड़ ने विपक्ष पर निशाना साधा। कहा– 'भारत बेहद तेज गति से विकास कर रहा है, लेकिन कुछ लोग अस्थिरता लाना चाहते हैं। वे देश के तेज गति से विकास को पचा नहीं पा रहे हैं।' उपराष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष ने सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग के आरोपों को लेकर सरकार पर हमला तेज कर दिया है। तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाए जाने के मौके पर धनखड़ ने कहा कि अगर भारत इसी तरह आगे बढ़ता रहा तो निश्चित रूप से विश्व गुरु बन जाएगा। उन्होंने देशवासियों को आगाह किया कि देश विरोधी ताकतों और खतरनाक मकसद वालों से बेहद सतर्क रहें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आज प्रत्येक भारतीय देश विरोधी ताकतों को परास्त करने का संकल्प लेगा। हर परिस्थितियों में देश के हित को व्यक्ति, राजनीति और समाज के हितों से ऊपर रखना चाहिए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, किरण रिजिजू और मनसुख मांडविया भी मौजूद थे।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में नौ स्थायी जजों की नियुक्ति की सिफारिश

- प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने की है सिफारिश
- गुजरात हाई कोर्ट के तीन अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त करने की भी अनुशंसा

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के नौ अतिरिक्त न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीशों के रूप में की है। कलेजियम में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई भी शामिल हैं। कलेजियम ने 13 अगस्त को जारी एक प्रस्ताव में जस्टिस सैयद कमर हसन रिजवी, मनीष कुमार निगम, अनीश कुमार गुप्ता, नंद प्रभा शुक्ला, क्षितिज शैलेंद्र, विनोद दिवाकर, प्रशांत कुमार, मंजीव शुक्ला और अरुण कुमार सिंह देशवाल, अतिरिक्त न्यायाधीशों को मौजूदा रिक्तियों के आधार पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने की सिफारिश की है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि 28 मई 2024 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के कलेजियम ने सर्वसम्मति से नौ अतिरिक्त न्यायाधीशों के नामों की संस्तुति की है। इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने भी संस्तुति पर सहमति जताई है।

कलेजियम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कलेजियम के 26 अक्टूबर 2017 के प्रस्ताव के अनुसार भारत के प्रधान न्यायाधीश द्वारा गठित सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों की समिति ने उपरोक्त नामित अतिरिक्त न्यायाधीशों के निर्णयों का मूल्यांकन किया है।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने गुजरात हाई कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में तीन अधिवक्ताओं की नियुक्ति की सिफारिश की है। पिछले साल दिसंबर में गुजरात हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने अपने दो वरिष्ठतम सहयोगियों के परामर्श से अधिवक्ता संजीव जयेंद्र ठाकेर, दीप्तेंद्र नारायण रे और मौलिक जितेंद्र शेलत को हाई कोर्ट के जज रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

दिन में एक बार सबटाइटल के साथ न्यूज क्यों नहीं शुरू कर सकता दूरदर्शन : सुप्रीम कोर्ट

माला दीक्षित • जागरण

- सुनने में असमर्थ लोगों के लिए सबटाइटल के साथ फिल्में और खबरें देने की मांग पर सुनवाई
- शीर्ष कोर्ट ने एएसजी से कहा– सकारात्मक जवाब लेकर आएं अन्यथा कोर्ट देगा आदेश

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सुनने में असमर्थ लोगों के लिए दूरदर्शन पर रोजाना ताजा खबरों का इंतजाम करने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि दूरदर्शन दिन में एक बार सबटाइटल के साथ न्यूज क्यों नहीं प्रसारित कर सकता। दूरदर्शन ऐसा कल से ही शुरू क्यों नहीं कर सकता? कोर्ट ने केंद्र की पैरोकारी कर रही एडीशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी से इस संबंध में प्रसार भारती से निर्देश लेने को कहा है। इतना ही नहीं, शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि वह सकारात्मक जवाब लेकर आएं, नहीं तो कोर्ट आदेश देगा। मामले में 28 अगस्त को फिर सुनवाई होगी।

ये निर्देश न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने गैर सरकारी संगठन संकेत फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। 2019 से लंबित याचिका में सुनने में असमर्थ लोगों के मनोरंजन के लिए निर्देश मांगा

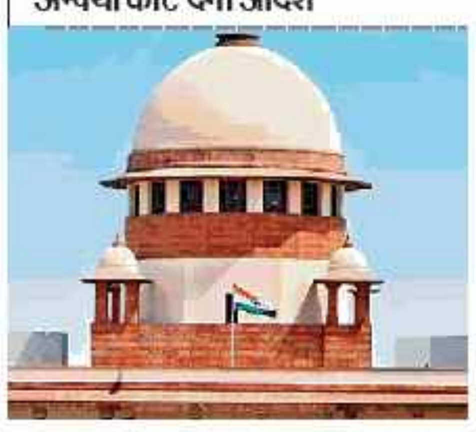

गया है। कहा गया है कि फिल्मों और न्यूज को सबटाइटल के साथ जारी किया जाए। संस्था के वकील ने कोर्ट से कहा कि सबटाइटल ओपेन कैप्शन के साथ होने चाहिए न कि क्लोज कैप्शन के साथ। उनका कहना था कि क्लोज कैप्शन एआइ से तैयार होता है, इसलिए पूरी तरह सही नहीं होता। कैप्शन साथ जारी होने से जो लोग सुनने में असमर्थ हैं, वे भी मनोरंजन कर सकेंगे। फिल्म के बारे में उनका यह भी सुझाव था कि अगर सभी शो में संभव न हो तो कम से कम दिन का एक शो ऐसा होना चाहिए।

एएसजी ऐश्वर्या ने केंद्र की ओर से 2020 में दाखिल जवाबी हलफनामे का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें कुछ समय दिया जाए, वह नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने गत 15 मार्च को सिनेमा के बारे में अधिसूचना जारी की है, जिसमें सबटाइटल जारी करने की बात कही गई है। हालांकि न्यूज चैनल के लिए ऐसा करना अभी अनिवार्य नहीं किया गया है लेकिन 40 टीवी चैनल हैं जो सप्ताह में एक बार साइन लैंग्वेज में समाचार प्रसारित करते हैं।

इस पर पीठ ने सवाल किया कि दूरदर्शन दिन में एक बार सबटाइटल के साथ न्यूज क्यों नहीं प्रसारित कर सकता। भाटी ने कहा कि दूरदर्शन के पास भी कई बार बाहर से फीड आता है। वह इस पर निर्देश लेंगी।

जगदंबिका पाल होंगे वक्फ बिल पर गठित जेपीसी के अध्यक्ष

- 31 सदस्यीय समिति के 21 सदस्य लोकसभा और 10 राज्यसभा से

जगदंबिका पाल। फाइल

समिति संसद के अगले सत्र में सौंपेगी वक्फ विधेयक पर रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा के लोकसभा सदस्य जगदंबिका पाल, वक्फ बोर्ड में सुधार से जुड़े विधेयक पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की अध्यक्षता करेंगे। पाल उत्तर प्रदेश से चौथी बार सांसद हैं। उन्हें ऐसे सांसद के रूप में देखा जाता है, जिनके सभी दलों से मधुर संबंध हैं।

लोकसभा सचिवालय की ओर से मंगलवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पाल को 31 सदस्यीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

लोकसभा में इसके प्रविधानों पर विपक्ष के विरोध के बीच सरकार ने विधेयक को दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया गया था। जेपीसी में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य हैं। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले हफ्ते में विधेयक पर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

लोकसभा और राज्यसभा ने पिछले शुक्रवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू द्वारा पेश प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था, जिसमें समिति के सदस्यों के नाम बताए गए थे।

सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पेश किया था। बहस के बाद विधेयक को जेपीसी को सौंपने का फैसला लिया गया।

विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध किया था और इसे संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला करार दिया। विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा था कि विधेयक में किसी की धार्मिक स्वतंत्रता तथा संविधान के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है।

योजनाएं लागू करने वाले फील्ड वर्कर स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगे विशेष आमंत्रित अतिथि

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की योजनाओं में निभाई है अहम भूमिका
- महिला एवं बच्चों को सशक्त बनाने के प्रयासों को मिलेगा सम्मान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं को लागू करने वाले और योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने वाले विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 161 फील्ड वर्कर स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए हैं। ये लाल किला पर 15 अगस्त को होने वाले समारोह में भाग लेंगे। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंगनवाड़ी, सखी वन स्टाप सेंटर, संकल्पः महिला सशक्तीकरण केंद्र, बाल कल्याण समितियां और जिला बाल संरक्षण इकाइयों की चुनी हुई महिला कार्यकर्ताओं को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

इन कार्यकर्ताओं ने महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया है। इन 161 क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ उनके 133 जीवनसाथी भी समारोह में भाग लेंगे। इन विशेष अतिथियों का बुधवार को विज्ञान भवन में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और महिला एवं बाल विकास सचिव के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम भी होगा।

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल में गार्ड आफ आनर पेश करने के दौरान सेना के जवान। ध्रुव कुमार

यूएपीए में भी 'जमानत नियम और जेल अपवाद' सिद्धांत लागू : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने आतंकी गतिविधियों में लिप्त एक संदिग्ध को जमानत देते हुए कहा कि जमानत नियम और जेल अपवाद का सिद्धांत विशेष स्थितियों जैसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) पर भी लागू होता है।

जस्टिस अभय एस. ओका और अगस्टीन जार्ज मसीह की खंडपीठ ने कहा कि अगर एक मामले में एक आरोपित को जमानत दी जाती है तो कोर्ट इस राहत से इन्कार नहीं कर सकता है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि अगर स्थिति संतोषजनक है तो जमानत मंजूर की जा सकती है। एक स्थापित कानून के तहत जमानत एक नियम है जबकि जेल एक अपवाद है। सर्वोच्च अदालत का यह फैसला एक सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल जलालुद्दीन खान को छोड़ने के आदेश के दौरान आया। खान को आतंकवाद रोधी कानून के तहत पकड़ा गया था। उसे अपना मकान प्रतिबंधित पीएफआइ के सदस्यों को किराये पर देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

मध्य प्रदेश के कालेजों में पढ़ाई जाएंगी आरएसएस विचारकों की किताबें

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा की पढ़ाई की दिशा में मध्य प्रदेश सरकार ने पहल कर दी है। प्रदेश के कालेजों में पढ़ाई के लिए 88 पुस्तकों की सूची जारी की गई है। इसमें अधिकतर पुस्तकों के लेखक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारक हैं।

राज्य सरकार ने इसी सत्र से पढ़ाई शुरू कराने के निर्देश उच्च शिक्षा विभाग को दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए सभी सरकारी व निजी कालेजों में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रकोष्ठ में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ा साहित्य उपलब्ध रहेगा। सभी कालेजों को जनभागीदारी समिति की निधि से पुस्तक खरीदने के निर्देश हैं।

ये पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी : विभाग ने जो पुस्तकों की सूची उपलब्ध कराई गई है, उसमें चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास, शिक्षा स्वामी विवेकानंद, संयम और सदाचार, भूले न भुलाये, वैदिक गणित विहंगम दृष्टि, वैदिक गणित वर्तमान एवं भविष्य, पर्यावरण प्रेमी भारतीय दृष्टि, स्वभाषा लाओ-अंग्रेजी हटाओ, अंग्रेजी माध्यम का भ्रमजाल, भारतीय न्याय व्यवस्था की उपनिवेशवाद से मुक्ति, भारत का धार्मिक इतिहास, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के चार अध्याय, भारत क्या है?, ऋग्वेद का दार्शनिक तत्व, नए भारत का निर्माण, अटल बिहारी वाजपेयी-शिक्षा संवाद, शिक्षा में भारतीयता-एक विमर्श सहित 88 पुस्तकें शामिल हैं।

किस लेखक की कितनी किताबें

लेखक	किताबें
दीनानाथ बत्रा	14
डा. अतुल कोठारी	10
स्वामी विवेकानंद	चार
सुरेश सोनी	तीन
डा. कैलाश विश्वकर्मा	तीन
देवेंद्र राव देशमुख	तीन
एनके जैन	दो
प्राणनाथ पंकज	दो
राकेश भाटिया	दो

इन संघ विचारकों की पुस्तकें शामिल : विभाग ने सभी कालेजों को जिन लेखकों की किताबें खरीदने के निर्देश दिए हैं, उनमें संघ विचारक डा. अतुल कोठारी, दीनानाथ बत्रा, देवेंद्र राव देशमुख, डा. गणेशदत्त शर्मा, सुरेश सोनी, डा. सतीशचंद्र मित्तल सहित कई लेखकों की किताबें शामिल हैं।

राजनीति भी शुरू : वहीं, इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार केके मिश्र ने एक्स पर कहा कि जिन पुस्तकों के नाम सूची में शामिल हैं, उनके लेखकों का शिक्षा जगत से कोई लेना-देना नहीं है। वे सिर्फ एक विचारधारा विशेष को ही समर्पित रहे हैं। इस पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने कहा कि भारत केंद्रित शिक्षा व्यवस्था से कांग्रेस को आपत्ति क्यों है? कोई भी विषय आपत्तिजनक और गैर संवैधानिक नहीं है तो आपत्ति क्यों?

बड़ी चुनौती

व्हाइट कारिडोर चिह्नित करने की प्रक्रिया में मंत्रालय का आकलन, सुरक्षित यातायात के लिए अभी लंबे सफर की है चुनौती

देशभर में नेशनल हाईवे का सिर्फ 18 प्रतिशत हिस्सा ही सुरक्षित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश में नेशनल हाईवे और हाई स्पीड कारिडोर का दायरा तो बढ़ता जा रहा है, लेकिन सड़क सुरक्षा की चुनौतियों में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहे। सड़क सुरक्षा के जतन के बीच जब सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने व्हाइट कारिडोर चिह्नित करने की कवायद शुरू की तो प्रारंभिक आकलन में कुल नेशनल हाईवे (एनएच) नेटवर्क का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा ही ऐसा पाया गया है, जहां तीन वर्षों में कोई हादसा नहीं हुआ।

हाईवे नेटवर्क के विस्तार के साथ ही सरकार सड़क सुरक्षा के भी विभिन्न प्रयास कर रही है, लेकिन फिलहाल तस्वीर स्याह ही है। अधिक हादसों वाले स्थानों को ब्लैक स्पाट के रूप में चिह्नित कर लघु और दीर्घकालिक उपाय किए जाते हैं, लेकिन तेज गति से बढ़ रहे हादसे उसी रफ्तार से राहगीरों की जान निगल रहे हैं। मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 के मुताबिक, वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटनाओं में 11.9 प्रतिशत, मरने वालों में 9.4 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इन हादसों में जान गंवाने वालों में 18 से 45 उम्र वर्ग के वयस्कों की संख्या 66.5 प्रतिशत थी।

वहीं, ब्लैक स्पाट की बात करें तो मंत्रालय का दावा है कि 2024-25 तक सुधार के लिए 9,733 ब्लैक स्पाट चिह्नित किए हैं। इनमें से मार्च 2024 तक 4621 ब्लैक स्पाट को स्थायी उपायों के साथ ठीक कर दिया गया है। वहीं, मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसे रोकने के अन्य प्रयासों में व्हाइट कारिडोर चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू की है। वर्तमान में देश में लगभग 1 लाख 46 हजार किलोमीटर का नेशनल हाईवे नेटवर्क है। प्रारंभिक आकलन में करीब 18 प्रतिशत हिस्सा ऐसा है, जिस पर तीन वर्ष में एक भी सड़क हादसा नहीं हुआ है। इसे व्हाइट कारिडोर नाम देते हुए तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है कि यह हिस्सा किस तरह अधिक सुरक्षित है। इसके अलावा विचार यह है कि व्हाइट कारिडोर पर संसाधन खर्च करने के बजाय ब्लैक स्पाट पर ही अधिक ध्यान दिया जाए। हालांकि, इन अधिकारी ने माना कि सुरक्षित यातायात अभी बड़ी चुनौती है।

प्रतीकात्मक

ब्लैक स्पाट : जहां बार-बार होती हैं दुर्घटनाएं

सड़क पर जिस जगह पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं, उन्हें ब्लैक स्पाट कहा जाता है। किसी सड़क, राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे पर अगर एक ही जगह तीन वर्ष में पांच सड़क दुर्घटनाएं हो जाएं या किसी जगह पर तीन वर्ष में दस मौतें हो जाएं तो उसे ब्लैक स्पाट घोषित किया जाता है। दुर्घटना वाली जगह के आस-पास का 500 मीटर एरिया ब्लैक स्पाट माना जाता है।

5,803 ब्लैक स्पाट हैं राष्ट्रीय राजमार्गों पर, जहां होती हैं अधिक दुर्घटनाएं

39,944 दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं देशभर के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर

18,476 मौतें हुई राष्ट्रीय राजमार्गों पर

3,972 ब्लैक स्पाट को ठीक किया गया

आंकड़े वर्ष 2018-2020, स्रोत : भारत सरकार

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

1 नवम्बर 1966 को अस्तित्व में आया हरियाणा विधानसभा। उस समय इसमें 54 सीटें थी, जिनमें से 10 अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित थीं। 1967 में इसे बढ़ाकर 81 कर दिया गया। 1977 में 90 सीटें हो गईं, जिनमें 17 अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 14 अगस्त, 2024

'बहन के खिलाफ पत्नी को चुनाव लड़ाकर की गलती'

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- यह फैसला राकांपा संसदीय बोर्ड ने लिया था, अब लगता है कि यह गलत था
- राजनीति को घर में घुसने की अनुमति नहीं देनी चाहिए, मैं सभी बहनों को प्यार करता हूं

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा है कि हाल के लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ाकर गलती की। उन्होंने यह बात अपनी जनसम्मान यात्रा के दौरान कही।

अजीत पवार ने रक्षा बंधन से पहले एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि किसी को भी राजनीति को घर में घुसने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। वह राज्य विधानसभा चुनावों से पहले अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत 'मुख्यमंत्री लाड़की बहिन योजना' का प्रचार कर रहे हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

हाल के लोकसभा चुनावों में उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने बारामती सीट से राकांपा (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सुप्रिया सुले अजीत पवार के चाचा शरद पवार की बेटी हैं। सुनेत्रा पवार को लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद राज्यसभा के लिए चुन लिया गया है।

अजीत पवार। फाइल

शरद पवार एक वरिष्ठ नेता और मेरे परिवार के मुखिया

सत्तारूढ भाजपा और शिवसेना द्वारा शरद पवार को निशाना बनाए जाने पर राकांपा नेता ने कहा कि महायुति के सहयोगियों को भी समझना चाहिए कि वे क्या कह रहे हैं। कहा कि शरद पवार एक वरिष्ठ नेता और मेरे परिवार के मुखिया हैं। मैं उनकी किसी भी आलोचना का जवाब नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि जब हम साथ बैठते हैं तो मैं अपनी राय व्यक्त करता हूं।

अजीत पवार ने कहा कि मैं अपनी सभी बहनों से प्यार करता हूं। मैंने अपनी बहन के खिलाफ सुनेत्रा को मैदान में उतारकर गलती की। ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन, यह फैसला राकांपा संसदीय बोर्ड ने लिया था। अब मुझे लगता है कि यह गलत था। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अगले सप्ताह रक्षाबंधन पर अपनी चचेरी बहन से मिलने जाएंगे, राकांपा नेता ने कहा कि वह इस समय दौरे पर हैं। यदि वह और उनकी बहनें उस दिन एक स्थान पर होंगी तो वह निश्चित रूप से उनसे मिलेंगे।

पिछले साल जुलाई में अजीत पवार सहित राकांपा के कई अन्य विधायक शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए थे। इससे राकांपा में विभाजन हो गया। बाद में चुनाव आयोग ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले समूह को असली राकांपा घोषित कर दिया था।

शनिवार को भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में बनेगी सांगठनिक चुनावों की रणनीति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- प्रधानमंत्री मोदी 17 अगस्त को पार्टी पदाधिकारियों के साथ करेंगे बैठक
- सदस्यता अभियान व पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर होगी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अगस्त को देशभर के भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसमें सदस्यता अभियान और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा होगी। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहेंगे। बैठक के बाद सितंबर से पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हो सकता है। उसके बाद राज्यों में पार्टी के सांगठनिक चुनावों की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संगठनात्मक चुनाव पूरा होने तक जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाले रह सकते हैं। दरअसल पार्टी इस बार कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर जल्दबाजी में फैसला नहीं लेना चाहती और राष्ट्रीय अध्यक्ष को संगठन चुनाव की प्रक्रिया के माध्यम से लाने के पक्ष में है। माना जा रहा है कि आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और भाजपा के प्रभारी अरुण कुमार के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में सांगठनिक बदलावों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। रविवार को राजनाथ सिंह के घर हुई बैठक में अमित शाह, जेपी नड्डा के साथ-साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी मौजूद थे। 31 अगस्त से दो सितंबर तक केरल में आरएसएस के आनुषांगिक संगठनों के प्रमुखों की समन्वय बैठक के पहले संगठन और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की बैठक को अहम माना जा रहा है। लोस चुनाव में अपेक्षाकृत परिणाम नहीं मिलने के पीछे आरएसएस व भाजपा के बीच समन्वय की कमी को बड़ी वजह माना जा रहा है।

नरेन्द्र मोदी। फाइल

सेबी मामले में 22 को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

सेबी प्रमुख को हटाने और जेपीसी जांच के लिए राज्यों में ईडी के दफ्तर का करेगी घेराव

खरगे और राहुल ने की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों, शीर्ष पार्टी पदाधिकारियों संग बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के ताजा दावों पर गर्माई सियासत के बीच अदाणी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) कराने के साथ ही सेबी प्रमुख माधवी बुच को हटाने की मांग तेज करने के लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन करने का एलान किया है। विरोध आंदोलन की पहली कड़ी में पार्टी ने 22 अगस्त को सभी राज्यों की राजधानियों में ईडी के दफ्तर का घेराव कर अदाणी और माधवी बुच के खिलाफ जांच की आवाज बुलंद करने का कार्यक्रम तय किया है।

वहीं, जातीय गणना को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए भी कांग्रेस आंदोलन करेगी। इसकी रूपरेखा की जल्द ही घोषणा की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता और राहुल गांधी की मौजूदगी में यह फैसला हुआ। खरगे ने बैठक में कहा कि पार्टी का ध्यान बेलगाम बेरोजगारी और अनियंत्रित महंगाई के ज्वलंत मुद्दों पर है। सरकार ने गरीबों तथा मध्यम वर्ग के साथ छल किया है। इसलिए, इन मुद्दों पर फोकस करते हुए कांग्रेस राष्ट्रीय अभियान के तहत लोगों के बीच जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इन मुद्दों के साथ ही किसानों को एमएसपी की गारंटी देने, सेना में अग्निवीर की भर्ती खत्म कर भर्ती की पुरानी व्यवस्था बहाल करने और लगातार हो रही ट्रेन दुर्घटनाओं जैसे अहम विषयों पर भी प्रदेश नेताओं के साथ चर्चा करने की बात कही।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि कांग्रेस महासचिवों, राज्यों के प्रभारियों समेत बैठक में शामिल हुए 56 नेताओं में सभी ने अदाणी-माधवी बुच मामले में खरगे-राहुल के ष्टिकोण का समर्थन किया। पार्टी मानती है कि बुच को हटाने तथा अदाणी पर जेपीसी जांच की सरकार की अनिच्छा को जनता के बीच ले जाना जरूरी है। इसलिए, 22 अगस्त को राज्यों की राजधानियों में ईडी के दफ्तर का बड़ा घेराव होगा। जातीय गणना पर चर्चा की पुष्टि करते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि देरी को देखते हुए केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जाना जरूरी है। इसीलिए, संविधान की रक्षा तथा आरक्षण के मुद्दे उठाते हुए कांग्रेस इस पर भी देशव्यापी आंदोलन चलाएगी। चार राज्यों के चुनाव पर सामान्य चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने कहा कि हर प्रदेश के नेताओं से अलग से बातचीत हो चुकी है और जहां भी जरूरत होगी हम वहां गठबंधन में जाएंगे।

नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत अन्य। एएनआइ

शिंदे से है उद्धव के आवास के बाहर प्रदर्शन करने वाले लोगों के संबंध : राउत

मुंबई, एएनआइ: शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में बैठे नेता ऐसा करने के लिए सुपारी दे रहे हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि रविवार को ठाकरे के आवास के बाहर प्रदर्शन करने वाले लोगों के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से संबंध हैं। कहा कि वक्फ बोर्ड (संशोधन) बिल को लेकर मातोश्री के सामने विरोध प्रदर्शन जानबूझकर किया गया। इसका निर्देश दिल्ली से आया था। राउत ने कहा कि यह बिल अभी तक चर्चा के लिए संसद में नहीं आया है। हमारी पार्टी के सदस्य भी इसका हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि मातोश्री के सामने 10-12 लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। जिनमें से कुछ अपराधी थे। संसद में वक्फ बोर्ड विधेयक पर चर्चा के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अनुपस्थित थे।

जींद में हरियाणा मांगे हिसाब रैली

अनुराग अग्रवाल ● जागरण

- हरियाणा कांग्रेस कमेटी ने दिया 22 सितंबर को रैली का प्रस्ताव
- खरगे और राहुल ने 15 सितंबर के आसपास रैली करने को कहा
- अगस्त माह के आरंभ में रथ पर सवार होंगे भूपेंद्र हुड्डा और उदयभान

चंडीगढ़: हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत भाजपा सरकार के विरुद्ध 15 आरोपों की चार्जशीट लेकर जनता के बीच जा रहे कांग्रेस नेताओं का जोश बढ़ाने जल्द ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी प्रदेश का दौरा करेंगे। हरियाणा कांग्रेस कमेटी ने खरगे और राहुल के हरियाणा आगमन पर राज्यस्तरीय बड़ी रैली करने का निर्णय लिया है। हरियाणा कांग्रेस कमेटी इस रैली को 22 सितंबर को करना चाहती है, जबकि खरगे और राहुल ने 15 सितंबर के आसपास रैली का खाका तैयार करने के संकेत दिए हैं। रैली की तारीख और स्थान तय होना बाकी है, लेकिन हरियाणा कांग्रेस कमेटी इस रैली को जींद में मानकर तैयारियों में जुट गई है। जींद को हरियाणा की राजनीतिक राजधानी माना जाता है। प्रदेश के अधिकतर राजनीतिक दल जींद से ही अपने चुनाव अभियान शुरू करते हैं।

हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत कांग्रेस राज्य में फिलहाल विधानसभावार पदयात्राएं निकाल रही है। रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा अब तक 32 विधानसभा क्षेत्रों को कवर कर चुके हैं। इस माह के अंत तक सभी 90 हलकों को कवर कर लिए जाने की योजना है। इसी माह के अंत तक कांग्रेस पूरे प्रदेश में रथयात्रा भी निकालने जा रही है। इस रथ पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान सवार होकर जनता के बीच जाएंगे। यह रथयात्रा भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान का हिस्सा होगी।

खरगे और राहुल की रैली के लिए तारीख और स्थान का चयन हो जाने के बाद हुड्डा व उदयभान की रथयात्रा शुरू हो जाएगी। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया भी रथयात्रा में शामिल होंगे। कांग्रेस के बाकी नेताओं कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला, बीरेंद्र सिंह और कैप्टन अजय यादव को भी रथयात्रा में बुलाया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के मंच पर तो यह सभी एकजुट दिखाई देंगे। रथ पर एक साथ सवार होंगे, इसकी ज्यादा संभावना नजर नहीं आ रही है। हरियाणा में कांग्रेस के सभी धड़े अलग-अलग पदयात्राएं निकाल रहे हैं। दीपेंद्र हुड्डा बरसात में भी लोगों से संवाद कर रहे हैं। सैलजा ने कांग्रेस संदेश यात्राएं आरंभ कर रखी हैं, जबकि सुरजेवाला ने परिवर्तन रैलियों का दौर शुरू किया है।

मप्र में कलेक्टर के तबादले पर ओवैसी बोले, कानून के पालन की मिली सजा

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशा: दो दिन पहले रविवार को मप्र के विदिशा कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य के तबादले के प्रकरण में अब एआइआइएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी की इंट्री हो गई है। मंगलवार को उन्होंने अपने एक्स एकाउंट पर लिखा कि कलेक्टर को कानून के पालन की सजा मिली है।

असदुद्दीन ओवैसी।

ओवैसी ने लिखा है कि मध्य प्रदेश में संघ के संगठनों ने मांग की थी कि उन्हें मस्जिद में नमाज़ पढ़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। जिला कलेक्टर ने एएसआइ गजट में संरचना को मस्जिद बताया और अनुमति देने से इन्कार कर दिया। कलेक्टर का तबादला इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने कानून का पालन किया। वक्फ संशोधन विधेयक का यही खतरा है। सरकार कलेक्टर को बहुत ज्यादा अधिकार देना चाहती है, अगर कोई कहता है कि मस्जिद मस्जिद नहीं है, तो कलेक्टर को भीड़ की मांग माननी होगी या फिर उसका तबादला कर दिया जाएगा। कोई भी सबूत पर्याप्त नहीं होगा। शहर के हिंदूवादी संगठनों ने पिछले सप्ताह नाग पंचमी पर धार्मिक स्थल बीजा मंडल का ताला खोलकर पूजा करने की अनुमति मांगी थी, जिसे तत्कालीन कलेक्टर वैद्य ने इन्कार कर दिया है। इसके मंदिर होने का हिंदू पक्ष दावा करता है जबकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने उसे मस्जिद बताया है।

'सियासी साजिश का ओलिंपिक होगा तो आज के हुक्मरान बिना खेले जीतेंगे'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने कहा विनेश फोगाट पर भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन का बयान निंदनीय

पेरिस ओलिंपिक में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गईं महिला पहलवान विनेश फोगाट को लेकर भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन के बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि एसोसिएशन का यह बयान निंदनीय है कि खिलाड़ी के वजन और शरीर की जिम्मेदारी सिर्फ उसके कोच और सपोर्ट टीम की होती है।

अखिलेश यादव।

भाजपा का नाम लिये बिना लिखा कि सियासी साजिश का अगर कोई ओलिंपिक होगा तो आज के हुक्मरान बिना खेले जीत जाएंगे। एसोसिएशन के बयान पर सवाल उठाते हुए सपा अध्यक्ष ने पूछा कि क्या ऐसा कहकर एसोसिएशन, कोच के साथ ही सपोर्ट टीम पर अंगुली तो नहीं उठा रही है। ये लोग भी तो एसोसिएशन से संबद्ध होते हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठ सकता है कि सपोर्ट टीम का चयन किसने किया? जनता पूछ रही है अगर जिम्मेदारी सिर्फ उन्हीं लोगों की थी तो फिर चीफ मेडिकल आफिसर को भेजने की औपचारिकता क्यों की गई? सपा सुप्रीमो ने कहा कि ऐसे बयान देश के खिलाड़ियों और उनके कोच व सपोर्ट टीम के मनोबल को तोड़ने वाले होते हैं। खासतौर से उनके मनोबल को तो और भी ज्यादा जिन्होंने सड़कों पर संघर्ष किया हो। इस बयान से की गई नाइंसाफी, देश की बेटी विनेश फोगाट के साथ पहले हुई नाइंसाफी से कम नहीं है। देश सब देख और समझ रहा है। जिसके कंधों पर देश की जिम्मेदारी हो, कम से कम देश को उसकी जिम्मेदारी तो उठानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस मामले में विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है।

मुकेश सहनी की एनडीए में जाने की अटकलें, पार्टी का इन्कार

पटना, राज्य ब्यूरो: विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) के प्रमुख व पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के एनडीए में जाने की अटकलें जोर पकड़ रही हैं। हालांकि, पार्टी ने ऐसी खबरों का खंडन किया है। दरअसल, मुकेश सहनी ने हाल ही में अपने एक्स मीडिया में प्रोफाइल फोटो बदल कर तिरंगे की फोटो लगाई है। इसके बाद से यह अटकलें जोर पकड़ रही हैं। चूंकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से आग्रह किया था कि वे अपनी प्रोफाइल में तिरंगे की तस्वीर लगाएं, इसलिए सहनी ने प्रोफाइल फोटो बदली है। इसके पूर्व सहनी के पिता की मृत्यु के बाद भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने सहनी के गांव जाकर शोक संवेदना भी व्यक्त की थी। हालांकि, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने इसे महज अफवाह बताया है।

मुकेश सहनी। फाइल

जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव कराने को लेकर बैठक आज

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- चुनाव आयोग केंद्रीय गृह सचिव के साथ करेगा सुरक्षा परिदृश्य पर आकलन

चुनाव आयोग की बुधवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला के साथ दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। यह बैठक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के संदर्भ में सुरक्षा परिदृश्य पर केंद्रित रहेगी। इसके बाद ही जम्मू-कश्मीर में लंबित पड़े विधानसभा चुनाव करवाने का अंतिम निर्णय होगा। संबंधित सूत्रों के अनुसार, परिस्थितियों के अनुकूल रहने पर जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव चार से छह चरणों में सितंबर के अंतिम सप्ताह से अक्टूबर के अंत तक कराए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने इसी माह आठ और नौ अगस्त को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया है। दिल्ली लौटने से पूर्व उन्होंने जम्मू में कहा था कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही चुनाव कराए जाएंगे और किसी को भी चुनाव में खलल नहीं डालने दिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि प्रदेश प्रशासन चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और अंतिम निर्णय दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा परिदृश्य और चुनाव के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती जैसे विषयों का आकलन करने के बाद ही लिया जाएगा। लोस चुनाव में 35 वर्ष में पहली बार सर्वाधिक 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ है।

हाल ही में दौरा कर लौटे हैं राजीव कुमार। फाइल

बिहार में अपराध को लेकर सरकार पर हमलावर हुए राजद प्रमुख

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- लालू ने एक्स पर डाला वीडियो, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जारी की अपराध की बुलेटिन

राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सरकार पर हमलावर हैं। लालू प्रसाद ने मंगलवार को एक्स पर वीडियो पोस्ट डालकर कहा कि बिहार में अपराध से मची चीख पुकार, ऐसा है बिहार में भाजपा-जदयू का चौपट राज। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट पर अपराध की घटनाओं की बुलेटिन जारी करते हैं।

मंगलवार को भी उन्होंने एक पोस्ट डाली है। तेजस्वी ने लिखा कि बिहार में अपराधियों की बहार है। शासन-प्रशासन रिश्वतखोरी, लूट और भ्रष्टाचार में मस्त और व्यस्त तथा सत्ता संरक्षित अपराधी लूट, दुष्कर्म व निर्दोष लोगों की हत्या करने में मदमस्त है। पोस्ट में नेता प्रतिपक्ष ने बेतिया, मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर, गया, कैमूर, अररिया के साथ पटना और कटिहार के अलावा अन्य जिलों में हुई आपराधिक घटनाओं के बारे में लिखा है। तेजस्वी ने पोस्ट में बताया है कि बेतिया में जदयू नेता के सिर में गोली मार हत्या कर दी गई। मुजफ्फरपुर में युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या की गई। छपरा में अपहरण के बाद युवक की हत्या हुई इसी तरह भागलपुर में गया, कैमूर में महिला की हत्या की गई। कुल 42 घटनाओं के बारे में पोस्ट में लिखा गया है। तेजस्वी की पोस्ट को बड़े भाई तेज प्रताप ने भी फालो किया है।

लालू यादव। फाइल

तेजस्वी यादव।

अनिर्णय और असमंजस के दौर से गुजर रही भजनलाल सरकार

चिंता

राजस्थान के कृषि मंत्री के इस्तीफे पर तीन महीने से निर्णय नहीं हुआ, वित्त, चिकित्सा, कार्मिक, नगरीय विकास जैसे विभागों में कांग्रेस सरकार में नियुक्त हुए अधिकारी कार्यरत, आधा दर्जन जिलों में कांग्रेस सरकार के कलक्टर ही कर रहे काम

नरेंद्र शर्मा ● जागरण

जयपुर: राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार में अनिर्णय और असमंजस की स्थिति के चलते कई महत्वपूर्ण विषयों पर फैसले नहीं हो पा रहे हैं। मंत्रियों और शासन सचिवालय में तैनात वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों के साथ ही जिलों में तैनात कलेक्टर व नीचले स्तर के अधिकारियों में असमंजस की स्थिति देखने को मिल रही है। भजनलाल सरकार में चल रही इस असमंजस की स्थिति पर विपक्ष के साथ ही सत्तापक्ष के नेता भी दबे स्वरों में सवाल उठाने लगे हैं।

ऐसे हैं असमंजस की हालत : प्रदेश के सबसे वरिष्ठ मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्रिमंडल से करीब तीन महीने पहले इस्तीफा दिया था, लेकिन मीणा के इस्तीफे पर अब तक कोई निर्णय नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मीणा के इस्तीफे को स्वीकार करने अथवा नहीं करने को लेकर कोई अधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। मीणा के पास आपदा राहत,कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग का जिम्मा था। इन दिनों प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। छह जिलों के कई इलाकों में बाढ़ के हालात हैं।सैंकड़ों लोग बेघर हो गए,लेकिन सरकार में आपदा प्रबंधन मंत्री को लेकर असमंजस की स्थिति है। आपदा प्रबंधन मंत्री को लेकर कोई स्पष्ट फैसला नहीं होने के कारण खुद सीएम शर्मा को ही मोर्चा संभालना पड़ रहा है। विधानसभा उपाध्यक्ष और उप मुख्य सचेतक को लेकर भी सरकार निर्णय नहीं कर सकी है। विधायकों में इन दोनों पदों को लेकर असमंजस बना हुआ है। सबसे अधिक असमंजस की स्थिति ब्यूरोक्रेसी में है। भजनलाल सरकार के सत्ता संभाले आठ महीने हो गए,लेकिन गृह,वित्त,चिकित्सा,कार्मिक,पर्यटन,,आपदा प्रबंधन,नगरीय विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों में पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लगाए गए अधिकारी ही जमें हुए हैं। विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने वित्त,चिकित्सा एवं नगरीय विकास विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। लेकिन भजनाल सरकार अब तक इन अधिकारियों को ही नहीं बदल सकी है। कांग्रेस सरकार के समय से वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर अखिल अरोड़ा,वित्त सचिव (राजस्व) पद पर के.के पाठक,गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर आनंद कुमार,चिकित्सा विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर शुभ्रा सिंह,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक पद पर जितेंद्र सोनी,कार्मिक सचिव पद पर हेमंत गैरा,पर्यटन विभाग में प्रमुख सचिव पद पर गायत्री राठौड़ व नगरीय विकास विभाग में सचिव पद पर टी.रविकांत कार्यरत हैं। आधा दर्जन जिलों में कांग्रेस सरकार के समय नियुक्त हुए कलक्टर ही कार्यरत है।कई विभागों के विभागाध्यक्ष भी कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से कार्य कर रहे हैं। भजलाल सरकार के सत्ता संभालने के बाद से इन महत्वपूर्ण विभागों में बदलाव को लेकर कयास लगाए जाते रहे हैं। विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने के बाद अधिकारियों के तबादलों की चर्चा उच्च स्तर से चली,लेकिन अब तक असमंजस कायम है। ऐसे में सरकार का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस उठा रही सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा,बारिश एवं इससे संबंधित दुर्घटनाओं के कारण 25 से अधिक मौत हुई। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी आपदा की स्थिति में राज्य में आपदा राहत मंत्री के बारे में जनता को पता नहीं है कि वो पद पर हैं या उनका इस्तीफा स्वीकार हो गया। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा,यह पर्ची की सरकार है। ऊपर से पर्ची आने पर ही फैसले होते हैं,इनके खुद के हाथ में कुछ भी नहीं है। भाजपा के नेता भी व्यक्तिगत बातचीत में सरकार में असमंजस की स्थिति को ठीक नहीं मानते हैं।

भजनलाल शर्मा। फाइल

लालू और तेजस्वी के खिलाफ आरोपपत्र पर अदालत 17 को ले सकती है संज्ञान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- ईडी ने पूरक आरोपपत्र छह अगस्त को दायर किया था
- 11 आरोपितों के खिलाफ दाखिल किया है पूरक आरोपपत्र

जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी की ओर से पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और अन्य आरोपितों के खिलाफ दायर पूरक आरोप पत्र पर अदालत 17 अगस्त को संज्ञान ले सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने मामले में अगली तारीख तय करते हुए कहा कि दस्तावेज बहुत ज्यादा हैं। अगली सुनवाई 17 अगस्त के दिन अदालत तय कर सकती है कि मामले में लालू यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ ईडी द्वारा दायर पूरक आरोप-पत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं।

इससे पहले सुनवाई के दौरान अदालत ने पूरक आरोपपत्र को रिकार्ड में लेते हुए संज्ञान लेने की तारीख 13 अगस्त तय की थी। ईडी ने पूरक आरोपपत्र छह अगस्त को दायर किया था। आरोपपत्र में 11 और आरोपितों के नाम हैं। इसमें ललन चौधरी, हजारी राय, धर्मेंद्र कुमार, अखिलेश्वर सिंह, रविंदर कुमार, स्वर्गीय लाल बाबू राय, सोनमतिया देवी, स्वर्गीय किशुन देव राय और संजय राय के नाम भी हैं। इस मामले में बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा समेत अन्य आरोपियों पर ईडी पहले ही आरोप लगा चुकी है।

ईडी ने नौ जनवरी, 2024 को भूमि अधिग्रहण घोटाले के मनी लांड्रिंग मामले में अभियोजन शिकायत दायर की थी। ईडी ने बताया कि एबी एक्सपोर्ट निर्यात के व्यवसाय में थी। इसे वर्ष 1996 में निगमित किया गया था।

****

1 महिला सहित पांच नक्सली गिरफ्तार, छह ने किया समर्पण छत्तीसगढ़ में। इनमें एक नक्सली उईका चैतू पांच लाख का इनामी है। वहीं, छह नक्सलियों ने मंगलवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

डाक्टरों की हड़ताल से कई राज्यों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

दुष्कर्म- हत्याकांड मामला : बंगाल के अलावा यूपी, बिहार दिल्ली और महाराष्ट्र में प्रदर्शन

दूर-दराज से आए मरीज ज्यादा परेशान, देर रात हड़ताल टूटने की सूचना

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

कोलकाता में डाक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड व महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में रेजीडेंट डाक्टर हड़ताल पर हैं। इससे बड़े अस्पतालों में मरीजों को समस्या का सामना करना पड़ा। फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) इंडिया के आह्वान पर दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दूसरे दिन भी हड़ताल जारी रही। एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लोकनायक, जीबी पंत सहित 18 से अधिक अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टर हड़ताल पर रहे। अस्पतालों में ओपीडी सेवा 50 से 70 प्रतिशत तक प्रभावित रही। नियमित सर्जरी पूरी तरह ठप रही।

दिल्ली के एम्स, सफदरजंग, आरएमएल व जीबी पंत अस्पताल में लैब सेवा भी प्रभावित रही। मरीजों को सर्जरी, लैब जैसी सेवाओं के लिए भी दिनभर भटकना पड़ा। डाक्टरों ने पैदल मार्च कर विरोध-प्रदर्शन किया। एम्स में रेजीडेंट डाक्टरों ने जमकर नारेबाजी की। सफदरजंग अस्पताल के रेजीडेंट डाक्टरों ने मांग की कि डाक्टरों की सुरक्षा के लिए सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लाया जाए।

डाक्टरों ने कहा कि जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती, वह हड़ताल जारी रखेंगे। रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, देवघर समेत विभिन्न शहरों में भी डाक्टर हड़ताल पर रहे। रांची स्थित रिम्स से करीब 2000 से अधिक मरीजों को बिना इलाज वापस लौटना पड़ा। भोपाल में एम्स व गांधी मेडिकल कालेज के जूनियर डाक्टरों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर काम किया। प्रदेश के अन्य मेडिकल कालेजों में भी विरोध प्रदर्शन हुआ। पटना में एम्स सहित सभी बड़े सरकारी अस्पतालों में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पतालों में पहले से तय सभी सर्जरी स्थगित कर दी गईं। उत्तर प्रदेश में भी डाक्टरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। लखनऊ के एसजीपीजीआइ, लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, केजीएमयू सहित प्रदेश भर में मरीजों को बिना इलाज ही लौटना पड़ा।

ड्यूटी पर तुरंत नहीं लौटने पर रेजिडेंट डाक्टरों को कार्रवाई की चेतावनी

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या के विरोध में पैदल मार्च निकालते एम्स के रेजिडेंट डाक्टर। जागरण

एम्स व जीटीबी अस्पताल ने रेजिडेंट डाक्टरों से हड़ताल वापस लेने और तुरंत ड्यूटी पर लौटने की अपील की है। साथ ही हड़ताल जारी रखने की सूरत में उन पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। एम्स के रजिस्ट्रार की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि हाई कोर्ट के एक पुराने के अनुसार एम्स के 500 मीटर के दायरे में विरोध प्रदर्शन नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा कोई कर्मचारी संस्थान में काम व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रोक सकते हैं। इन नियमों का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि किसी मरीज को इलाज से इन्कार कर जान जोखिम में नहीं डाली जा सकती है। इस मामले पर पूछे जाने पर एम्स प्रशासन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दूसरी ओर जीटीबी अस्पताल प्रशासन ने वर्ष 2007 में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एक आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि कोई भी डाक्टर व स्वास्थ्य कर्मचारी अस्पताल में सेवाएं प्रभावित नहीं कर सकता है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्रूर हमले की बात आई सामने

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला डाक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीड़िता पर क्रूर हमले की बात सामने आई है। इस घटना में संजय राय नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया है। अस्पताल के सेमिनार हाल से स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक का शव शुक्रवार सुबह बरामद किया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक मृतका के नाखूनों के नीचे पाए गए खून और त्वचा के निशान राय के डीएनए से पूरी तरह मेल खाते हैं और हमले के दौरान उसे लगी चोटों से मेल खाते हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार आधी नींद में होने के बावजूद पीड़िता ने हमलावर के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और यह वह संघर्ष था जिसने जांचकर्ताओं को राय को अपराध से जोड़ने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सबूत प्रदान किए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौत गला घोंटने के कारण हुई है। इसके कारण थायरायड उपास्थि (ग्रंथि) टूट गई। चीखने से रोकने के लिए मुंह और गले को लगातार दबाया गया था। पीड़िता के चेहरे, आंखों से लेकर गर्दन तक पर खरोंच के निशान हैं। गुप्तांग से खून बह रहा था। होंठ, पेट, दाहिने हाथ और उंगलियों पर चोटें थीं, जबकि कालर बोन टूटी हुई थी। पीड़िता ने बेतहाशा प्रतिरोध करने की कोशिश की। इसके कारण आरोपित के हाथों पर भी गहरे निशान और खरोंच थे।

हरेक मेडिकल कालेज में संवेदनशील स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

▸ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने अस्पताल सुरक्षित बनाने के जारी किए दिशा-निर्देश

जेपी नड्डा। फाइल

हिंसा होने पर त्वरित एफआइआर और 48 घंटे में एनएमसी को रिपोर्ट करना होगा

नई दिल्ली, एएनआइ : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कालेजों और संस्थानों को एक सुरक्षित कार्य संस्कृति की नीति का पालन करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। देश के हरेक मेडिकल कालेज और अस्पताल में संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। हिंसा की घटनाओं को एनएमसी को 48 घंटे में रिपोर्ट करना होगा। साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बंगाल की तृणमूल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि एक रेजिडेंट महिला डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या का मामला बहुत चिंता का विषय है। प्रदेश में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद हर दिन महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं।

आधिकारिक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार हाल के दिनों में मेडिकल कालेजों में डाक्टरों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुई हैं। इसलिए सभी मेडिकल कालेजों से अपील की जाती है कि वह कालेज और अस्पताल परिसरों में रेजिडेंट डाक्टरों, मेडिकल छात्रों, फैकल्टी समेत सभी स्टाफ के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण बनाना सुनिश्चित करें। नोटिस में कहा गया है कि ओपीडी, वार्ड, कैजुयल्टी, हास्टलों और कैंपस के अन्य खुले स्थानों में शाम को पर्याप्त रोशनी रहे। परिसर में कर्मचारियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए सभी संवेदनशील इलाकों में सीटीटीवी कैमरों से निगरानी हो। मेडिकल कालेज परिसरों में पर्याप्त संख्या में पुरुष व महिला गार्डों के जरिये कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाएं। नोटिस में यह भी कहा गया है कि मेडिकल कालेज परिसरों या अस्पतालों में कोई भी हिंसा की घटना होने पर कालेज प्रबंधन उसकी जांच करे और पुलिस में एफआइआर दर्ज कराई जाए। साथ ही इस बारे में 48 घंटे के अंदर एनएमसी को घटना की विस्तृत जानकारी दी जाए। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मामले की सीबीआइ जांच कराने के फैसला का स्वागत करते हुए कहा कि इससे सच्चाई बाहर आएगी। बंगाल कानून-व्यवस्था विहीन राज्य बन गया है। इससे पहले मंगलवार को दिन में नड्डा ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। आइएमए प्रेसिडेंट डा. आरवी अशोकन ने कहा कि हमारी मुख्य मांग सभी अस्पतालों को सेफ जोन घोषित कराना है। जबकि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कोलकाता में बंगाल सरकार के रहते निर्भया -पार्ट-2 हो गया है।

न्यूज गैलरी

'शांति कायम करने के लिए सुलह का समय आ गया'

इंफाल: मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य में शांति कायम करने के लिए समुदायों के बीच मेल-मिलाप का समय आ गया है। सिंह ने 133वें देशभक्त दिवस समारोह के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस दिन मैं राज्य के लोगों को यह संदेश देना चाहता हूं कि समुदायों के बीच मेल-मिलाप का समय आ गया है। मैं राज्य के सभी नागरिकों से शांति कायम करने में सहायता करने का अनुरोध करता हूं। (प्रेट्र)

हिरण का शिकार कर होटलों में बेचा जाता था मांस

जयपुर : राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर में हिरणों के शिकार मामले के तार प्रदेश के कई बड़े होटलों से जुड़े होने के सुबूत जांच करने वाले अधिकारियों को मिले हैं। हिरणों को मार कर उनका मांस महंगी कीमत पर होटलों में बेचा जाता था। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) सविता दहिया ने बताया कि सोमवार को हिरणों के शिकार होने की सूचना मिली थी। मौके पर सात हिरणों के शव मिले। कुछ अवशेष भी मौके पर मिले थे। इस मामले में आईदानाराम सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की है। प्रारंभिक जांच और पूछताछ में सामने आया कि आरोपित कई होटलों में हिरणों के मांस की आपूर्ति करता था। डीएफओ ने बताया कि हिरण के मांस की मांग अधिक होने पर आरोपितों ने स्थानीय लोगों को भी अपने जाल में फंसा रखा था। (जासं)

गुजरात में आप और कांग्रेस विधायक को किया नजरबंद

नर्मदा: गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतार वसावा और कांग्रेस विधायक अनंत पटेल को मंगलवार को घरों में नजरबंद कर दिया गया। उनके समर्थकों को उन दो आदिवासियों को श्रद्धांजलि देने के लिए स्टेच्यू आफ यूनिटी की ओर जाने से रोक लिया गया, जिनकी पिछले सप्ताह पिटाई के बाद मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा कि केवड़िया में प्रार्थना सभा आयोजित करने की अनुमति नहीं दी। अधीक्षक प्रशांत सुम्बे ने कहा कि वसावा को उनके पैतृक गांव बोगाज स्थित घर में नजरबंद रखा गया है। बोगाज में पांच अन्य को भी रखा गया है। (प्रेट्र)

गिरिराज ने ममता से मांगा इस्तीफा, प्रियंका-अखिलेश पर भी साधा निशाना

जासं, बेगूसराय

▸ महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की जांच प्रभावित करने का आरोप

गिरिराज सिंह।

ममता बनर्जी।

कोलकाता में महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद जघन्य हत्या को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की है। बेगूसराय में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने ममता बनर्जी पर इस नृशंस कांड की जांच को प्रभावित करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि जांच प्रभावित नहीं हो, इसलिए उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और जांच पूरी होने तक पश्चिम बंगाल को राज्यपाल के अधीन रहने देना चाहिए। इसके लिए केंद्र द्वारा कहे जाने की प्रतीक्षा उन्हें नहीं करनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सालों पहले दिल्ली में हुई निर्भया सामूहिक दुष्कर्म की घटना से भी अधिक जघन्य अपराध है। आरोप लगाया कि घटना में जिस आरोपित को गिरफ्तार किया गया है, वह डमी है। असली अपराधियों को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निकटता के कारण बचाया जा रहा है।

गिरिराज ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के उत्पीड़न पर देर से चिंता जताने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। कहा कि मामला हिंदुओं से जुड़ा था, इसलिए उक्त मामले पर इंटरनेट मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट करने में उन्हें इतने सप्ताह लग गए। कांग्रेस एवं सपा को टुकड़े-टुकड़े गैंग की संज्ञा देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह गिरोह हमेशा रोहिंग्या को लेकर अधिक चिंतित रहा है।

अखिलेश के चुनाव में सक्रिय था कन्नौज दुष्कर्म का आरोपित

जागरण संवाददाता, कन्नौज

▸ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा-आरोपित से अखिलेश के रिश्ते जगजाहिर, वह कुछ भी कहें

किशोरी से दुष्कर्म के आरोपित जिस पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव से सपा ने पल्ला झाड़ लिया है, वह लोकसभा चुनाव में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रचार में सक्रिय था। कानपुर में मंगलवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिना ब्लाक प्रमुख का नाम लिए कहा कि पकड़े गए लोगों से सपा प्रमुख अखिलेश यादव के रिश्ते जगजाहिर हैं। अब अखिलेश यादव इस पर चाहे जो कुछ कहते रहें। वहीं, भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि अखिलेश को आकर बताना चाहिए कि नवाब किसका आदमी है। उसे सपा से निकाला गया था तो पत्र जारी होना चाहिए था। वह सपा में नहीं था तो लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी व अखिलेश की रैली के दौरान मंच पर क्या कर रहा था। सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान का कहना है कि लोकसभा चुनाव में कई पार्टियों से गठबंधन कर आइएनडीआइए बना था। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के नेता भी मंच पर थे। नवाब सिंह नेताओं के साथ मंच पर चढ़ आए थे। सपा की सूची में कहीं इनका नाम नहीं था। इस पर उस समय नाराजगी भी जताई गई थी।

तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे यूपी 112 पर सूचना दी थी कि चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय में वह अपनी बुआ के साथ है। कालेज के प्रबंधक व पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव ने उससे दुष्कर्म का प्रयास किया है। वहां पहुंची पुलिस ने नवाब सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपित पर दुष्कर्म सहित पास्को एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। वारदात के समय किशोरी के साथ रही उसकी बुआ को भी मुकदमे में नामजद किया गया है। पीड़िता की मां ने उस पर नवाब सिंह का सहयोग करने का आरोप लगाया था। वहीं, बुआ ने नवाब सिंह का बचाव किया है। उसने कहा कि यह सपा के कुछ बड़े नेताओं का खेल है। मंगलवार को पूरे घटनाक्रम को लेकर भाजपा हमलावर दिखी। स्थानीय भाजपा नेताओं ने अखिलेश व राहुल की जनसभाओं में नवाब सिंह की सक्रियता की फोटो प्रसारित किए हैं। पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने बताया कि जिस महाविद्यालय में घटना हुई, उसका उद्घाटन अखिलेश यादव ने किया था।

बसपाई बोले-गहनता से हो जांच और कार्रवाई

बसपा के कन्नौज लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे इमरान बिन जफर और बसपा जिलाध्यक्ष बबलू गौतम पीड़िता से मिलने महिला अस्पताल गए। इस दौरान इमरान ने कहा कि नवाब पर जो आरोप लगाए गए हैं, उनकी गहनता से जांच की जाए। साजिश का भी पता लगाया जाए।

सपा का राजनीतिक डीएनए ही अपराध और अपराधी का साथ देना : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुधांशु त्रिवेदी

अयोध्या के बाद कन्नौज में नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में समाजवादी पार्टी के रुख पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि सपा का राजनीतिक डीएनए ही अपराध और अपराधी का साथ देना है। इसी तरह से कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की सीबीआइ जांच के लिए समय मांगने को लेकर भी भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लिया। साथ ही कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' कहने वाली प्रियंका गांधी के होंठ इन घटनाओं पर क्यों सिल जाते हैं।

झारखंड में कलशयात्रा में श्रद्धालुओं पर मुस्लिमों ने किया हमला, सात घायल

जागरण संवाददाता, मेराल (गढ़वा) : झारखंड के गढ़वा जिला स्थित चामा गांव में सोमवार को निकाली गई कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर मुस्लिमों ने हमला कर दिया। इसमें सात लोग घायल हो गए। मेराल थाना में हमला तथा मारपीट की प्राथमिकी कराई गई। मामले में दुलदुलवा गांव स्थित नर्वदेश्वर मंदिर के अध्यक्ष अजय चंद्रवंशी एवं ग्रामीणों ने सात लोगों के विरुद्ध नामजद तथा 40-50 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है।

प्राथमिकी के अनुसार सोमवार को दुलदुलवा गांव से कलश यात्रा निकली थी। कलश में जल भरकर श्रद्धालु जय श्रीराम एवं जय भोलेनाथ के उद्घोष के साथ लौट रहे थे। कलशयात्रा चामा गांव स्थित मुस्लिम टोला से गुजर रही थी। इसी दौरान दिलदार अंसारी के घर के पास से लगभग पचास लोग लाठी-डंडे एवं कुल्हाड़ी के साथ श्रद्धालुओं से भिड़ गए। हिंदू पक्ष के लोगों का आरोप है कि दिलदार, इमरान अंसारी व उसके साथियों ने कुल्हाड़ी लेकर कलशयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर हमला किया।

लोट लगाते पहुंचा किसान, कलेक्टर ने की तत्काल सुनवाई

न्याय की आस लगाए इस तरह लोटते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचा किसान श्यामलाल। सैजन्य- वीडियो ग्रैब

- खंडवा के कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को हुई जनसुनवाई में तब माहौल अचानक बदल गया, जब एक किसान श्यामलाल जमीन पर लोटते हुए पहुंचे। उसे लोटते देख अधिकारी सकते में आ गए। उन्हें तुरंत कलेक्टर अनूपकुमार सिंह के पास ले जाया गया। कलेक्टर ने तुरंत सुनवाई की।
- सहेजला गांव निवासी श्यामलाल का आरोप है कि उनकी जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर लिया है। श्यामलाल ने कलेक्टर को बताया कि दो वर्षों से लगातार आवेदन देने के बावजूद एसडीएम से लेकर अन्य अधिकारी उसकी सुनवाई नहीं कर रहे हैं। मामला एसडीएम कोर्ट में है, लेकिन पटवारी रिपोर्ट बनाकर नहीं दे रहे।
- 16 जुलाई को मंदसौर में भी इसी तरह का मामला सामने आया था। जनसुनवाई में लोट लगाकर पहुंचे बुजुर्ग शंकरलाल ने उनकी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया था। इस मामले में इतना तूल पकड़ा था कि कर्मचारी राजेश विजयवर्गीय को निलंबित कर दिया गया था।

बांग्लादेश सीमा के निकट गणित की गुत्थी में उलझे मिले गोरखपुर के अमित

रजनीश त्रिपाठी • जागरण

▸ बंगाल हैम रेडियो क्लब के सदस्यों ने ढूंढा घर का पता, तीन वर्ष पूर्व लापता हुए थे शिक्षक, पिता लेकर घर लौटे

गोरखपुर: गणित की गुत्थी सुलझाने की कोशिश और सबसे अलग-थलग रहने की चाह। बिखरे बाल और मैले कुचैले कपड़े। इस स्थिति में अपने घर से 850 किलोमीटर दूर बांग्लादेश की सीमा के निकट मिले हैं गोरखपुर के अमित कुमार प्रसाद। बंगाल के 24 परगना जिले के पेट्रापोल बाजार में उन्हें इस दशा में देख लोगों ने पहचान पूछी तो बस इतना बोले, मुझे अकेला छोड़ दें। स्थानीय हैम रेडियो क्लब के सदस्यों ने देशभर में फैले नेटवर्क के सहारे उनके घर का पता ढूंढ़ा। गोरखपुर से गए स्वजन मंगलवार की शाम अमित को लेकर घर लौट आए।

झरवां खिरवनिया गांव के बाहर झोपड़ी में चाय की दुकान चलाने वाले पिता गामा प्रसाद ने बताया कि बेटा अमित बचपन से ही पढ़ाई में तेज था। वर्ष 2009 में इंटर पास करने के बाद कालेज में प्रवेश लिया। इसी बीच 2011 में शादी कर दी गई। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के चलते अमित प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने लगे। बच्चों में उसकी पहचान अमित सर के नाम से थी। वर्ष 2014 में उनके दिमाग का संतुलन गड़बड़ा गया। शायद पारिवारिक उलझनों के चलते मंजिल तक न पहुंच पाने की मायूसी ने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। दो-तीन महीने बाद लौटे तो बीमारी बढ़ गई थी। डाक्टर के पास लंबा उपचार भी कराया गया, लेकिन वर्ष 2017 में फिर गायब हो गया। इस बार तीन महीने बाद लौटे। वर्ष 2021 में घर छोड़कर गए तो अब मिले हैं।

पिता को देख पैरों में गिर पड़े अमित

गामा ने बताया कि नौ अगस्त को हमारे पास बंगाल पुलिस का फोन आया। बताया कि आपका बेटा मिला है। पिता गामा प्रसाद, भाई सूर्यभान, रिश्तेदार सोनू निषाद समेत आठ लोग निजी कार से पेट्रापोल रवाना हो गए। वहां पुलिस चौकी में मौजूद अमित पिता गामा को देखते ही उनके पैरों में गिर पड़े। उन्होंने उनसे माफी मांगी।

झारखंड में स्कूल में मुर्गा बनाकर पीटे जाने के बाद थैलीसीमिया पीड़ित बच्चे की मौत

जासं, चंदवा (लातेहार)

▸ परिवार के लोगों ने किया हंगामा, आरोपित शिक्षक ने कहा- मुझे बीमारी की जानकारी नहीं थी

विद्यालय पहुंचे मृत बच्चों के स्वजन। जागरण

लातेहार जिले के चंदवा में थैलीसीमिया से पीड़ित एक बच्चे को होमवर्क नहीं करने पर शिक्षक ने स्कूल में लगभग 40 मिनट तक मुर्गा बनाए रखा और पिटाई की। इस क्रम में बच्चे की तबीयत बिगड़ गई और दो दिन बाद सोमवार को उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद आक्रोशित स्वजन ने मंगलवार को स्कूल पहुंच कर काफी देर तक हंगामा किया।

इस संबंध में बच्चे के परिवार के लोगों का कहना था कि विद्यालय प्रबंधन को बच्चे के थैलीसिमिया पीड़ित होने की जानकारी थी। इसके बावजूद शिक्षक सोमेन मुखर्जी ने उसे आठ अगस्त को 40 मिनट तक मुर्गा बनाकर दंडित किया। छात्र ने घर पहुंच कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद उसकी स्थिति बिगड़ने लगी। उसके शरीर में काफी खिंचाव हो रहा था। 10 अगस्त को स्वजन उसे इलाज के लिए रांची स्थित गुरु नानक अस्पताल ले गए, जहां उसे भर्ती नहीं किया गया। इसके बाद स्वजन बच्चे को लेकर रानी चिल्ड्रेन अस्पताल पहुंचे। बच्चे के स्वजन के अनुसार, रांची में 10 से 12 अगस्त तक इलाज के दौरान काफी पैसे खर्च हुए। इसके बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। बच्चे के अभिभावकों ने प्रशासन से विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, प्रशासनिक पदाधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन पर कार्रवाई की बात कही है। छात्र के पिता कैलाश राम की 15 साल पूर्व हो मौत हो चुकी है। थैलीसीमिया से पीड़ित छात्र अभिमन्यु कुमार उनका इकलौता पुत्र था। स्वजन का कहना था कि छात्र की मौत की जानकारी देने के बाद भी शिक्षक को कोई अफसोस नहीं था।

पेपर लीक के मुकदमे में पांच और युवकों के बढ़ेंगे नाम

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) की प्रारंभिक परीक्षा का पेपर लीक होने के मुकदमे में पांच और युवकों के नाम बढ़ेंगे। इसको लेकर एसटीएफ ने कवायद तेज कर दी है। मुकदमे में नामजदगी होने के बाद अभियुक्तों के खिलाफ साक्ष्य संकलित करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसटीएफ ने हाल ही में जेल में बंद अभियुक्त रवि अत्री और बर्खास्त सिपाही विक्रम बहल से पूछताछ की थी। इस दौरान दोनों आरोपितों ने लखनऊ, प्रयागराज व नोएडा समेत कई अन्य जगहों पर रहने वाले पांच युवकों के नाम बताए थे। इन सभी को राजीव नयन मिश्रा के गिरोह का सदस्य बताते हुए इनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी थी। जिनके नाम प्रकाश में आए हैं और जिनके नाम बयान में लिए गए हैं, उनका मिलान कराया गया।

****

डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को फिर मिली 21 दिन की फरलो

जागरण संवाददाता, रोहतक

गुरमीत सिंह। फाइल

सुनारिया जेल से सुबह साढ़े छह वजे कड़ी सुरक्षा के साथ निकाला गया गुरमीत को

साध्वी दुष्कर्म व हत्या के मामले में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह को तीन सप्ताह की फरलो मिली है। कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार सुबह सुनारिया जेल से उन्हें बाहर निकाला गया, उसके बाद वह उत्तर प्रदेश के बरनावा डेरे के लिए काफिले के साथ रवाना हुए। जेल से थोड़ी दूरी पर हाईवे पर अचानक संदिग्ध गाड़ी आने से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। रोहतक डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की कि सुनारिया जेल से गुरमीत सिंह को जब उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया तो हाईवे पर अचानक एक गाड़ी रास्ते में आ गई। उसकी जांच की तो उसमें से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर गाड़ी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है जबकि एक अन्य फरार हो गया। विधानसभा चुनाव से पहले गुरमीत सिंह को फरलो मिलने पर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस बार गुरमीत सिंह को 21 दिन की फरलो मिली है। फरलो की मंजूरी मिलने के बाद डेरा प्रमुख गुरमीत को लेने के लिए उसकी गोद ली गई बेटी हनीप्रीत पहुंची। बता दें कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह को सबसे पहले 30 दिन की फरलो 17 जून 2022 को मिली थी। वह बरनावा आश्रम में ही रहा था। 18 जुलाई 2022 को वह सुनारिया जेल चला गया था।

बैग में पिस्टल लेकर स्कूल पहुंच गया आठवीं का छात्र

नईदुनिया न्यूज, जांजगीर-चांपा : गुरुकुल स्कूल का आठवीं का छात्र सोमवार को अपने दोस्तों को दिखाने के लिए अपने पिता की आलमारी में रखी पिस्टल लेकर स्कूल आ गया था। शिक्षक को छात्र के बैग से पिस्टल मिली। जांच के दौरान पुलिस को छात्र के घर से एक तलवार भी मिली। छात्र के पिता लखनेश्वर और चाचा लालू कटकवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं नाबालिग छात्र को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। केरा रोड जांजगीर में संचालित लालू स्वीट्स के संचालक लखनेश्वर उर्फ कल्लू कहरा का पुत्र गुरुकुल स्कूल में आठवीं का छात्र है। सोमवार को वह पिता की पिस्टल स्कूल लेकर गया था। छात्र से पूछताछ के बाद पुलिस उसके घर पहुंची। यहां बच्चे के पिता और चाचा ने बताया कि बासुकीनाथ झारखंड से पिस्टल और तलवार को खरीदा गया है। दोनों को जेल भेज दिया गया है। वहीं छात्र को किशोर न्यायालय जांजगीर में पेश किया गया।

1.46 लाख किमी का नेशनल हाईवे नेटवर्क वर्तमान में देश में है। एक आकलन के मुताबिक करीब 18 प्रतिशत हिस्सा ऐसा है, जिस पर तीन वर्ष में एक भी सड़क दुर्घटना नहीं हुई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 14 अगस्त, 2024

महिला सिपाही ने की सास व दो बच्चों की हत्या, पति ने पत्नी को मार की आत्महत्या

बिहार के भागलपुर एसएसपी कार्यालय की आरटीआइ शाखा में तैनात थी सिपाही

आरा के माल में काम करने के दौरान नीतू और पंकज ने किया था प्रेम-विवाह

जागरण संवाददाता, भागलपुर

बिहार के भागलपुर एसएसपी कार्यालय की आरटीआइ शाखा में तैनात महिला सिपाही नीतू ठाकुर ने अपनी सास व अपने दो बच्चों की चाकू से गला रेतकर व ईंट से कूचकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी होने के बाद पति पंकज ठाकुर ने नीतू की गला रेतकर हत्या कर दी और स्वयं भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला सिपाही नीतू ने पंकज से प्रेम विवाह किया था। घटना महिला सिपाही नीतू ठाकुर के भागलपुर स्थित सरकारी आवास में हुई।

डीआइजी विवेकानंद ने बताया कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। नीतू 2015 बैच की सिपाही थीं। वह बक्सर की रहने वाली थी। पति पंकज कुमार बेरोजगार थे। पंकज ने सुसाइड नोट में नीतू के अवैध

नीतू कुमारी। फाइल/पुलिस

संबंध में बारे में जानकारी मिलने की बात कही है। सोमवार शाम को पति-पत्नी के बीच काफी झगड़ा भी हुआ था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

भागलपुर के एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि सभी बिंदुओं पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस एसोसिएशन से जुड़े एक अन्य पदाधिकारी भी शक के घेरे में हैं। भागलपुर पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह दूधवाले के पहुंचने पर घटना का पता चला। दूधवाले ने जब कमरे में झांका को बेड पर नीतू की सास खून से लथपथ पड़ी थीं। उसके शोर मचाने पर आसपास के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। घटना का कारण नीतू का अवैध संबंध बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने नीतू के कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर गेस्ट रूम में बेड पर नीतू की सास का क्षत-विक्षत शव दिखा। बरामदे में पंकज कुमार सिंह का शव प्लास्टिक की रस्सी के सहारे झूल रहा था। उसी से सटे कमरे में नीतू के पुत्र और पुत्री का शव पड़ा था। पुलिस ने पंकज के शव को नीचे उतारा।

घटनास्थल से मिले एक सुसाइड नोट में पंकज कुमार सिंह ने लिखा है कि उसकी पत्नी नीतू ने उसके दोनों बच्चों और मां की हत्या कर दी। इस कारण उसने चाकू से गला रेतकर नीतू को मार डाला। महिला के पिता पंकज ने लिखा है कि नीतू को मारने के बाद वह आत्महत्या कर रहा है। घटनास्थल से खून से सना चाकू, कपड़े आदि बरामद किए गए हैं। नीतू पुलिस मेंस एसोसिएशन में अंकेक्षक (आडिटर) के पद पर थी। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द भी पूरे मामले का पर्दाफाश होगा।

पांच को जिंदा जलाने वाले हत्यारे को फांसी की सजा

जागरण संवाददाता, मैनपुरी: चार साल पहले एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाकर हत्या करने के दोषी को जिला अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। 2020 में होली पर तेज आवाज में संगीत को लेकर राम बहादुर और मुरारी के बीच विवाद हुआ था। 18 जून, 2020 की रात रामबहादुर पत्नी सरला देवी, पुत्री संध्या और शिखा और नाती ऋषि के साथ कमरे में सो रहे थे। आरोप है रंजिश की आग में जल रहे मुरारी ने कमरे की कुंडी बाहर से बंद कर दी थी और कमरे के आसपास वदरवाजे पर केरोसिन डालकर आग लगा दी थी। इससे कमरे में सो रहे पांचों लोग झुलस कर गंभीर घायल हो गए थे। इलाज के लिए सैफई ले जाते समय रास्ते में बालक ऋषि की मृत्यु हो गई थी। अन्य घायलों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

शराबी पति ने बाइक में पीछे बांधकर पत्नी को गांव में घसीटा

जागरण संवाददाता, जयपुर: राजस्थान के नागौर जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बाइक में पीछे बांधकर करीब एक किलोमीटर तक घसीटा । इससे पहले पत्नी की बुरी तरह पिटाई भी की । पति ने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि पत्नी उसके मना करने के बावजूद उसकी बहन (ननद) से मिलने के लिए जैसलमेर चली गई थी । सोमवार को इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ तो पुलिस ने नाहरसिंहपुरा गांव निवासी आरोपित प्रेमाराम को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद पीड़िता को उसकी ननद अपने साथ लेकर चली गई।

पांचौड़ी पुलिस थानाधिकारी खेतराम ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया कि पंजाब निवासी 25 साल की सुमित्रा का प्रेमाराम की बहन और दो अन्य स्वजन ने उसकी मां से दो लाख रुपये में करीब 10 महीने पहले खरीदा था। सुमित्रा के पिता का निधन हो गया है। ऐसे में परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण मां ने उसको बेच दिया थी। इसके बाद उसकी प्रेमाराम से शादी करवा दी गई थी। प्रेमाराम शराब पीने का आदी है। शराब पीकर वह सुमित्रा के साथ पहले भी कई बार मारपीट कर चुका है। पिछले दिनों सुमित्रा प्रेमाराम की मर्जी के खिलाफ अपनी ननद के पास जैसलमेर चली गई।

'स्पर्म या एग डोनर नहीं कर सकता जैविक माता या पिता होने का दावा'

- बांबे हाई कोर्ट ने कहा, स्पर्म या एग डोनर का बच्चे पर नहीं होता अधिकार
- याचिकाकर्ता महिला को दी जुड़वा बेटियों से मिलने की अनुमति

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि शुक्राणु या अंडाणु दाता (स्पर्म या एग डोनर) का बच्चे पर कोई अधिकार नहीं है और वह बच्चे का जैविक माता या पिता होने का दावा नहीं कर सकता। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने एक 42 वर्षीय महिला को अपनी पांच वर्षीय जुड़वा बेटियों से मिलने की अनुमति प्रदान कर दी।

महिला ने बांबे हाई कोर्ट को अपनी याचिका में कहा कि उसकी बेटियों का जन्म सरोगेसी से हुआ था और वे उसके पति और छोटी बहन के साथ रह रही हैं जो एग डोनर थी। याचिकाकर्ता के पति का दावा था, चूंकि उसकी साली एग डोनर है तो उसे जुड़वा बच्चियों की जैविक माता कहलाने का वैधानिक अधिकार है और उसकी पत्नी का उन पर कोई अधिकार नहीं है।

बांबे हाई कोर्ट के जस्टिस मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने हालांकि यह कहते हुए इस दलील को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया कि छोटी बहन की भूमिका एक एग डोनर की है और वह एक स्वैच्छिक डोनर है। अधिक से अधिक वह एक आनुवांशिक मां कहला सकती है, इससे अधिक कुछ नहीं।

मामले में बांबे हाई कोर्ट की सहायता के लिए नियुक्त वकील ने सूचित किया कि इस दंपती का सरोगेसी का समझौता 2018 में हुआ था, जब सरोगेसी

बांबे हाई कोर्ट। फाइल

(रेगुलेशन) एक्ट, 2021 लागू नहीं हुआ था, इसलिए उक्त समझौता इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च द्वारा जारी गाइडलाइंस के तहत आएगा। बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि उक्त गाइडलाइंस के नियम के मुताबिक, डोनर और सरोगेट मां को माता-पिता के सभी अधिकार त्यागने होंगे। साथ ही कहा कि वर्तमान मामले में जुड़वां बच्चियां याचिकाकर्ता और उसके पति की बेटियां होंगी।

बता दें, नियमानुसार भारत में शुक्राणु दाता को गुमनाम रहना होता है। शुक्राणु की तरह ही, अंडा दान भी भारत में एक गुमनाम प्रक्रिया है।

न्यूज गैलरी

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन आज

नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को बताया कि शाम सात बजे आकाशवाणी के राष्ट्रीय नेटवर्क और दूरदर्शन के चैनलों पर संबोधन प्रसारित किया जाएगा। पहले हिंदी और उसके बाद अंग्रेजी में प्रसारण के बाद दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनल क्षेत्रीय भाषा में प्रसारण करेंगे। आकाशवाणी क्षेत्रीय नेटवर्क पर रात 9:30 पर प्रसारण करेगा। (प्रेट्र)

असम में नया उग्रवादी संगठन बना रहे युवा मुख्यधारा में लौटे

गुवाहाटी : असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने कहा है कि नया उग्रवादी संगठन बनाने का प्रयास कर रहे युवकों के एक समूह को मुख्यधारा में वापस लाया गया है। एक्स पोस्ट में डीजीपी ने कहा है कि कोकराझार-चिरांग के वन क्षेत्र में पिछले तीन-चार महीने से 20 युवक इस प्रयास में जुटे थे। उनके पास से बड़ी संख्या में हथियार और गोलियां जब्त की गई हैं। (प्रेट्र)

केरल में एनआइए की नक्सली के परिसरों पर छापेमारी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने मंगलवार को केरल में नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के सदस्य मुरली कन्नेमपिल्लई के परिसरों पर छापेमारी की और कई आपत्तिजनक डिजिटल उपकरण और दस्तावेज जब्त किए। जांच एजेंसी ने कहा है कि नक्सली संगठन के सदस्यों द्वारा सरकार के विरुद्ध संघर्ष शुरू करने के षड्यंत्र से संबंधित मामले में मंगलवार को यह छापेमारी की गई है। (प्रेट्र)

शरजील केस में सुप्रीम कोर्ट ने चार राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने जेएनयू के छात्र शरजील इमाम मामले में चार राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शरजील ने कोर्ट में याचिका दायर कर भड़काऊ बयान देने के लिए अपने खिलाफ देशद्रोह के आरोप लगाने वाली कई एफआइआर को एक साथ जोड़ने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से जानना चाहा कि क्या उन्हें शरजील के मुकदमें को दिल्ली स्थानांतरण करने में कोई आपत्ति है? पीठ ने राज्यों से सवाल का जवाब देने को कहा और मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी। कोर्ट 2020 में दायर इमाम की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। (प्रेट्र)

पानी में लहराता तिरंगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान बेहद तेजी पकड़ चुका है। गांव हो या शहर, बच्चे हों या बूढ़े, तिरंगा लहराने के प्रति उनकी प्रसन्नता हर ओर देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में 78वें स्वतंत्रता दिवस से पूर्व चेन्नई में वीजीपी मरीन किंगडम में 30 लाख लीटर पानी से भरे एक्वेरियम के भीतर तिरंगा लहराता एक स्कूबा डाइवर। एएनआइ

ईडी ने कहा-तृणमूल सांसद साकेत गोखले के खिलाफ मनी लांड्रिंग के आरोप तय

- राज्यसभा सदस्य के खिलाफ विगत वर्ष दाखिल किया गया था आरोपपत्र
- लोगों से चंदा के जरिये एकत्र की गई राशि के दुरुपयोग का मामला

नई दिल्ली, प्रेट्र : गुजरात की अहमदाबाद की एक विशेष अदालत ने तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले के खिलाफ मनी लांड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत आपराधिक आरोप तय कर दिए। इस आशय की जानकारी ईडी ने दी। ईडी ने अपने एक बयान में कहा है कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अहमदाबाद (ग्रामीण) और विशेष पीएमएलए अदालत अहमदाबाद ने मंगलवार को मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम 2002 के प्रविधानों के तहत साकेत गोखले के विरुद्ध आपराधिक आरोप तय किए।

ईडी के अनुसार, राज्यसभा सदस्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग निरोधक कानून के तहत आरोपपत्र विगत वर्ष दाखिल किया गया था। गोखले के खिलाफ मनी लांड्रिंग का मामला गुजरात पुलिस की प्राथमिकी से सामने आया है। राज्य पुलिस ने लोगों से चंदा के जरिये एकत्र की गई राशि के दुरुपयोग के मामले में दिसंबर 2022 में दिल्ली से गोखले को गिरफ्तार किया था। ईडी ने अदालत को सूचित

साकेत गोखले। फाइल

किया था कि गोखले द्वारा लोगों से चंदा के जरिये एकत्र की गई बड़ी धनराशि सट्टा शेयर कारोबार, शराब, भोजन तथा अन्य व्यक्तिगत खर्चों पर व्यय की गई। हालांकि, गोखले ने इन आरोपों से इन्कार किया था।

घोटाले ने बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को 20 साल पीछे धकेल दिया : ईडी

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : शिक्षा विभाग में भर्ती घोटाले की जांच कर रही ईडी ने मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस विधायक मानिक भट्टाचार्य पर बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को 20 साल पीछे धकेल देने का आरोप लगाया है। कलकत्ता हाई कोर्ट में मामले पर सुनवाई के दौरान ईडी के अधिवक्ता फिरोज एडुलजी ने न्यायाधीश शुभ्रा घोष के समक्ष कहा कि आज मानिक भट्टाचार्य रो रहे हैं जबकि उनके भ्रष्टाचार से बंगाल की शिक्षा व्यवस्था 20 साल पीछे चली गई है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को कैंसर की तरह खोखला कर दिया है। मालूम हो कि जिस समय यह घोटाला सामने आया था, उस वक्त मानिक पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष थे। इस समय वह न्यायिक हिरासत में हैं।

विश्व धरोहर में शामिल होंगे पंच बदरी व पंच केदार

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून

- यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल कराने के लिए प्रारूप तैयार करने में मदद करेगा मुंबई का संस्थान

उत्तराखंड में जितना महात्म्य बदरीनाथ व केदारनाथ धाम का है, उतना ही पंच बदरी और पंच केदार का भी है। ये बदरी-केदार धाम के ही अंग हैं। अब इन्हें यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए सरकार ने कसरत प्रारंभ कर दी है। इसके लिए यूनेस्को की गाइडलाइन के अनुसार प्रारूप तैयार करने के लिए मुंबई के संस्थान एएनएल एसोसिएट का चयन किया गया है। कैबिनेट की बैठक में पर्यटन विभाग की ओर से इस संबंध में रखे गए प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई।

पंच बदरी में श्री बदरी नारायण (बदरीनाथ धाम), आदि बदरी, वृद्ध बदरी, योग ध्यान बदरी व भविष्य बदरी शामिल हैं। पंच केदारों में केदारनाथ धाम, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमेश्वर व कल्पेश्वर महादेव हैं। ये सभी मंदिर श्रद्धालुओं की असीम आस्था का केंद्र होने के साथ ही पुरातात्विक महत्व के भी हैं। अब सरकार ने इन्हें यूनेस्को की विश्व धरोहरों की सूची में शामिल कराने के लिए कसरत प्रारंभ की है। यूनेस्को की गाइडलाइन के अनुसार इसके लिए प्रारूप तैयार करने को मुंबई के एएनएल एसोसिएट के कंजर्वेशन आर्किटेक्ट पर्यटन विभाग को मदद करेंगे। प्रारूप तैयार होने के पश्चात इसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा और फिर केंद्र इसे यूनेस्को को भेजेगा। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल होने पर पंच बदरी व पंच केदार मंदिरों के संरक्षण को यूनेस्को से ग्रांट मिलेगी। साथ ही यूनेस्को की हेरिटेज साइट में पंच बदरी व पंच केदार की पूरी जानकारी रहेगी।

बता दें, भगवान शिव के पंच केदार की तरह भगवान विष्णु के पांच धाम हैं, जिन्हें पंच बदरी के नाम से जाना जाता है। इनमें श्री बदरीनाथ धाम भी शामिल हैं। धर्म ग्रंथों में पंच बदरी को दूसरा बैकुंठ भी कहा गया है। भक्तों को इन पवित्र स्थलों की यात्रा काफी पसंद है।

वनरक्षक को पिकअप से टक्कर मारी, फिर 900 मीटर घसीटा, मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, सिंगरौली : मध्य प्रदेश में सिंगरौली जिले के बनिया नाला दरबारी क्षेत्र में सब्जी विक्रेता कमलेश साकेत ने बदला लेने के लिए मोटर साइकिल सवार वन रक्षक शीतल सिंह को पिकअप से टक्कर मार दी। बता दें, जब शीतल वाहन समेत पिकअप में फंस गए तो उन्हें सब्जी विक्रेता कमलेश करीब 900 मीटर तक घसीटता रहा। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक सिंगरौली जिला मुख्यालय से 90 किमी दूर चितरंगी बीट में पदस्थ वनरक्षक शीतल सिंह का सोमवार शाम सब्जी विक्रता कमलेश से सब्जी के दाम को लेकर विवाद हो गया था।

इस घटना के बाद गुस्से में आए कमलेश ने बदला लेने के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किया। मंगलवार को उसने शीतल का पहले पीछा किया, फिर ओवरटेक कर सीधे टक्कर मारकर घसीटा। वनरक्षक के साथ बैठे एक अन्य साथी टक्कर लगने से घायल हो गया है। उसे चितरंगी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपित कमलेश की तलाश में तीन पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

सलमान फायरिंग में शूटर की जमानत याचिका का पुलिस ने किया विरोध

- कोर्ट को बताया, उसका उद्देश्य सलमान खान को मारने का था
- मास्टरमाइंड लारेंस एक अलग मामले में अहमदाबाद जेल में है बंद

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई पुलिस ने सलमान खान के आवास के बाहर फायरिंग करने वाले शूटरों में से एक की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि इनका इरादा अभिनेता को जान से मारने का था। पुलिस ने अपने जवाब में कहा कि यदि शूटर विक्की गुप्ता को जमानत पर रिहा किया गया तो वह फायरिंग के मास्टरमाइंड गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई को अब तक हुई जांच की पूरी जानकारी साझा कर देगा। यही नहीं, महत्वपूर्ण सुबूत भी नष्ट हो सकते हैं। बिश्नोई एक अलग मामले में अहमदाबाद जेल में बंद है। इस मामले में उसे अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है।

इस महीने की शुरुआत में गुप्ता ने अपने वकील के माध्यम से मकोका मामलों की विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी। पुलिस ने मकोका अदालत को बताया कि विक्की गुप्ता अपराध में सक्रिय रूप से शामिल था। पुलिस ने कहा कि उसने लारेंस बिश्नोई और उसके फरार भाई अनमोल बिश्नोई के कहने पर मोटरसाइकिल खरीदी और फायरिंग से पहले अनमोल से निर्देश लिए।

सलमान खान। फाइल

गौरतलब है कि इसी साल 14 अप्रैल को गुप्ता और सागर पाल ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बांद्रा स्थित सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की थी। इन दो शूटरों के अलावा सोनू कुमार बिश्नोई, मोहम्मद रफीक चौधरी और हरपाल सिंह इस मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। एक अन्य आरोपित अनुज कुमार थापन पुलिस हिरासत में आत्महत्या कर चुका है।

बिहार में नहर में गिरी कार, पिता-पुत्र समेत पांच लोगों की मौत

जासं, दाउदनगर (औरंगाबाद) : बिहार के औरंगाबाद जिले के दाउदगनर थाना क्षेत्र अंतर्गत तेज रफ्तार कार सोमवार की रात नहर (पटना कैनाल) में गिर पड़ी। कार के नहर में गिरने से गेट व शीशे लाक हो गए और उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई। कार सवार एक अन्य युवक की तलाश जारी है। उनकी तलाश के लिए गोताखारों की मदद ली जा रही है। हालांकि उनके बचने की मदद उम्मीद कम ही है।

थाना अध्यक्ष फहीम आजाद खान ने बताया कि पांचों मृतक पटना के रहने वाले थे। इनमें पिता-पुत्र भी शामिल हैं। सभी गुप्ता धाम से महादेव का जलाभिषेक कर पटना लौट रहे थे। एसडीपीओ (सब डिवीजनल पुलिस अधिकारी) ऋषि राज ने बताया कि घटनास्थल के पास सड़क बिल्कुल सीधी और सपाट है। वहां कोई ब्रेकर भी नहीं है। दुर्घटना का कारण कार का तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होना या चालक को झपकी आना प्रतीत होता है। छठे युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है।

बदलाव

कश्मीर को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सुरक्षाबल व आम लोगों को समर्पित है स्तंभ, प्रताप पार्क में स्थित स्तंभ स्वतंत्रता दिवस पर किया जाएगा समर्पित, बलिदानी ही नहीं कई आम लोगों के नाम भी हैं अंकित

लाल चौक में बलिदानियों की गाथा सुनाएगा बलिदान स्तंभ

रजिया नूर • जागरण

श्रीनगर : श्रीनगर का दिल कहलाने वाला ऐतिहासिक लाल चौक अब बलिदानियों की गाथा सुनाएगा। कश्मीर घूमने आने वाले देश-विदेश के पर्यटक लाल चौक में आकर जान सकेंगे कि कैसे हमारे वीरों ने कश्मीर को आतंकवाद के काले साये से मुक्ति दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं। श्रीनगर के लाल चौक में स्थित इस स्तंभ की खास बात यह है कि देश के बलिदानियों के साथ उन आम लोगों के नाम भी इस पर अंकित हैं, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाते हुए प्राणों की आहुति दे दी। कभी आतंक के साए में रहने वाला लाल चौक आज पर्यटकों के गुलजार रहता है।

लाल चौक के प्रताप पार्क में स्थित यह बलिदान स्तंभ 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर देश को समर्पित कर दिया जाएगा। यह श्रीनगर में किसी सार्वजनिक स्थल पर अपनी तरह का पहला बलिदान स्तंभ है। बता दें कि पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर दौरे के समय इसकी आधारशिला रखी थी।

कश्मीर में राजा महाराजाओं व मुगलों की याद में कई स्मारक मौजूद हैं, लेकिन 1990 के दशक में फैले आतंकवाद से लड़ते बलिदान होने वाले सुरक्षाबलों व आम नागरिकों की याद में बनने वाला यह पहला स्तंभ है। यह स्तंभ लाल चौक में घंटाघर से मात्र 250 मीटर दूर प्रताप सिंह पार्क में बना है। लाल चौक के इतर इस बलिदान स्तंभ ने इस पूरे क्षेत्र को और ज्यादा विशेष बना दिया है।

श्रीनगर में सुरक्षाबल के बलिदानियों के साथ ही आतंकी हिंसा में मारे गए आम लोगों को समर्पित करने के लिए बनकर तैयार बलिदान स्तंभ। लाल चौक के प्रताप पार्क में स्थित यह बलिदान स्तंभ स्वतंत्रता दिवस पर देश को समर्पित किया जाएगा। श्रीनगर में किसी सार्वजनिक स्थल पर अपनी तरह का यह पहला बलिदान स्तंभ है। जागरण

बलिदाल स्तंभ हमें करता रहेगा प्रेरित

स्थानीय युवक आमिर अब्बास ने कहा कि मुझ जैसे नौजवानों ने आतंकवाद का दौर न केवल देखा बल्कि सहा भी है। उसी माहौल में आंख खोली और जवान हुए। हमने तबाही देखी, हमने अपने हजारों लोगों को खोया। वह तो वापस नहीं आएंगे, लेकिन यह बलिदान स्तंभ हमें याद दिलाता रहेगा कि हमें आतंकवाद के शिकंजे से मुक्ति दिलाने में किन लोगों ने अपना बलिदान दिया है।

कभी गूंजते थे आतंकी व अलगाववादी नारे

श्रीनगर के लाल चौक का पूरा क्षेत्र कभी आतंकवाद, अलगाववाद और पत्थरबाजी का गढ हुआ करता था। कश्मीर के युवाओं को गुमराह करने वाले राष्ट्रविरोधी नारे इसी क्षेत्र मे गूंजते थे। वर्ष 2019 को अनुच्छेद-370 और 35ए हटाने के बाद घाटी में आए सकारात्मक बदलाव के बीच जहां देश-विदेश से रिकार्ड संख्या में पर्यटन कश्मीर आए। वहीं, शहर का लाल चौक भी सैलानियों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बन गया। श्रीनगर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर विशेषकर लाल चौक का कायाकल्प हो गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का दावा, झारखंड में बेहतर हुई गंगा की स्थिति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का दावा है कि झारखंड में गंगा नदी के प्रदूषण में कमी आई है और राज्य में यह नदी अब अदूषित श्रेणी में है। झारखंड में नमामि गंगे मिशन के तहत पांच परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। गंगा नदी के प्रदूषण के स्तर में यह सुधार इन परियोजनाओं की मदद से आया है।

सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड से गुजरने के दौरान गंगा नदी में बायोकेमिकल आक्सीजन डिमांड (बीओडी) तीन मिलीग्राम प्रति लीटर से कम है। इसका अर्थ है कि गंगा का पानी निर्धारित मानकों के अनुरूप है।

गंगा बेसिन वाले राज्य झारखंड में नमामि गंगे मिशन द्वारा पांच परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में अकेले साहिबगंज जिले

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड। फाइल

में 12 एमएलडी और 3.5 एमएलडी क्षमता वाली दो परियोजनाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने एसटीपी यानी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के प्रदर्शन को मापने और निगरानी के लिए एक रियल टाइम मानिटरिंग सिस्टम की शुरुआत की है। एसटीपी के आउटलेट पर अपशिष्ट मापदंडों की निगरानी एक आनलाइन प्रणाली के माध्यम से की जाती है।

****

83 फ्लैग मीटिंग हो चुकी है तीन दिनों में भारत और बांग्लादेश के सीमा प्रहरियों के बीच। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए समन्वय पर जोर दिया जा रहा है।

पाकिस्तान का नया षड्यंत्र, मजहब और धन के खेल से आतंकवाद को दे रहा बढ़ावा

जम्मू संभाग में नशा व पशु तस्करी के गठजोड़ व वनभूमि पर अवैध बस्तियों से चल रहा पूरा नेटवर्क

कठुआ से पुंछ तक पकड़े गए आतंकियों के मददगारों से पूछताछ में हुआ राजफाश

नवीन नवाज ● जागरण

जम्मू : जम्मू संभाग में मरनासन्न आतंकवाद के जिन्न ने यूं ही अचानक सिर नहीं उठाया है। इसके पीछे मजहब और धन का पूरा खेल चला है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर प्रदेश के आंतरिक भागों में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर राष्ट्रविरोधी तत्वों की सुनियोजित बस्तियां, पशु तस्करों व मादक पदार्थों के तस्करों के गठजोड़ का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ और आतंकी हैंडलरों ने पूरी तरह इस्तेमाल किया है। कठुआ से लेकर पुंछ तक पकड़े गए आतंकियों के मददगारों से पूछताछ में इस नए षड्यंत्र का पता चला है।

जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में आतंकियों ने बीते चार माह के दौरान सैन्य दलों पर कई सनसनीखेज हमले कर भारी नुकसान पहुंचाया। यह इलाके कुछ वर्ष पहले तक आतंकियों से पूरी तरह मुक्त माने जाते थे, लेकिन पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के ताजा आंकड़ों के आधार पर जम्मू संभाग में लगभग 80 आतंकी सक्रिय हैं। इनमें से अधिकांश पाकिस्तानी हैं। इन आतंकियों के कठुआ और सांबा के अलावा राजौरी-पुंछ में अंतरराष्ट्रीय सीमा व एलओसी के रास्ते ही घुसपैठ की सूचना है।

आतंकी हमलों की जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ये सभी हमले सीमा पार से दाखिल हुए आतंकियों ने किए हैं और उन्होंने हमले के लिए जगह का चुनाव स्थानीय नेटवर्क की मदद से किया है। जांच में पता चला कि इन क्षेत्रों में आतंकियों के जो नए मददगार सामने आए हैं, वह मजहब और धन के आधार पर ही उनकी मदद कर रहे हैं। यह भी देखा गया है कि आतंकियों ने घुसपैठ के लिए जिन रास्तों का इस्तेमाल किया है, वहां अवैध बस्तियां बसी हैं और इनमें रहने वालों में से कई का प्रत्यक्ष परोक्ष संबंध पशु और नशीले पदार्थों की तस्करी से है। यह सभी राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास उन नदी नालों और पहाड़ों पर कथित तौर पर बसे हैं, जिन्हें सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। सूत्रों ने बताया कि हाल फिलहाल में पकड़े गए सभी पशु व नशा तस्करी में संलिप्त थे।

आइएसआइ ने तैयार किया 'नया नेटवर्क'

ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) एसएस संब्याल ने कहा कि जम्मू संभाग में आतंकी हिंसा पर काबू पाने के बाद सुरक्षाबलों ने स्थानीय लोगों पर आधारित आन ग्राउंड खुफिया तंत्र कहीं न कहीं नजर अंदाज किया। आइएसआइ और सीमा पार बैठे आतंकी हैंडलरों ने इसका पूरा लाभ उठाया। उन्होंने पशु तस्करों, मादक पदार्थ के तस्करों और आतंकियों के पुराने गाइडों को आपस में जोड़कर 'नया नेटवर्क' तैयार किया है।

● पूरे तंत्र के समूल नाश के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने कार्ययोजना तैयार कर शुरू की कार्रवाई

जम्मू में पाक सीमा पर प्रगवाल सेक्टर में गश्त करतीं बीएसएफ की महिला जवान। एएनआइ

ऐसे बनाई गई प्रहार की रणनीति

जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जम्मू संभाग में आतंकवाद के समूल नाश के लिए कार्ययोजना बनाई गई है। सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठरोधी तंत्र को मजबूत बनाने के साथ ग्राम सुरक्षा समूह का एक प्रभावी नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। सुरक्षाबलों को खोजो और मारो अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। तीन हजार संदिग्ध तत्वों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। आतंकियों के खिलाफ अभियान में जनभागीदारी सुनिशचित करने के साथ सूचना तंत्र बढ़ाया जा रहा है।

राजस्थान : कई क्षेत्रों में अब भी बाढ़ के हालात, जनजीवन अस्त-व्यस्त

जागरण टीम, नई दिल्ली

▸ बारिश के दौरान हुए विभिन्न हादसों में राजस्थान में चार दिन में 26 की मौत

▸ उत्तराखंड में पिथौरागढ के बिंदी गांव में भूस्खलन से 10 परिवार खतरे की जद में

उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश अब भी मुसीबत बनी हुई है। राजस्थान में तो लगातार चार दिन तक हुई बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इस दौरान हुए विभिन्न हादसों में 26 लोगों की मौत हो गई है। बारिश का सबसे अधिक असर करौली, सवाईमाधोपुर, दौसा व भरतपुर जिलों में है। इन तीनों जिलों के कई इलाकों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं । उधर, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व बिहार कहीं हल्की तो कहीं जोरदार बारिश के बीच कई जगह नदियां उफान पर हैं।

राजस्थान के करौली में मंगलवार को तेज बारिश होने से घरों में पानी भर गया। आपदा प्रबंधन दल ने करीब एक सौ लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। बूंदी जिले का इंद्राणी बांध ओवरफ्लो होने से पानी बाहर निकल कर आसपास के गांवों में पहुंच गया। नागौर,जोधपुर,चित्तौड़गढ़ और सीकर में मंगलवार को तेज बारिश हुई। बारिश के कारण नीचले इलाकों में पानी भर गया । सीकर में एक मकान गिरने से दो लोग घायल हो गए । मौसम विभाग के अनुसार भारी बारिश का दौर अगले दोदिन तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने पांच जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उधर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित करौली, दौसा व भरतपुर जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया।

उत्तराखंड में वर्षा का क्रम जारी है। चार धाम यात्रा मार्ग लगातार बाधित हो रहे हैं। चमोली में बदरीनाथ राजमार्ग मंगलवार सुबह चार घंटे चार स्थानों पर बाधित रहा। पिथौरागढ़ के बिंदी गांव में सोमवार रात हुई वर्षा से भारी भूस्खलन हुआ है। गांव के बीचों-बीच पहाड़ी दरक जाने से 10 परिवार खतरे की जद में आ गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार बुधवार को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, देहरादून और बागेश्वर में कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तीव्र वर्षा हो सकती है। इन जिलों के लिए वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में आंशिक बादल छाये रहने के आसार हैं।

चमोली जिले के नंदानगर में अतिवृष्टि से काफी नुकसान हुआ है। अतिवृष्टि के बाद क्षतिग्रस्त आवासीय भवन। जागरण आर्काइव

आपदा ने 292 परिवारों को किया बेघर, राहत शिविरों में बीत रहे दिन : उत्तराखंड में इस वर्षाकाल में पांच जिलों टिहरी, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में आपदा के चलते 292 परिवार बेघर हो चुके हैं। फौरी व्यवस्था करते हुए प्रशासन ने अधिकांश को राहत शिविरों में ठहराया है। यहां रहने-खाने की व्यवस्था तो है, लेकिन एक ही कमरे में कई लोगों को साथ रहना पड़ रहा है। उसपर शौचालय और स्नानघर भी सीमित हैं। एकांत नहीं मिलने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

वायनाड में प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करेगी पांच सदस्यीय टीम

▸ पीड़ित परिवार के लिए देश भर से आ रही मदद, निरीक्षण के बाद विशेषज्ञों की टीम सौंपेगी रिपोर्ट

वायनाड, प्रेट्र : केरल में पिछले दिनों हुए भूस्खलन की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व राष्ट्रीय भूविज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी जान मथाई करेंगे। टीम के सदस्य वायनाड भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों दौरा कर सैकड़ों लोगों की जान लेने वाली आपदा के कारणों का आकलन करेंगे। वहीं, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री के आश्वासन के मद्देनजर राज्य सरकार को पुनर्वास योजना बनानी होगी।

टीम आपदा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों और आसपास के स्थलों में संभावित खतरों का आकलन करेगी। इसमें आपदा कैसे आई और भूस्खलन क्यों हुआ, इसका पता लगाने का भी प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ दल अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा और क्षेत्र के लिए उपयुक्त भूमि उपयोग की सिफारिश भी करेगा। इस विशेषज्ञ दल के अन्य सदस्य जल संबंधित आपदा प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र के प्रधान विज्ञानी और प्रमुख डा टीके दृश्या, सुरथकल एनआइटी के सहायक प्रोफेसर डा श्रीवालसा कोलाथयार, जिला मृदा संरक्षण अधिकारी तारा मनोहरन और केरल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के खतरा एवं जोखिम विश्लेषक पी प्रदीप हैं।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आश्वासन दिया है कि वायनाड जिले में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के पुनर्वास में संसाधनों की कमी सामने नहीं आएगी। अब इसके लिए विस्तृत योजना तैयार करना राज्य सरकार का काम है। उन्होंने यह भी बताया कि पीड़ितों के लिए देश भर से मदद आ रही है।

न्यूज गैलरी

जहानाबाद के वाणावर कांड में 10 अज्ञात पर प्राथमिकी

जहानाबाद : बिहार में जहानाबाद की वाणावर पहाड़ी पर रविवार देर रात सिद्धेश्वर नाथ मंदिर की सीढ़ियों पर भगदड़ में आठ लोगों की मौत मामले में 10 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी की गई है। पुलिस ने बताया कि एक फूल विक्रेता को हिरासत में लिया गया था, जिसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है। वहीं, जिला प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक वाणावर मेले में ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले 15 पदाधिकारियों-कर्मियों पर गाज गिर सकती है। (जासं)

सफाई के नाम पर 50 से अधिक छात्राओं को पीटा

पारू (मुजफ्फरपुर) : मुजफ्फपुर स्थित राजकीयकृत उच्चतर विद्यालय के सहायक शिक्षक ने सफाई के नाम पर 10वीं कक्षा की 50 से अधिक छात्राओं की डंडे से पिटाई कर दी। पिटाई से घायल करीब एक दर्जन छात्राओं का पारू सीएचसी में उपचार कराया गया। अन्य छात्राएं घर पर ही उपचार करा रही हैं। इस पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने आरोपित शिक्षक को बर्खास्त करने की अनुशंसा उप विकास आयुक्त से की है। (जासं)

बिहार में निगरानी ने भेजी दागी अधिकारियों की रिपोर्ट

पटना : बिहार में निगरानी विभाग ने भ्रष्टाचार के मामले में फंसे अधिकारियों की रिपोर्ट एक बार पुन: अपडेट की है। जिसे सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिवों के साथ ही सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त के साथ जिलाधिकारियों को भेजा गया है। अधिकारियों को भेजी रिपोर्ट का हवाला देकर कहा गया है कि इसका उपयोग सरकारी सेवकों को दी जाने वाली प्रोन्नति के लिए किया जा सकता है। किसी भी अधिकारी कर्मचारी को प्रोन्नति देने के लिए अलग से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं। (राज्य ब्यूरो)

पश्चिम चंपारण में भालू के हमले मे किसान घायल

पश्चिम चंपारण : पश्चम चंपारण स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के चिउटाहां वन क्षेत्र के भुअरहवा दोन गांव के सरेह में सोमवार की शाम खेत में काम कर रहे एक किसान पर भालू ने हमला कर दिया। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़ में भर्ती कराया गया। किसान के दाएं हाथ के पंजे, गर्दन और मुंह में गंभीर जख्म हैं। (जासं)

बीएसएफ ने सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया किया ढेर

जागरण संवाददाता, तरनतारन : पंजाब के तरनतारन में बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया, जिसकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर खालड़ा में तैनात बीएसएफ जवानों ने सोमवार रात 8:30 बजे पाकिस्तान की तरफ से भारतीय क्षेत्र में एक व्यक्ति को दाखिल होते देखा। इस दौरान बीएसएफ के जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी, परंतु घुसपैठिया भारतीय क्षेत्र की तरफ बढ़ता रहा। इस पर बीओपी बाबा पीर पोस्ट पर तैनात जवानों ने घुसपैठिये को गोली मारकर ढेर कर दिया। इसके बाद जवानों ने शव स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। डीएसपी प्रीतइंद्र सिंह ने बताया कि मारे गए घुसपैठिये से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई व न ही मृतक की पहचान हो पाई है। बुधवार को उसका पोस्टमार्टम करवाकर बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा, जिसके बाद वो उसे सौंपने के लिए पाकिस्तानी रेंजरों से संपर्क करेगी।

बिहार में मामी ने भांजी से रचाई शादी, वीडियो प्रसारित

जासं. कुचायकोट (गोपालगंज)

बिहार के गोपालगंज जिले में अपने-अपने पतियों को छोड़कर मामी-भांजी ने शादी रचा ली। सोमवार को कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामूसा रेलवे स्टेशन के पास दुर्गा मंदिर में मामी-भांजी के विवाह का प्रसारित वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

शोभा कुमारी और उसकी भांजी सुमन कुमारी, दोनों ही शादीशुदा हैं। सुमन कुमारी इंस्टाग्राम पर सुमन प्रजापति के नाम से आइडी बनाकर रील बनाती हैं। दोनों एक ही साथ रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर शेयर करती हैं। सोमवार को इंस्टाग्राम पर सुमन प्रजापति ने एक वीडियो अपलोड कर सुमन ने बताया कि वह अपनी मामी शोभा कुमारी से प्रेम करती है और दोनों शादी करने जा रही हैं। सासामूसा रेलवे स्टेशन के पास स्थित दुर्गा मंदिर में दोनों ने शादी की और फिर इसका रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया। दोनों ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर भी पति-पत्नी के रूप में माला पहने हुए कई रील बनाए। एक वीडियो में शोभा कुमारी कह रही है कि दोनों एक दूसरे से प्रेम करते हैं और अलग नहीं होना चाहते।

सासामुसा रेलवे स्टेशन पर रील्स बनातीं शोभा कुमारी व भांजी सुमन। इंटरनेट मीडिया

हत्या के मामले में 36 साल बाद बिहार में दो आरोपित बरी

जागरण संवाददाता, गोपालगंज

1988 में डकैती के क्रम में हुई हत्या मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) की अदालत ने सुनाया फैसला

बिहार के गोपालगंज जिले में अदालत ने डकैती के क्रम में हुई हत्या के 36 वर्ष पुराने मामले में जीवित बचे दो आरोपितों को बरी कर दिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने मंगलवार को बिरछा साह हत्याकांड के आरोपित मोहर दास एवं गोपाल साह को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी करने का आदेश दिया। इससे पहले अभियोजन पक्ष से एपीपी जयराम साह तथा बचाव पक्ष से अधिवक्ता विजय कुमार और राजेश पाठक ने अपनी-अपनी दलीलें दीं।

मालूम हो कि पटना उच्च न्यायालय ने तीन माह में इस मामले की सुनवाई पूरी करने का आदेश पूर्व में दिया था। उसके बाद बिहार पुलिस मुख्यालय ने पुलिस अधीक्षक को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। किंतु, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के आदेश के बाद भी पुलिस जांच व पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक की गवाही नहीं करा सकी। वहीं, अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए गवाह रामजी राय, अवधेश गिरी एवं विपिन पंडित भी पक्षद्रोही हो गए। सुनवाई के क्रम में चार आरोपितों का निधन हो चुका है। पिता बिरछा साह के हत्यारों को सजा दिलाने का पुत्र का सपना 36 वर्षों बाद टूट गया। अदालत का आदेश सुनने के बाद उनके पुत्र गणेश साह फफक पड़े। उन्होंने बताया कि घटना के दिन वह 34 वर्ष के थे। अब 69 वर्ष के हो गए हैं। अब तक 172 तारीखों पर कोर्ट में दौड़ते रहे, ताकि हत्यारोपितों को सजा मिल सके, लेकिन उन्हें सजा नहीं मिली।

व्यवहार न्यायालय गोपालगंज। फाइल

हाई कोर्ट की सख्ती के बाद साहिबगंज में घुसपैठियों की पहचान की बनी योजना

डा. प्रणेश, जागरण, साहिबगंज

▸ घुसपैठियों की सूचना देने के लिए साहिबगंज प्रशासन जारी करेगा हेल्पलाइन नंबर

▸ हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देने वाले व्यक्ति की गुप्त रखी जाएगी पहचान

झारखंड के साहिबगंज में घुसपैठियों की सूचना देने के लिए जिला प्रशासन जल्द ही हेल्पलाइन नंबर जारी करेगा। इस नंबर पर कोई भी व्यक्ति घुसपैठियों की सूचना दे सकता है, जिसकी जांच जिला प्रशासन कराएगा। घुसपैठियों की जांच को लेकर झारखंड हाई कोर्ट के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने साहिबगंज के चार इलाकों के 40 गांवों में घर-घर जाकर जांच करने का निर्णय लिया था, लेकिन इसमें सुप्रीम कोर्ट का एक आदेश आड़े आ गया, आदेश में कहा गया है कि बिना किसी शिकायत के किसी के घर जाकर इस प्रकार की जांच नहीं की जा सकती है। वर्तमान में जिला प्रशासन मतदाता सूची के माध्यम से घुसपैठियों की पहचान करने का प्रयास कर रहा है।

पिछले दिनों भाजपा ने साहिबगंज के विभिन्न बूथों पर अप्रत्याशित ढंग से मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के पीछे बांग्लादेशी घुसपैठ को वजह बताते हुए चुनाव आयोग से इसकी जांच की मांग की थी, जिसका संज्ञान लेते हुए आयोग ने मतदाता सूची की जांच के आदेश दिए थे। साहिबगंज के उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि हेल्पलाइन नंबर पर मिली शिकायतों की जांच कराई जाएगी। अगर शिकायत सही निकली तो घुसपैठिये के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा भी किसी माध्यम से कोई घुसपैठ संबंधी साक्ष्य उपलब्ध कराता है, तो उसकी भी जांच कराई जाएगी।

सीमाओं की कड़ी निगरानी के निर्देश : झारखंड हाई कोर्ट दानियल दानिश की ओर से 2022 में दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है। पिछले महीने हाई कोर्ट ने संताल परगना के सभी छह जिलों साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका और जामताड़ा के उपायुक्तों को घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया था और शपथपत्र के माध्यम से जानकारी मांगी थी। अदालत ने बांग्लादेश से जुड़ी सीमाओं की कड़ी निगरानी का निर्देश दिया था। मामले में इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफ के डीजी, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और यूआइडीएआइ के महानिदेशक को भी प्रतिवादी बनाया है। अदालत ने सभी को नोटिस जारी कर पक्ष रखने को कहा है। जिला प्रशासन ने राजमहल के भाजपा विधायक अनंत ओझा से घुसपैठ की शिकायतों के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा है। विधायक ने कहा कि सैकड़ों घुसपैठियों को चिह्नित किया जा चुका है।

झारखंड हाई कोर्ट। फाइल

राजकोट के प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात के राजकोट गेमिंग जोन अग्निकांड के मामले में महानगर पालिका के तत्कालीन मुख्य अग्निशमन अधिकारी समेत महानगर पालिका के कई आला अधिकारी व पुलिसकर्मी जेल में हैं। इसके बावजूद हादसे के बाद नियुक्त प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए रिश्वत लेने से बाज नहीं आ रहे। इस अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। गेमिंग जोन हादसे के बाद कच्छ भुज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनिल मारु को राजकोट महानगर पालिका फायर स्टेशन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। राजकोट शहर की एक इमारत को फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के बदले उसने तीन लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। एक लाख 20 हजार रुपये उसे पहले दिए गए और बाकी की रकम किश्तों में देने की इच्छा जताई तो मारु ने मना कर दिया। सोमवार को 1.8 लाख रुपये की रिश्वत देने से पहले शिकायतकर्ता ने जामनगर भ्रष्टाचार निरोधक शाखा से संपर्क किया।

स्वतंत्रता के सारथी

तीन तलाक पीड़िताओं के लिए निकाल रहीं आजादी की राह

बरेली के आला हजरत खानदान की बहू रहीं निदा खान का रूढ़ियों के विरुद्ध संघर्ष रहा सफल

पीयूष दुबे ● जागरण

बरेली: मौत हो जाए तो कोई जनाजे में न जाए, ऐसे फतवे और चोटी काटने जैसी धमकियों से न डरने वाली निदा खान तीन तलाक पीड़िताओं की आवाज बनीं हुई हैं। आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी बनाकर वह तीन तलाक पीड़िताओं की थाने से लेकर अदालत तक कानूनी मदद करती हैं। उन्हें सिलाई-कढ़ाई, बुनाई आदि का प्रशिक्षण दिलाती हैं, ताकि जीवन-यापन की व्यवस्था हो जाए। निदा बताती हैं कि वह आठ वर्ष से ऐसी महिलाओं को साहस देने का काम कर रही हैं। अब बस इतना अंतर आया है कि तीन तलाक का कानून बनने के बाद ऐसी घटनाएं कम हुईं हैं।

तलाक पीड़िताओं के साथ निदा खान ● स्वयं

पीड़िताओं का दोबारा घर बसाया

मैं महिलाओं को अपना उदाहरण देकर समझाती हूं कि जिंदगी को अपने बूते जीने की आदत डालें। बीते छह वर्षों में सौ से अधिक तलाक पीड़ितों की मदद के लिए थाने, कोर्ट तक गई। इनमें छह पीड़ितों ने दोबारा घर बसाने की इच्छा जताई थी। उनके निकाह कराए जा चुके हैं। अब तो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें, इसलिए पर्याप्त सरकारी योजनाएं भी हैं। उन्हें इन योजनाओं के बारे में भी जानकारी देकर प्रेरित करते हैं। अपने स्तर से भी प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम के जरिये उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हैं ताकि आर्थिक कारणों से किसी को समझौता न करना पड़े।

तीन तलाक पीड़ित एक झटके में ऐसी परिस्थिति में पहुंच जाती हैं, जिसकी कल्पना करना भी डरावना है। वे अपने परिवार को खोने के बाद भी मुंह खोलने से डरती हैं और न्याय मांगने थाने तक नहीं जा पातीं। आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी के जरिये उन्हें सहारा देने का प्रयास किया जाता है, जोकि निरंतर जारी रहेगा। तीन तलाक कानून बनने के बाद स्थिति में काफी सुधार आया है, मगर इस बदलाव को समाज को भी स्वीकारना होगा।

निदा खान, अध्यक्ष आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी

नर्सरी से 12 वीं तक की पढ़ाई कान्वेंट स्कूल से करने वाली निदा खान का निकाह वर्ष 2015 में आला हजरत खानदान के सदस्य शीरान रजा से हुआ था। अगले वर्ष ही अलगाव हो गया। पिता के घर लौटीं निदा ने शीरान रजा पर दहेज प्रथा का केस किया, गुजारा भत्ता मांगा। यहीं से संघर्ष शुरू हुआ। वह कानून को सर्वोपरि मानते हुए थाने और कोर्ट की चौखट पर पहुंची तो धमकियां दी जाने लगीं। कहा गया कि उन्हें इस्लाम से खारिज किया जा रहा है। समाज के लोग उनके परिवार से कोई ताल्लुक नहीं रखेंगे। लोग कहने लगे कि कब तक थाने चक्कर लगाएगी। मगर मैं कोर्ट कई और मुझे न्याय मिला, गुजारा भत्ता व घरेलू हिंसा मामले में कोर्ट ने मेरे पक्ष में निर्णय दिया, क्योंकि मैंने हार नहीं मानी। अब अन्य पीड़िताओं की आवाज भी उठाती हूं।

बुलंद की आवाज तो निकली राह : छह वर्ष पहले एक पीड़ित ने बताया था कि उनके साथ हलाला हुआ। उन्हें लेकर थाने पहुंचीं तो पुलिस केस दर्ज करने को तैयार नहीं थी। मगर वह न्याय की आस में डटी रहीं तो पुलिस को पीड़ित की तहरीर पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करना पड़ा। समाज में व्याप्त ऐसी कुरीतियों से महिलाएं अब भी आजाद नहीं हैं। इसलिए शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

खनिज वाली भूमि पर राज्य कब से ले सकेंगे टैक्स, फैसला आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ बुधवार यानी 14 अगस्त को इस बात पर फैसला सुनाएगी कि खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के राज्यों को दिए गए अधिकार से संबंधित 25 जुलाई के उसके फैसले को पूर्व से लागू माना जाएगा या आदेश की तारीख से। इस फैसले से साफ होगा कि राज्य कब से टैक्स ले सकेंगे।

नौ जजों की संविधान पीठ ने 25 जुलाई को आठ-एक के बहुमत से दिए फैसले में कहा था कि राज्यों को खदानों और खनिज वाली भूमि व खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार है। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि राज्यों के पास ऐसा करने की विधायी क्षमता और शक्ति है। सुपीम कोर्ट ने खनिज व खदानों के मामले में कर व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव वाले फैसले में कहा था कि रायल्टी को कर नहीं माना जा सकता। इस फैसले से खनिज व खदान संपन्न राज्य ओडिशा, झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान को फायदा होगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने स्वयं और सात अन्य जजों की ओर से बहुमत का फैसला पढ़ते हुए कहा था कि रायल्टी कर की प्रकृति में नहीं आती क्योंकि यह खनन का पट्टा या ठेका लेने के बदले दिया जाने वाला भुगतान होता है।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

****

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 14 अगस्त, 2024

दैनिक जागरण

परिश्रम के निवेश से ही सफलता की पूंजी अर्जित होती है

जोखिम भरे राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्गों पर हादसे रोकने के लिए ब्लैक स्पाट यानी दुर्घटना बहुल हिस्सों को चिह्नित करने की तैयारी में नया कुछ नहीं है। इस तरह की घोषणाएं एक लंबे समय से की जा रही हैं, लेकिन ऐसे हिस्से खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं, जहां दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अब राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पाट के साथ व्हाइट कारिडोर भी चिह्नित किए जाएंगे, ताकि जोखिम वाले हिस्सों के साथ उन हिस्सों की भी पहचान हो सके, जो ठीक-ठाक हैं और जहां बीते तीन वर्षों में कोई दुर्घटना नहीं हुई। यह ठीक ही है, लेकिन इस कवायद की सार्थकता तभी है, जब राजमार्गों पर दुर्घटनाएं और उनमें जान गंवाने एवं घायल होने वालों की संख्या में कमी आए। यह निराशाजनक है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के जोखिम वाले हिस्सों की पहचान कर उन्हें ठीक करने की पहल अंजाम तक पहुंचने का नाम नहीं ले रही है। राजमार्गों के ब्लैक स्पाट खराब इंजीनियरिंग और डिजाइन का नतीजा हैं। समझना कठिन है कि आखिर राजमार्गों का निर्माण और उनकी मरम्मत करते समय ही इसकी सुध क्यों नहीं ली जाती कि कहीं कोई ब्लैक स्पाट न रहने पाए? यह प्रश्न इसलिए गंभीर है, क्योंकि राजमार्गों पर ब्लैक स्पाट के चलते लगातार हादसे हो रहे हैं। किसी-किसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर तो ब्लैक स्पाट कहे जाने वाले हिस्सों की लंबाई पांच सौ मीटर तक है। 2023 के एक आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पाट के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में 39 हजार लोगों की जान गई थी।

यह सही है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ब्लैक स्पाट खत्म करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ऐसा लगता है कि वह उसकी प्राथमिकता में नहीं। शायद ही कोई राष्ट्रीय राजमार्ग ऐसा हो, जिसमें ब्लैक स्पाट न हों। राजमार्गों में इनकी संख्या नौ हजार से अधिक है। इन्हें अगले साल मार्च तक ठीक करने का वादा किया गया है, लेकिन यह कठिन काम है और यह तब पूरा होगा, जब नए ब्लैक स्पाट न बनने पाएं। ब्लैक स्पाट केवल राजमार्गों की खराब डिजाइन के कारण ही नहीं बनते, बल्कि मनमाने तरीके से पार्किंग करने से भी बनते हैं। इसे लेकर गत दिवस ही सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की। यह भी किसी से छिपा नहीं कि राजमार्ग जहां कहीं किसी अन्य सड़क से जुड़ते हैं, वहां पर अवैध आटो-टेंपो स्टैंड कायम हो जाते हैं। वे यातायात को बाधित करने के साथ ही दुर्घटना का कारण भी बनते हैं। एक समस्या यह भी है कि राजमार्गों पर यातायात नियमों का वैसा पालन नहीं किया जाता, जैसा आवश्यक है। न जाने कितनी दुर्घटनाएं इस कारण हो चुकी हैं कि राजमार्ग पर कोई वाहन उलटी दिशा से चला आ रहा था। स्पष्ट है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को राज्य सरकारों से मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि राजमार्गों पर यातायात नियमों का पालन हो। इसे लेकर लोगों को भी सजगता दिखानी होगी।

कमजोर भीड़ प्रबंधन

बिहार के जहानाबाद के मखदुमपुर में वाणावर पहाड़ी पर सिद्धेश्वरनाथ मंदिर परिसर में रविवार की रात भगदड़ की घटना ने भीड़ प्रबंधन पर फिर सवाल खड़ा किया है। यह देखने की जरूरत है कि संभावित भीड़ को लेकर सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए थे। इसकी गहनता से जांच होनी चाहिए। प्रायः प्रशासन और पुलिस के साथ-साथ स्थानीय संगठन भी भीड़ प्रबंधन में बड़ी भूमिका निभाते हैं। कहां चूक हुई कि पल भर में चीख पुकार के साथ आठ लोगों का दम घुट गया। दो दर्जन लोग घायल हो गए। भक्ति का माहौल मातम में बदल गया। रात को एक बजे मची इस भगदड़ के बाद राहत कार्य में किस तरह की कठिनाई का समाना करना पड़ा होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। श्रावण की चौथी सोमवारी पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। दुखद यह कि पहाड़ी पर हुई घटना की जानकारी देने के बाद भी नीचे से सीढ़ियां चढ़ रहे लोग ऊपर चढ़ते चले गए। भीड़ बढ़ने से राहत कार्य में मुश्किलें आ सकती हैं, इसकी उन्होंने तनिक भी परवाह नहीं की। आखिरकार ऐसा जुनून किस तरह के श्रद्धाभाव को प्रदर्शित करता है। शिवालयों में संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से हर साल सुरक्षा के पहलुओं को परखा जाता है। इसी अनुसार वहां सुरक्षा बल की तैनाती की जाती है। फिर भी अनियंत्रित भीड़ की वजह से सारी की सारी व्यवस्था धरी रह जाती है। पुलिस प्रशासन को भी देखना चाहिए कि उसने कितनी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती की थी। इसके पूर्व भी मंदिर परिसरों में हादसे होते रहे हैं। हर दुर्घटना ने कुछ न कुछ सबक दिया है, लेकिन हम इससे सीखते नहीं। कहीं गर्भगृह में दम घुटने से मौत होती है तो कहीं आपाधापी में लोग एक दूसरे को धकियाते आगे बढ़ जाते हैं।

हर दुर्घटना ने कुछ न कुछ सबक दिया है, लेकिन हम इससे सीखते नहीं

रोजगार के अवसर बढ़ाने की चुनौती

गौरव वल्लभ

रोजगार प्रदान करने में एमएसएमई की हिस्सेदारी फिलहाल 62 प्रतिशत है, जबकि अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत तक है

रोजगार सृजन एक ऐसी चुनौती है, जिससे दुनिया के लगभग सभी देश जूझ रहे हैं। चूंकि भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी एवं युवाओं वाला देश है तो भारत के लिए यह चुनौती और बड़ी हो जाती है। सरकार इसे भलीभांति समझती है। उसने कुछ प्रयास भी किए हैं। उनके अनुकूल परिणाम भी सामने आए हैं। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे से लेकर रिजर्व बैंक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली-एनपीएस के समय-समय पर आने वाले आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। इस उल्लेखनीय तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि युवा वर्ग (15 से 29 आयु वर्ग) में 2017-18 के दौरान जो बेरोजगारी दर 17.8 प्रतिशत थी, वह 2022-23 में घटकर 10 प्रतिशत रह गई। समग्र बेरोजगारी दर भी 2022-23 में अपने निम्नतम पड़ाव 3.2 प्रतिशत पर आ गई। रोजगार के अन्य संकेतक भी सुधार की राह पर हैं। भविष्य निधि में योगदान देने वाले सदस्यों की संख्या 2018 से 20 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने पर है। संगठित क्षेत्र में बढ़ते अवसरों से रोजगारों का औपचारीकरण भी हो रहा है।

इसके बावजूद अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है, क्योंकि 2041 तक भारत में उपलब्ध कामकाजी आबादी का स्तर चरम पर पहुंच जाएगा। इतनी बड़ी आबादी के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना आसान तो नहीं, लेकिन आसान बनाया जा सकता है। इसके लिए कुछ उपाय करने होंगे। सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करना है कि हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले युवाओं की बड़ी संख्या को खपाने के लिए पर्याप्त नौकरियां पैदा की जाएं और दूसरा यह कि युवा जो नौकरी पाना चाहते हैं, क्या वे उसके लिए आवश्यक कौशल से लैस हैं भी या नहीं? केंद्र सरकार इन दोनों पहलुओं के समाधान की दिशा में प्रयासरत है। इसका आभास हालिया बजट से भी मिला। बजट में कौशल विकास, रोजगार सृजन और एमएसएमई पर फोकस किया गया। इससे जुड़ी विभिन्न पहल एक मजबूत और समावेशी रोजगार तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार के रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। इन कार्यक्रमों में इंटर्नशिप योजना की खासी चर्चा है, जिसके अंतर्गत युवा स्नातक शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप के माध्यम से अनुभव हासिल करेंगे।

पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए तैयार किए गए इस कार्यक्रम में युवाओं को 5,000 रुपये मासिक भत्ता मिलेगा। भत्ते के लिए सरकार प्रति वर्ष 54,000 और आकस्मिक खर्चों के लिए अतिरिक्त 6,000 रुपये भुगतान करेगी। जबकि कंपनियां अपने सीएसआर फंड से 6,000 रुपये वार्षिक योगदान देंगी। प्रशिक्षण की लागत भी कंपनियां ही वहन करेंगी। यह व्यावहारिक अनुभव युवाओं की रोजगार क्षमता और नौकरी के लिए तैयारी को व्यापक एवं सार्थक रूप से बढ़ाने में मददगार होगा। यह एक करोड़ स्किल्ड युवा शक्ति देश के 6.4 करोड़ एमएसएमई उद्योगों के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति के पूल का भी काम करेगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि फिलहाल कुल रोजगार प्रदान करने में एमएसएमई की हिस्सेदारी 62 प्रतिशत की है। अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत तक है। एक वर्ष की इंटर्नशिप पूरी करने के बाद पहली बार नौकरी चाहने वाला युवा स्कीम ए के माध्यम से कार्यबल में प्रवेश कर सकता है। उन्हें तीन किस्तों में वितरित 15,000 रुपये तक की सब्सिडी सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। यह पहल युवा प्रतिभाओं को संगठित क्षेत्र से जोड़ेगी। इससे

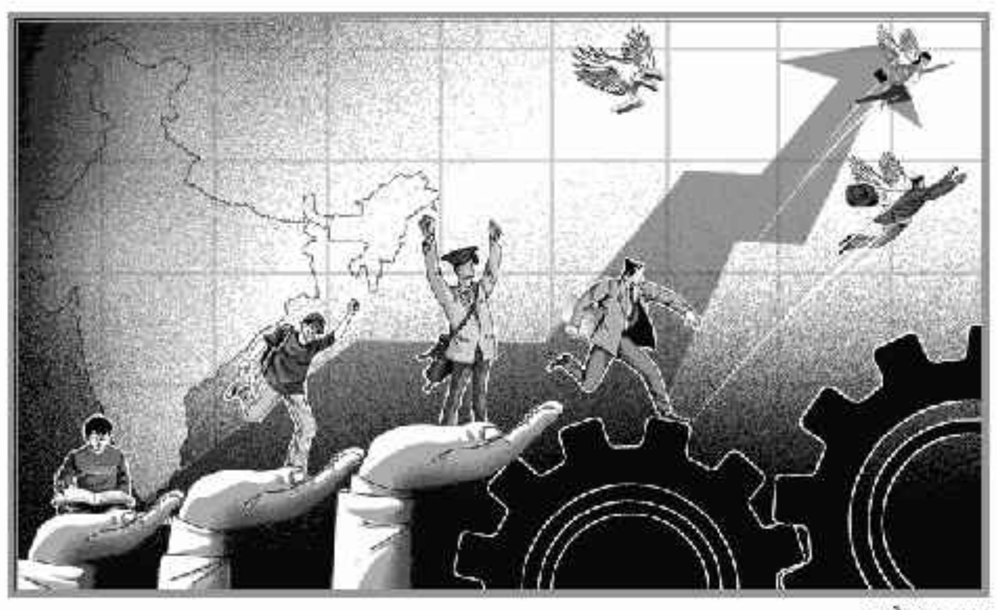

अवधेश राजपूत

अनौपचारिक नौकरियों पर निर्भरता कम होगी, जिनमें अस्थिरता और अनिश्चितता कहीं ज्यादा होती है। इसी कड़ी में स्कीम बी के तहत विनिर्माण कंपनियों को जोड़ा गया है। यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन को लक्षित करती है, जो नियोक्ता और कर्मचारियों दोनों को वित्तीय प्रोत्साहन देती है। चार वर्षों के संरचित प्रोत्साहन वाली इस योजना में सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला लाभ नियोक्ता और कर्मचारी के बीच समान रूप से साझा किया जाएगा। यह योजना भी अल्पकालिक भर्ती के बजाय निरंतर एवं स्थायी रोजगार को बढ़ावा देने वाली है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नियोक्ताओं को कम से कम 50 नए कर्मचारियों या पिछले वर्ष के ईपीएफओ-नामांकित कर्मचारियों के 25 प्रतिशत, इनमें जो भी कम हो, को नियुक्त करना होगा।

इसी तरह, स्कीम सी नियोक्ताओं को और अधिक समर्थन देने के लिए नियुक्त किए गए प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए उनके ईपीएफओ योगदान में दो साल के लिए प्रति माह 3,000 रुपये तक का योगदान देगी। नियोक्ताओं के लिए अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करना आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने वाली यह योजना विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देगी। इससे अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रभाव उत्पन्न होगा। इनसे जहां उपभोक्ता खर्च बढ़ेगा, वहीं आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और नौकरियां सृजित होंगी। चूंकि रोजगार सृजन में कौशल विकास एक अहम कड़ी है तो सरकार ने इस ओर भी पर्याप्त ध्यान देने का प्रयास किया है। ऐसे प्रयासों के अंतर्गत राज्य सरकारों और उद्योग जगत के सहयोग से 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यानी आइटीआइ का उन्नयन यह सुनिश्चित करेगा कि कामकाजी आबादी को नई जरूरतों के अनुरूप तराशा जाए। पांच वर्षों के दौरान 60,000 करोड़ रुपये की यह योजना पहल परिणाम-आधारित शिक्षा और उद्योग-विशिष्ट कौशल पर केंद्रित है।

स्पष्ट है कि इंटर्नशिप, वेतन सब्सिडी, नियोक्ता प्रोत्साहन और निरंतर रोजगार सृजन सहित एक व्यापक माडल के माध्यम से सरकार रोजगार आकांक्षियों और नियोक्ता दोनों पक्षों के बीच संतुलन साधने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इससे रोजगार टिकाऊ और उनकी प्रकृति संगठित स्वरूप वाली होगी। ये उपाय रोजगार चुनौतियों का समाधान करते हुए लाखों भारतीयों की आकांक्षाओं की पूर्ति में सहायक बनकर एक समृद्ध और समावेशी अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

(लेखक आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ एवं भाजपा नेता हैं)

response@jagran.com

फिर दिखा सेक्युलरिज्म का विकृत चेहरा

राजीव सचान

यह अफसोस की बात है कि हमारे राजनीतिक दल बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में एक सुर में नहीं बोल सके

ढाका में सड़कों पर उतरे हिंदू। एएफपी

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ छेड़े गए आंदोलन के दौरान ही हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले शुरू हो गए थे। 5 अगस्त को जैसे ही शेख हसीना ने ढाका छोड़ा, उन पर हमलों का सिलसिला और तेज हो गया। उनके घरों, दुकानों और पूजा स्थलों को भी निशाना बनाया जाने लगा। यह सिलसिला वहां अंतरिम सरकार स्थापित होने के बाद भी कायम रहा। चूंकि खुद पुलिसकर्मियों और थानों पर हमले हो रहे थे, इसलिए हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुध लेने वाला कोई नहीं था। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद कुछ दिनों तक वहां हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता जताने का काम केवल भाजपा, आरएसएस और अन्य हिंदू संगठनों के नेता ही कर रहे थे। हालांकि 6 अगस्त को ही विदेश मंत्री जयशंकर सर्वदलीय बैठक और संसद में यह बता चुके थे कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, लेकिन विपक्ष के किसी नेता ने इस पर चिंता जताने की जरूरत नहीं समझी। जब अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में मुहम्मद यूनुस ने सत्ता की बागडोर संभाल ली और खुद उन्होंने अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की अपील की, तब भारत में कुछ विपक्षी नेताओं को यह लगा कि अब उन्हें भी बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों पर कुछ बोलना चाहिए। उनके सामने तब और कोई चारा नहीं रह गया, जब खुद बांग्लादेश के हिंदू खुद को बचाने की गुहार लगाते हुए सड़कों पर उतर आए और इसी के साथ दुनिया के कई देशों में उन्हें बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हुए। इस तरह करीब एक सप्ताह की चुप्पी के बाद कई विपक्षी नेताओं की बांग्लादेशी हिंदुओं को लेकर जुबान खुली। क्यों, क्योंकि तथाकथित सेक्युलरिज्म इसकी इजाजत नहीं दे रहा था कि वे उन पर कुछ बोलें। यह पहली बार नहीं हुआ।

अफगानिस्तान हिंदुओं एवं सिखों से करीब-करीब खाली हो गया और उन्हें जैसे-तैसे निकालकर लाया गया, लेकिन शायद ही कभी कोई आवाज उठी हो कि तालिबान शासन में बचे-खुचे हिंदू-सिखों को बचाने की जरूरत है। पाकिस्तान में आए दिन हिंदुओं, सिखों का उत्पीड़न और खासकर उनकी लड़कियों का अपहरण एवं जबरन निकाह होता रहता है, लेकिन मजाल है कि खुद को सेक्युलर बताने वाले किसी दल का नेता इसके खिलाफ आवाज उठाए। कारण वही कि छद्म सेक्युलरिज्म इसकी इजाजत नहीं देता। यह भी ध्यान रखें कि जब अयोध्या से गुजरात जा रहे करीब साठ कारसेवकों को गोधरा में ट्रेन में जिंदा जला दिया गया था तो विपक्षी नेताओं के मुख से निंदा के दो शब्द नहीं निकले थे और उलटे यह साबित करने की कोशिश की गई थी कि ट्रेन में आग बाहर से नहीं, अंदर से लगी। गोधरा कांड पर विपक्षी दलों की चुप्पी ने भी गुजरात दंगों की आग में घी डालने का काम किया था। यह भी किसी से छिपा नहीं कि कश्मीरी हिंदुओं के पक्ष में कभी कोई आवाज नहीं उठती। उनके पलायन के इतने वर्षों बाद भी यह सवाल नहीं उठता कि आखिर कश्मीरी हिंदू अपने घर कब लौट सकेंगे? यदा-कदा इस तरह का नैरेटिव गढ़ने की कोशिश अवश्य की जाती है कि कश्मीरी हिंदू अपने पलायन के लिए खुद ही जिम्मेदार हैं।

सेक्युलरिज्म के विकृत रूप लेने के कारण ही देश में अपने-अपने एजेंडे के हिसाब से पीड़ितों के पक्ष में बोला जाता है। इसका उदाहरण यह है कि जो लोग गाजा में मुसलमानों के संकट पर बोलना जरूरी समझते हैं, वे बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में आवाज उठाने को गैर जरूरी मानते हैं। जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हो रहे थे, तब देश में यह भी हो रहा था कि इंटरनेट मीडिया पर इन हमलों को नकारने और साथ ही यह बताने की पूरी कोशिश हो रही थी कि वे वहां पर पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसके लिए 'एक्स' की कुछ उन फर्जी पोस्ट का सहारा लिया जा रहा था, जिनमें यह कहा जा रहा था कि वह खुद बांग्लादेशी हिंदू हैं और पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसके अतिरिक्त उन चंद फोटो का भी हवाला दिया जा रहा था, जिनमें बांग्लादेश के मुस्लिम मंदिरों की सुरक्षा करते दिख रहे थे।

दुनिया में जब कहीं बड़े पैमाने पर हिंसा होती है तो कुछ फेक फोटो और वीडियो भी आ जाते हैं। ऐसा ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर भी हुआ। इन्हें ढाल बनाकर यह माहौल बनाने की हरसंभव कोशिश हुई कि हिंदुओं पर हमले की सारी खबरें झूठी हैं। यह काम तथाकथित फैक्ट चेकर भी कर रहे थे। उनकी ओर से बनाया जा रहा फर्जी नैरेटिव तब ध्वस्त हो गया, जब अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस हिंदुओं पर हमले के खिलाफ बोले और बांग्लादेशी हिंदू भारत में शरण के इरादे से बंगाल की सीमा पर एकत्रित होने शुरू हो गए। यह शरारत भरा नैरेटिव बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर उतरने से तो पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इसके बाद भी ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि हिंदुओं पर हमले की इक्का-दुक्का घटनाएं हुई हैं और इन घटनाओं के पीछे कोई सांप्रदायिक वैमनस्य नहीं है। जो लोग बांग्लादेशी हिंदुओं पर कुछ बोलने को तैयार नहीं थे या फिर यह सिद्ध करने की कोशिश कर रहे थे कि उनके खिलाफ कुछ नहीं हो रहा, वे यकायक तब मुखर हो गए, जब गाजियाबाद में गुमनाम से हिंदू संगठन के खुराफाती तत्वों ने बांग्लादेशी मुसलमानों के नाम पर कुछ गरीबों की झुग्गियां तोड़ दीं। यह खबर उन अंतरराष्ट्रीय मीडिया माध्यमों ने भी उठा ली, जो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की अनदेखी करने में लगे हुए थे। यह अफसोस की बात है कि हमारे राजनीतिक दल बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में न तो कोई साझा बयान जारी कर सके और न ही एक सुर में बोल सके।

(लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

पांच मित्र

यदि हम अपने मित्र नहीं बन सकते तो जीवन भर हमारे पास मित्रों का अभाव रहेगा। अकेलापन अनुभव करना हमारे भीतर की किसी कमी को दर्शाता है न कि मित्रों के संबंध में भाग्यहीनता को। ईश्वर ने हर व्यक्ति को पांच मित्रों का साथ देकर भेजा है, वे हैं-शरीर, इंद्रियां, मन, बुद्धि और प्राण। ये पांच मित्र हमारे प्रति इतने निष्ठावान हैं कि हम इनसे जैसा कहते हैं वे वैसा ही करते हैं। अच्छा-बुरा जैसा कर्म करने की इच्छा होती है, उसे हम मन को बता देते हैं, बुद्धि उसका पक्ष-विपक्ष सामने रखती है, शरीर उस कर्म को साधने में साथ देता है, इंद्रियां फल चखकर हमें तृप्त करतीं हैं, फिर इनसे पवित्रता या अपवित्रता का जैसा भी भाव उत्पन्न होता है, प्राण उसे ग्रहण कर लेता है।

जब तक सुखद काल चलता है तब तक हम इन मित्रों के साथ उत्सव मनाते रहते हैं। जैसे ही दुख आता है ये पांचों मित्र शोक में भी हमारा भरपूर साथ देते हैं। मन उचाट हो जाता है, बुद्धि संशय से भर जाती है, शरीर शिथिल हो जाता है, इंद्रियां भोगों से विरक्त हो जाती हैं, प्राण ऊर्जा खोने लगता है। फिर हम एकाकीपन के गहरे कूप में जा गिरते हैं। वस्तुत:, जिन मित्रों के सहयोग से हम अपना उद्धार कर सकते थे, उनका हमने दुरुपयोग किया। वे अभी भी हमारे साथ हैं, किंतु हम उनकी शक्ति को अनदेखा कर स्वयं को अवसादग्रस्त बना लेते हैं। स्मरण रहे कि जो स्वयं अपना मित्र नहीं बन सकता, उसका कोई भी मित्र नहीं होता।

कुछ लोग सत्कर्म या मात्र कर्म के वेग से इतने ऊर्जान्वित एवं सक्रिय रहते हैं कि वे सदैव दाता की भूमिका में होते हैं। उनसे ऊर्जा, सकारात्मकता, सीख और आनंद कुछ भी प्राप्त किया जा सकता है। वे कभी भी एकाकीपन अनुभव नहीं करते, क्योंकि उन्होंने इन पांच मित्रों की सत्संगति का भरपूर सदुपयोग किया है।

ट्विंकल तोमर सिंह

विभाजन की यादें और सबक

सुधीर कुमार

विभाजन का स्मरण हमें अतीत की गलतियों से सीखने और एक खुशहाल भविष्य की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देता है

ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने 20 फरवरी, 1947 को हाउस आफ कामंस में घोषणा की कि ब्रिटिश सरकार 30 जून, 1948 तक भारत की सत्ता जिम्मेदार भारतीयों के हाथ सौंपना चाहती है। अतः लार्ड वेवेल के स्थान पर लार्ड माउंटबेटन को भारत का अंतिम वायसराय बनाकर भेजा गया। प्रमुख राजनीतिक दलों, नेताओं और राजाओं से विमर्श के पश्चात माउंटबेटन इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि भारतीय समस्या का एकमात्र समाधान देश का विभाजन है। उन्होंने अपनी योजना तीन जून को घोषित की, जिसके अनुसार भारत को एटली द्वारा निर्धारित तिथि से पूर्व ही 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता दे दी जाएगी।

इस योजना के अनुसार पंजाब और बंगाल का विभाजन के लिए सीमा आयोग की नियुक्ति, पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत और असम के सिलहट जिले में जनमत संग्रह कराना, सिंध और बलूचिस्तान में प्रांतीय विधानमंडलों को निर्णय लेने देना कि वे पाकिस्तान में मिलना चाहते हैं या नहीं तथा देशी रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने या स्वतंत्र रहने का अधिकार दिया गया। फलस्वरूप सिरिल रेडक्लिफ को भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाओं के निर्धारण के लिए 30 जून, 1947 को गठित पंजाब सीमा आयोग और बंगाल सीमा आयोग का संयुक्त अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा निर्धारण का काम केवल छह हफ्ते में करना था। माउंटबेटन योजना को 10 जून, 1947 को मुस्लिम लीग, जबकि 14 जून, 1947 को कांग्रेस ने स्वीकार किया। महात्मा गांधी ने तब कहा था कि अगर कांग्रेस बंटवारा मंजूर करेगी, तो उसे मेरी लाश के ऊपर करना पड़ेगा। माउंटबेटन योजना के आधार पर ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 पारित किया, जिससे भारत की स्वतंत्रता के साथ विभाजन की त्रासदी भी उत्पन्न हुई। विभाजन ने विस्थापन और सांप्रदायिक हिंसा को जन्म दिया। लाखों लोगों को अपने घरों को छोड़कर दूसरे देश में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसे किसी युद्ध या अकाल से इतर होने वाला इतिहास का सबसे बड़ा जबरन पलायन माना जाता है। इस दौरान दो लाख से 10 लाख लोग मारे गए। विभाजन ने भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को भी गहराई से प्रभावित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2021 में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' की घोषणा यह दर्शाती है कि विभाजन की पीड़ा और इसके परिणामों को याद रखना महत्वपूर्ण है। विभाजन की घटनाओं का स्मरण और विश्लेषण हमें न केवल अतीत की गलतियों से सीखने का मौका देता है, बल्कि हमें एक खुशहाल भविष्य की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है।

(लेखक बीएचयू में शोधार्थी हैं)

मेलबाक्स

सुधरे संसदीय कार्यवाही की गुणवत्ता

'तनावपूर्ण होते पक्ष-विपक्ष के संबंध' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में हृदयनारायण दीक्षित ने विधायी सदनों की मौजूदा अक्षमताओं-अव्यवस्थाओं से परिचित कराया है। भारत को विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रतिष्ठा प्राप्त है, लेकिन इस लोकतंत्र की सर्वोच्च विधायी संस्था संसद के दोनों सदनों में पिछले कुछ वर्षों से जो होता चला आ रहा है उससे इस प्रतिष्ठा पर आंच आ रही है। अंतरराष्ट्रीय पटल की तो छोड़िए, जो भारत की नई पीढ़ी है वही अपने जनप्रतिनिधियों के ऐसे आचरण पर निश्चित रूप से स्तब्ध होगी। जिन लोगों ने अतीत में संसदीय कार्यवाही नहीं देखी होगी उनके लिए तो यही नव-सामान्य परिपाटी होगी कि संसद में तो यही सब होता रहता है। संविधान निर्माताओं ने जिस ब्रिटेन से संसदीय लोकतंत्र की प्रणाली आत्मसात की थी वहां आज भी संसदीय कामकाज में गुणवत्ता एवं गरिमा झलकती है। उसके विपरीत भारत में स्थिति एकदम उलट है। अभी भी समय है कि सभी राजनीतिक दल संसदीय कार्यवाही की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आगे आएं। राजनीतिक विरोध को शत्रुता में नहीं बदला जाना चाहिए।

गुंजन शर्मा, कमला नगर-नई दिल्ली

सच पर पर्दा

हिंडनबर्ग ने सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के बहाने जवाबी हमला किया है। शायद वह अपनी शार्ट सेलर फर्म की छवि बनाए रखना चाहता है और 2023 की अदाणी पर अपनी रिपोर्ट का बचाव करना चाहता है, पर यह रणनीति कारगर नहीं होगी। हो सकता है कि समय-समय पर खुद को सही साबित करने के लिए वह ऐसी और हरकतें करे, पर इससे बस देश की एजेंसियों को परेशानी होगी। विपक्ष रोमांचित होगा, लेकिन इससे सच सामने नहीं आएगा। हां ऐसा जरूर हो सकता है कि हिंडनबर्ग के हालिया आरोपों और विपक्षी दलों के हो-हल्ला से एक पेचीदा मामला अंजाम तक पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दे।

नवीनचंद्र तिवारी, रोहिणी दिल्ली

हिंदुओं को चाहिए सुरक्षा

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता परिवर्तन के दौरान हिंदुओं पर भारी अत्याचार, हिंसा, दुष्कर्म, मंदिरों में लूटपाट और आगजनी हुई और भारत सहित दुनियाभर में हिंदुओं के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। संभवतः इसी वैश्विक विरोध और दबाव के चलते बांग्लादेश को इस्लामिक कट्टरपंथियों के हिंदुओं के प्रति घृणा अपराधों पर क्षमा मांगने को विवशता होना पड़ा है। इस्लामिक देशों में जहां सत्ता कट्टरपंथी दलों के हाथों में है, वहां अल्पसंख्यकों हिंदू, सिख, जैन और ईसाइयों के साथ अत्याचार, हिंसा, जबरन मतपरिवर्तन, मंदिरों और पूजा स्थलों को नष्ट करना उनका सबसे बड़ा उद्देश्य और एजेंडा है। मुस्लिम जनमानस को हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा के लिए उकसाना वहां एक राजनीतिक हथियार है। ऐसा नहीं है कि बांग्लादेश बनने के बाद शेख मुजीबुर्रहमान, जिया उर्रहमान, खालिदा जिया और शेख हसीना के शासन काल में हिंदुओं पर घोर अत्याचार नहीं हुए। अंततः हिंदुओं की आबादी 32 प्रतिशत से घटते-घटते आठ प्रतिशत नहीं रह गई होती। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी प्रायः समाप्त हो गई है। दुर्दांत इस्लामिक अत्याचारियों से बचने के लिए बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं ने भारत सीमा पर शरण मांगी तो अपनी सरकार ने भी तो उनको वापस कर दिया, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जब लाखों बांग्लादेशी और रोहिंग्या भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं तो भयंकर हिंसा झेल रहे हिंदुओं को तात्कालिक और सीमित अवधि के लिए शरण दी जा सकती थी। उनको आज बचाना है। इस्लामिक देशों के साथ किसी भी वार्ता में हिंदुओं की सुरक्षा का विषय सर्वोपरि होना चाहिए। हमारे देश के विपक्षी दलों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और हिंसा पर मौन साध कर और उनकी अनदेखी करके सिद्ध कर दिया है कि हिंदू उनके राजनीतिक एजेंडे में कहीं नहीं है।

विनोद जौहरी, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

40 प्रतिशत हिस्सेदारी है रासायनिक उर्वरक की खेती की लागत में देश में, इंडियन जर्नल आफ फर्टिलाइजर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार।

आजकल

अरविंद कुमार मिश्रा
लोक नीति विश्लेषक

जलवायु अनुकूल कृषि की जरूरत

गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्में जारी कीं। इनमें धान, गेहूं, गन्ना, दलहन, तिलहन आदि की 69 और बागवानी की 40 किस्में शामिल हैं। इन उन्नत बीजों से खेती करने पर किसानों को अधिक लाभ होगा, क्योंकि खेती की लागत कम होगी। देखा जाए तो आज देश में ऐसी फसलों की जरूरत है, जो जलवायु के अनुकूल हों, अधिक पैदावार दे सकें और जिनकी खेती में कीटनाशकों का प्रयोग कम हो

फसलों की नई किस्मों से देश को मिलेगी खाद्य सुरक्षा। प्रेट्र

जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर कृषि पर होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में नकारात्मक बदलाव का परिणाम बेमौसम बरसात, बाढ़, सूखा और मिट्टी की कम होती पोषण क्षमता की शक्ल में सामने आता है। धरती पर बढ़ते तापमान की वजह से मृदा अपरदन, मिट्टी की लवणता में वृद्धि जैसे अजैविक कारक फसलों की पैदावार कम कर रहे हैं। इसके साथ-साथ कीट-पतंग, बीमारी, खरपतवार जैसे जैविक घटक भी उपज को नष्ट कर देते हैं। पूर्व औद्योगिक काल (वर्ष 1850-1900) से लेकर अब तक धरती का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। उत्पादन, वितरण एवं उपभोग की पूरी शृंखला पर्यावरण से अंतर्संबंधित है। ऐसे में जलवायु अनुकूल गतिविधियों से हम न सिर्फ खाद्यान्न उत्पादन को समावेशी बना सकते हैं, बल्कि यह धरती को सेहतमंद भी बनाता है। इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आइएआरआइ) ने अधिक उपज देने वाली 61 फसलों की 109 किस्में जारी की हैं। इनमें खेती की 69 और बागवानी की 40 किस्में हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) समेत अलग-अलग शोध संस्थान तथा कृषि विश्वविद्यालय जेनेटिक्स टेक्नोलाजी पर आधारित फसलों की ऐसी किस्में विकसित कर रहे हैं, जो जलवायु प्रतिरोधी होने के साथ अधिक पोषक प्रदान करने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में जारी की गई जलवायु अनुकूल फसलों में चावल, गेहूं से लेकर मोटे अनाज तथा दलहन, तिलहन, चारा, रेशे वाली फसलों के साथ बागवानी, सब्जियां, कंद, मसाले तथा औषधि भी हैं।

खेतों में लहलहाने को तैयार केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल (हरियाणा) द्वारा प्रायोजित चावल की एक किस्म सीएसआर-101 (आइईटी-30827) लवणीय दबाव वाले क्षेत्रों में अच्छी उपज देगी। 125 से 130 दिनों में तैयार होने वाली यह फसल लवणीय दबाव में भी 35.15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा सामान्य स्थिति में 55.88 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देगी। यह जीवाणु झुलसा रोग के लिए भी प्रतिरोधी है। इसे तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक के लिए अनुशंसित किया गया है। पंजाब के लुधियाना में स्थित भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रायोजित मक्के की एक किस्म को जलभराव तथा गिरने के प्रति सहनशील बनाया गया है। यह फसल पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल एवं असम के लिए अनुशंसित है। वहीं बागवानी के अंतर्गत पेश की गई टमाटर की एक किस्म पूसा शक्ति मई-अक्टूबर के दौरान खेती के लिए लाभकारी है। यह उच्च तापमान के प्रति टिकाऊ है। इसकी औसत उपज 351 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इस तरह प्रत्येक नई किस्म किसी न किसी जैविक एवं अजैविक घटक के प्रति सहनशील है।

प्रयोगशाला से खेत तक नवाचार : पर्यावरण अनुकूल तथा उच्च उत्पादक किस्मों को तैयार करने के लिए फसलों का खेत से ही संचयन किया जाता है। उदाहरण के लिए यदि फसल की कोई किस्म 45 डिग्री सेल्सियस पर भी अच्छी उत्पादकता देती है, तो सबसे पहले उसके जननद्रव्य (जर्मप्लाज्मा) एकत्र किए जाते हैं। किसी भी जीव की जनन कोशिका में पाया जाने वाला आनुवंशिक पदार्थ जननद्रव्य कहलाता है। प्रयोगशाला में इसके आनुवंशिकी की पहचान कर उसे किसी अन्य उच्च उत्पादकता वाली किस्म में स्थानांतरित कर दिया जाता है। इसके बाद संबंधित फसल से जुड़े अनुसंधान केंद्रों में इसका परीक्षण होता है। फिर अलग-अलग राज्यों एवं परिक्षेत्रों (जोन) में जमीनी स्तर पर नई किस्मों पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इससे प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर प्रयोगशाला में तैयार हुई नई किस्मों का प्रमाणन कर उन्हें कृषकों को उपलब्ध कराया जाता है।

मिट्टी की पोषक क्षमता बढ़ाएं : पादप आनुवंशिकी के उपक्रमों से तैयार इन नए बीजों से उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमें मृदा की सेहत का भी ख्याल रखना होगा। वैसे मृदा परीक्षण को लेकर दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन जमीन पर उनकी स्थिति किसी से छिपी नहीं है। खेतों में बेतहाशा उपयोग होने वाले रासायनिक उर्वरक मिट्टी को बंजर बनाने के साथ मानवीय सेहत के सामने बड़ा संकट हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी के गणित ने किसानों को धान, गेहूं एवं गन्ने जैसी फसलों पर अत्यधिक निर्भर बनाया है। इससे भूजल स्तर में अप्रत्याशित गिरावट आई है। मृदा परीक्षण का कार्य जीपीएस के जरिये किया जा रहा है, इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र अपनी पहुंच प्रगतिशील किसानों से आगे लघु और सीमांत किसानों तक बढ़ाएं। खेत से प्रयोगशाला होते हुए पुनः खेतों में उच्च उत्पादकता के बीज उपलब्ध कराने का नवाचार महत्वपूर्ण जलवायु अनुकूल पहल है, लेकिन इसके लाभ तब होंगे जब मिट्ट् की पोषक क्षमता, जल की उपलब्धता एवं व्यवस्थित फसल चक्र को अपनाया जाए। बीटी काटन की असफलता इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। हरित क्रांति के अनुभव से भी सबक लेना होगा। फसलों एवं बागवानी की नई किस्मों को लोकप्रिय बनाने में राज्यों के कृषि विभाग के साथ ही विश्वविद्यालयों से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्रों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

खाद्यान्न संकट होगा दूर : भारत जब अपनी आजादी के सौ वर्ष मना रहा होगा तब देश की जनसंख्या 1.6 अरब के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में वर्ष 2050 तक 400 मिलियन टन खाद्यान्न की आवश्यकता होगी। देश में वित्त वर्ष 2022-23 में 329 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ। कृषि विज्ञानियों द्वारा तैयार की गई इन नई किस्मों से मोटे अनाज (बाजरा, रागी, सांवा, चना) एवं दहलन (अरहर, मसूर, मटर, मूंग, तिल, मूंगफली) तथा बागवानी (आम, बेल, टमाटर, लौकी, आलू, गेंदा) की खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। इसी तरह औषधीय खेती (अश्वगंधा, अर्क धन्वंतरी, अर्क दक्ष, मंडूकापर्णी) से भी कृषक जुड़ सकेंगे। यदि इन नई किस्मों को प्रभावी रूप से किसानों तक पहुंचाया जाता है तो देश में फसल चक्रीकरण के लिए यह वरदान साबित होगा।

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान केंद्रों द्वारा फसलों की हजारों किस्में विकसित की गई हैं। बाजार आज संकर बीजों से भरे पड़े हैं। आज प्रत्येक किसान हर मौसम में नया बीज बाजार से खरीदता है, जबकि कुछ दशक पहले तक किसान साल दर साल खेत से प्राप्त बीज संग्रहित रखते थे। इससे खेती की लागत भी कम होती थी। देसी बीज स्थानीय मौसम और जलवायु से परिचित होते हैं। हरित क्रांति के बाद बीज से लेकर कृषि के तमाम उपक्रम कुछ इस तरह बाजार आधारित हो गए कि उत्पादन तो बढ़ा, लेकिन लागत में इतनी वृद्धि हुई कि किसानों की आर्थिक सेहत पर कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा है। ऐसी स्थिति में बीज, मिट्टी, पानी एवं ऊर्जा उपलब्धता का स्थानीयकरण ही खेती को लाभकारी बनाएगा।

कम करनी होगी रासायनिक खाद पर निर्भरता

इंडियन जर्नल आफ फर्टिलाइजर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार खेती की लागत में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक उर्वरक की है। पौधों को पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। उर्वरक एक ओर जहां पौधों को पोषण प्रदान करते हैं वहीं मिट्टी की ताकत को भी बढ़ाते हैं। हरित क्रांति के साथ शुरू हुई रासायनिक खादों की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। ऐसे में इसके नए विकल्प तलाशने के साथ मौजूदा रासानियक खादों को भी पर्यावरण अनुकूल बनाना होगा। देश में गोबर खाद और कंपोस्ट खाद आदि जैविक खाद का उपयोग प्राचीन काल से होता आ रहा है। एक टन गोबर और कंपोस्ट खाद से लगभग पांच किग्रा नाइट्रोजन, 2.5 किग्रा फास्फोरस एवं पांच किग्रा पोटाश प्राप्त किए जा सकते हैं। देश में अभी जैविक खाद की क्षमता का 50 प्रतिशत उपयोग भी नहीं हो पाया है। किसी फसल में जैविक खाद की दी गई मात्रा का सिर्फ 30 प्रतिशत ही पहले साल में अवशोषित होता है। शेष मात्रा अन्य फसल चक्र में उपयोग में लाई जाती है। जैविक खाद में ह्यूमिक एसिड की मौजूदगी से मिट्टी में फास्फोरस की उपस्थिति बनी रहती है। ह्यूमिक एसिड जमी हुई मिट्टी को हवा देता है, जिससे मिट्टी भुरभुरी हो जाती है।

कृषि और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र में जिस तरह रासायनिक प्रदूषण बढ़ रहा है उसे देखते हुए नैनो तकनीक पर आधारित नैनो फर्टिलाइजर पर भी जोर दिया जा रहा है। नाइट्रोजन का 20 से 50 प्रतिशत दक्षता के साथ उपयोग खेती को जलवायु अनुकूल बनाता है। नैनो तकनीक पर आधारित उर्वरक पौधों को संपूर्ण पोषक तत्व मुहैया कराते हैं। इसमें नैनो तकनीक से एक एनएम (नैनो मीटर) से 10 एनएम आकार के सूक्ष्म अवयव का उपयोग किया जाता है। सहकारी समिति इफको द्वारा नैनो यूरिया (तरल), नैनो जिंक, नैनो कापर, इफको नैनो डीएपी (तरल) प्रस्तुत किया गया है। नैनो यूरिया, नैनो जिंक और नैनो कापर की पोषकता अन्य रासायनिक उर्वरकों के मुकाबले काफी अधिक है। नैनो यूरिया की एक बोतल का प्रयोग कम से कम एक बैग यूरिया की जगह लेता है। नैनो यूरिया का जब फसल की पत्तियों पर छिड़काव किया जाता है तो यह आसानी से रंध्रों (स्टोमेटा) और अन्य छिद्रों के माध्यम से पौधे में प्रवेश कर जाता है। यह सीधे पौधों की कोशिकाओं द्वारा अवशोषित होता है। अप्रयुक्त नाइट्रोजन पौधे में संग्रहित रहता है और पौधे के उचित विकास और वृद्धि के लिए धीरे-धीरे छोड़ा जाता है। यदि किसानों तक गुणवत्तापूर्ण बीजों के साथ पर्यावरण अनुकूल खाद की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो जाए तो मिट्टी के साथ ही संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र टिकाऊ बनने लगेगा।

-अरविंद कुमार मिश्रा

खरी-खरी

शुगर बढ़ने की खुशी!

धर्मेंद्र जोशी

जब से गुल्लू जी की बढ़ी हुई शुगर की रिपोर्ट आई है, तब से वह प्रफुल्लित दिख रहे हैं। उनकी बहुत दिनों से इच्छा थी कि कोई ऐसी बीमारी की गिरफ्त में आएं, जो बड़े लोगों में आमतौर से पाई जाती है। जिससे उनका सामाजिक स्तर यकायक बढ़ जाए। उनकी इच्छा पूर्ण हो चुकी है। अब वह जहां भी जाते हैं, अपनी डायबिटीज की विस्तार से जानकारी अवश्य देते हैं, चाहे कोई सुने या न सुने।

उनकी श्रीमती जी गुनगुन भाभी भी चेहरे पर मुस्कान लिए आज सुबह-सुबह पड़ोसन मिसेज गुलाटी को बता रही थीं कि हमारे ये भी डायबिटिक हो गए हैं। ये सरकारी विभाग में अधिकारी हैं, जब भी किसी से रिश्वत खाते हैं, तो बातचीत में हर बार चाय पीनी पड़ती है। इतना सुनते ही मिसेज गुलाटी बोलीं, अरे! हमारे ये तो ठेकेदार हैं, इनको ठेके के लिए चाय तो क्या? न जाने क्या क्या पीना और पिलाना पड़ता है, इसलिए इनका ब्लड प्रेशर और शुगर तो हमेशा ही हाई रिस्क पर ही रहता है, पर क्या करें? स्टेटस बनाए रखने के लिए यह सब तो करना पड़ता है। दोनों की वार्ता में अभी-अभी धनी बने बब्बन जी की श्रीमती पुलक जी भी शामिल हो गईं। कहने लगीं, हम दोनों पति-पत्नी डायबिटिक हुए तो डाक्टर ने दवाओं के साथ साथ हर दिन सुबह जल्दी उठकर घूमने की हिदायत दी थी। मगर हम तो रात देर तक सोते हैं, सो पहले बिंदु पर तो हम कभी अमल ही नहीं कर पाए, लेकिन सुबह की चाय फीकी पीनी शुरू कर दी। यह बात और है कि हमको मीठा बहुत पसंद है। कई बार शादियों में जाना होता है और रसगुल्ला सामने आते ही मुंह में रख लेते हैं। आखिर लिफाफे में रखे रुपये का भी हिसाब बराबर करना होता है।

इतने में गुल्लू जी के गांव से उनके आठ दशक देख चुके मंगू काका का आगमन हुआ। उनको जब पता चला कि गुल्लू जी भी डायबिटीज की गिरफ्त आ गए हैं, तो उन्होंने बड़े आश्चर्य से गुल्लू जी की ओर देखा और कड़ी नसीहत देते हुए बोले, भई गुल्लू, तुम दिन भर केवल मुंह चलाते रहते हो, जरा हाथ-पैर भी चलाया करो। अपनी आदतों को बदलो वरना भोजन कम और दवाइयां ज्यादा खानी पड़ेंगी।

पोस्ट

भारत द्वारा हिंडनबर्ग को एक 'वित्तीय आतंकी संगठन' घोषित करना चाहिए। उसके सीईओ के लिए लुकआउट नोटिस जारी करना चाहिए। अरविंद@aravind

कोलकाता में ट्रेनी डाक्टर के साथ दुष्कर्म मामले में तमाम लोग चुप्पी साधे हुए हैं। यूपी जैसे किसी राज्य में ऐसा हुआ होता तो ये लगातार आवाज उठा रहे होते। यही लोग दूसरों को 'गोदी मीडिया' कहते नहीं थकते। ऋचा अनिरुद्ध@richaanirudh

लोग कह रहे हैं कि बांग्लादेश को अंततः असली आजादी मिल गई। ऐसा कुछ भी नहीं है। वह तभी सही मायनों में स्वतंत्र होगा जब मैं स्वदेश वापसी के बाद वहां बिना पुलिस की सुरक्षा में सहजतापूर्वक और सुरक्षित रह सकूं। तसलीमा नसरीन@taslimanasreen

दिल्ली में 13 साल के एक मासूम बच्चे की क्रिकेट खेलते हुए करंट लगने से मौत हो गई। इससे पहले गाजीपुर में एक मां-बेटा, पटेल नगर में एक छात्र करंट लगने से मरे थे। इस बार भी कुछ नहीं बदलेगा, बस दोषारोपण चलता रहेगा जब तक कि लोग भूल न जाएं। ऐसा लगता है कि जनता की जान की कीमत कुछ नहीं है। स्वाति मालीवाल@SwatiJaiHind

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या शेयर बाजार में निवेशकों का रुख हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा करता है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या कोलकाता ट्रेनी डाक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले की सीबीआइ जांच जरूरी है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

सुन करके अफवाह भी गिरा न शेयर बजार,
जनता होती जा रही ज्यादा जिम्मेदार।
ज्यादा जिम्मेदार अगर नेता हो जाएं,
तो मिलकर हम लोग उन्हें सिर पर बैठाएं।
खलनायक सौ रोस करें कोशिश जी भरके,
जनता रही निकाल कान से इक सुन करके।
- ओमप्रकाश तिवारी

अनुराग अग्रवाल
राज्य ब्यूरो प्रमुख, हरियाणा

हरियाणा डायरी

किसानों का भरोसा जीतने की पहल

हरियाणा सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले किसान हित के दो बड़े फैसले लिए हैं। पहला, किसानों की सभी 24 फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जाएंगी। दूसरा, खरीफ की फसलों पर किसानों को प्रति एकड़ दो हजार रुपये बोनस मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के इन दोनों फैसलों ने विपक्षी दलों के हाथ से बड़ा मुद्दा छीन लिया है। चुनाव से ठीक पहले होने वाली ऐसी घोषणाओं को अक्सर हवा-हवाई माना जाता है, लेकिन सरकार ने सभी तरह की किंतु-परंतु को खत्म करते हुए न केवल सभी फसलें एमएसपी पर खरीदने के आदेश जारी कर दिए, बल्कि मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर 15 अगस्त तक खरीफ की फसलों का पंजीकरण कराने वाले किसानों को बोनस की राशि की पहली किस्त जारी करने के निर्देश भी दे दिए हैं। यानी फसल मंडी में आकर बिकती रहेगी, लेकिन किसानों को उनके बोनस का पैसा पहले ही मिल जाएगा। प्रदेश सरकार ने ऐसा इसलिए किया है, ताकि विपक्ष यह आरोप न लगा सके कि किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीदने तथा दो हजार रुपये प्रति एकड़ बोनस देने की घोषणा चुनावी है।

हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। यहां की 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। केंद्रीय पूल के तहत खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य हरियाणा है, जहां पिछले कई वर्षों से किसानों पर जमकर राजनीति हो रही है। एमएसपी पर फसलों की खरीद और खरीद की गारंटी के लिए हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसान पिछले कुछ सालों से आंदोलनरत हैं, पर अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी फसलें एमएसपी पर खरीदने की घोषणा कर ऐसा मास्टर स्ट्रोक खेला कि पूरा विपक्ष पस्त हो गया है। वास्तविक किसान मुख्यमंत्री की इस घोषणा से खुश हैं। भारतीय किसान यूनियन ने हरियाणा की भाजपा सरकार की इस घोषणा को अपने आंदोलन की जीत बताकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के फैसले पर अपनी सहमति की मुहर लगा दी है।

नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री, हरियाणा

हरियाणा सरकार 14 फसलें पहले से एमएसपी पर खरीद रही थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में चुनाव अभियान का शंखनाद करते हुए 10 और फसलें एमएसपी पर खरीदने की घोषणा की, जिसकी पूरे देश में चर्चा है। केंद्र सरकार हर साल 24 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है। हरियाणा देश का एकमात्र राज्य था, जो पहले से 14 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रहा था। अब हरियाणा 24 फसलें एमएसपी पर खरीदने वाला देश का पहला और एकमात्र राज्य बन गया है। केंद्र सरकार इतनी ही फसलों का हर साल एमएसपी घोषित करती है। केंद्र सरकार ने विपणन सत्र 2024-25 के लिए 19 जून को खरीफ फसलों की एमएसपी में वृद्धि की थी, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि तिलहन और दालों के लिए की गई है।

तीन कृषि कानूनों के विरोध तथा एमएसपी पर फसलों की खरीद को लेकर दिल्ली-हरियाणा की सीमा पर पूरे एक साल तक आंदोलन चला। उस आंदोलन की पूरी बागडोर पंजाब के किसानों के हाथ में थी। अब किसान फिर से हरियाणा-पंजाब की सीमा पर अंबाला के निकट शंभू बार्डर पर एमएसपी के लिए ही धरने पर बैठे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली कूच करने की जिद पर अड़े इन किसानों को रोकने के लिए शंभू बार्डर पर बैरीकेड्स लगाए गए थे। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इन बैरीकेड्स को हटाने के आदेश हरियाणा सरकार को दिए थे, लेकिन हरियाणा सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश को यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी कि यदि किसान शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली में जाना चाहते हैं तो उनका स्वागत है, लेकिन ट्रैक्टर-ट्रालियों के जरिये उन्हें दिल्ली में जाकर कानून व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इस आंदोलन एवं विपक्ष के आरोप-प्रत्यारोप के बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों का भरोसा जीतने का बड़ा काम किया है।

हरियाणा सरकार ने खरीफ की जिन 14 प्रमुख फसलों पर प्रति एकड़ दो हजार रुपये बोनस देने का निर्णय लिया है, उनमें धान, कपास, मक्का, बाजरा, ज्वार, ग्वार, मूंग, मूंगफली, गन्ना, जूट, अरहर, सूरजमुखी, तिल और सोयाबीन शामिल हैं। इनका बिजाई सीजन जून से जुलाई तक होता है। प्रदेश सरकार उन किसानों को भी दो हजार रुपये प्रति एकड़ बोनस प्रदान करेगी, जिनके पास एक एकड़ से कम जमीन है। हरियाणा सरकार किसानों का आबियाना शुल्क (नहरी पानी पर शुल्क) माफ करने का फैसला पहले ही ले चुकी है। एक अप्रैल, 2024 से किसानों से अब आबियाना शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसानों पर पिछला बकाया 140 करोड़ रुपये का आबियाना शुल्क भी माफ कर दिया गया है। आबियाना खत्म होने से किसानों को हर साल 54 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। एक अप्रैल, 2024 के बाद किसानों को आबियाना जमा कराने के जो नोटिस मिले हैं, उन्हें वापस लेने का फैसला हो चुका है। इस अवधि के बाद किसी किसान ने यदि आबियाना जमा करवा दिया है तो वह राशि भी किसानों को वापस करने पर सहमति मंत्रिमंडल की बैठक में बन चुकी है।

मंथन

सुधीर मोता
खेल के जानकार

पेरिस ओलिंपिक से सबक

हमारे यहां बड़ी नौकरियां दिलाने वाले कोचिंग केंद्र तो लबालब भरे हैं, लेकिन खेल के मैदान सूने पड़े हैं। युवाओं को खेल के मैदान में भी लाना होगा

पेरिस ओलिंपिक के सफल आयोजन ने जगह-जगह युद्ध और आंतरिक संघर्षों के परिदृश्य के बीच दुनिया में एक बेदाग परचम तो फहरा ही दिया है जिस पर मानव मन के असली रंग देखे जा सकते हैं। यह रंग है खेल भावना का। खेल भावना कहती है कि प्रतिस्पर्धा अगर हो तो सिर्फ खेल के मैदान में हो और चाहे जीत कर बाहर आओ या हार कर, अपने प्रतिद्वंद्वी से हाथ मिलाना और कंधे थपथपाना मत भूलना। हमने टोक्यो ओलिंपिक में यह संकेत दिया था कि हमारी खेल नर्सरी में खिलाड़ियों की पौध तेजी से विकसित हो रही है। टोक्यो ओलिंपिक में सात पदक जीतने के बाद यह भरोसा बैठ गया था कि पदकों की यह संख्या दोगुनी होने में अब देर नहीं, लेकिन पेरिस ओलिंपिक के बाद देश में अब यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि हम वहीं के वहीं क्यों खड़े रह गए?

देश में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय का पहली बार गठन वर्ष 2000 में किया गया था। इन 24 वर्षों में 18 नेतृत्व परिवर्तन इस मंत्रालय ने अब तक देखे हैं। जाहिर है अधिकारी भी बदले ही होंगे। इस मंत्रालय के अंतर्गत खेलो इंडिया जैसे कम से कम छह अन्य बड़े प्रोजेक्ट भी काम करते हैं। फिर खेल विकास संहिता का सृजन हुआ। आपरेशन एक्सीलेंस भी लागू किया गया। 2014 में राष्ट्रीय युवा नीति बनी। खेल कूद के लिए राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की एक टीम गठित की गई, जिसमें पीटी उषा सहित खेल से जुड़े सात अन्य नाम हैं। राजीव गांधी खेल अभियान फरवरी 2014 में आरंभ किया गया। इसके पहले पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान शुरू हुआ था। इसका मूल उद्देश्य गांवों के स्कूलों में खेल के मैदानों का विकास और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना था। 2016 में इसका विलय खेलो इंडिया में कर दिया गया। खेलो इंडिया के बजट से अलग-अलग राज्यों को खेल के विकास के लिए सीधे आवंटन किया जाता है। नवीनतम कार्य के रूप में टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम को गिना जा सकता है। इसके तहत खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर पिछले तीन वर्षों में करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार का खेलों के लिए बजट 3,442 करोड़ रुपये है। प्रयास तो स्पष्ट दिख रहे हैं, परिणाम या कहें कि सफलता क्यों उस परिमाण में नहीं मिल रही?

साफ है हमारे खेल के उत्थान से संबंधित कार्यक्रमों में कोई कमी जरूर है। ये कमियां मामूली हैं इसलिए ओलिंपिक रूपी हमारी नाव डूबी तो नहीं है, पर किनारे पर पहुंचते-पहुंचते बहुत पीछे जरूर रह गई है। हमारे गांवों में कितने खेल के मैदान सचमुच में हैं? उनमें खेल से जुड़े कितने उपकरण हैं और सही हालत में हैं? कस्बों और शहरों में स्कूलों में खेल की क्या हालत है? हमने यह नियम बना दिया कि स्कूलों के पास पर्याप्त भूमि होनी चाहिए, ताकि बच्चे खेल सकें, लेकिन सप्ताह में एक-दो दिन खेलकूद के आधे घंटे के सत्र से क्या होगा? अमेरिका, चीन आदि देश खेलकूद को करियर बनाने का लक्ष्य बच्चों को बचपन से ही दे रहे हैं। हमारे यहां बड़ी नौकरियां दिलाने वाले कोचिंग केंद्र तो लबालब भरे हैं, लेकिन खेल के मैदान सूने पड़े हैं। हाल में चीन के गोपनीय तंत्र से कई ऐसे वीडियो बाहर आए हैं, जो दिखाते हैं कि वहां बच्चों को लगभग निष्ठुरता की हद तक जा कर सांचे में ढाला जा रहा है। हमारे यहां लूडो खेलो-पैसे जीतो जैसे लुभावने विज्ञापन और वीडियो गेम बच्चों को कमरे से बाहर ही नहीं निकलने देते। एक बार नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा एक अध्ययन करवाया गया। उसमें देश में कुशल खेल प्रतिभाओं की खोज और उनका विकास करने के लिए कोचिंग देने वाली प्रतिभाओं और संस्थानों को चिह्नित और विकसित करने की बात कही गई थी। सवाल है कि आज इसका कितना पालन किया जा रहा है? एक बार तीरंदाजी में आदिवासी क्षेत्रों में जा कर खिलाड़ी चयन किए गए। तैराकी के लिए भी नाविकों, मछुआरों और नदियों में छलांग लगाते बच्चों में से चयन किया गया। यह अच्छा कदम था, पर कहीं जा कर अटक गया। अन्य खेलों में भी ऐसे प्रयास किए जाने चाहिए।

ओलिंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए भारत को करना होगा और कठिन परिश्रम। प्रेट्र

इस संबंध में भारत के पहले निजी स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की यह टिप्पणी प्रासंगिक लगती है कि हर काम पैसे से नहीं हो सकता। खिलाड़ियों को सफलता रेशम में लपेट कर नहीं दी जा सकती। पदक जीतना किसी मशीन में सिक्का डाल कर कुछ पा लेने जैसा आसान नहीं है, बल्कि खूने-पसीना बहाना पड़ता है। खेल आयोजनों का सीधा तात्पर्य है प्रतिस्पर्धा। जाहिर है हमें अपना आचरण बदलना होगा। ओलिंपिक में देश के गौरव को सचमुच आगे बढ़ाने में रुचि है तो युवाओं को खेल के मैदान में लाना होगा। फिर मैदान को भी भ्रष्टाचार, लापरवाही, सुस्ती और अनदेखी के कीचड़ से बचा कर खेल के लायक बनाना होगा।

****

नीति आयोग ने योजनाओं के मूल्यांकन के लिए प्रस्ताव मांगे

नई दिल्ली: नीति आयोग ने स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा सहित नौ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के मूल्यांकन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। आयोग के अनुसार, प्रत्येक क्षेत्र को जीईएम पोर्टल के माध्यम से एक अलग आवेदन की आवश्यकता होगी। केंद्र प्रायोजित नौ योजनाएं कृषि और संबद्ध क्षेत्र, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और ग्रामीण विकास से जुड़ी हैं। केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) का क्रियान्वयन राज्य सरकार करती हैं। (प्रेट्र)

वनवेब सेटेलाइट सेवा पूरी तरह तैयार है और कंपनी को अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार है।
— सुनील मित्तल, चेयरमैन, भारती समूह

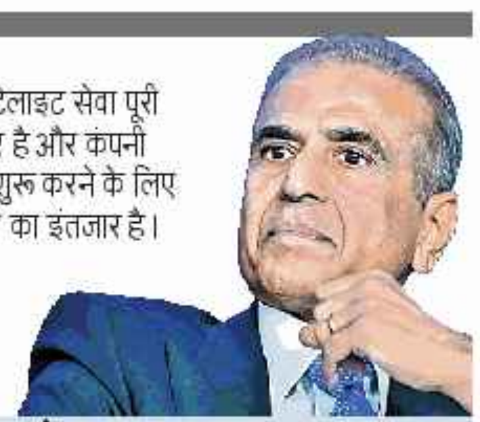

सेंसेक्स	78,956.03	▼ 692.89
निफ्टी	24,139	▼ 208
सोना प्रति दस ग्राम	₹72,850	▲ ₹500
चांदी प्रति किलोग्राम	₹83,500	बदलाव नहीं
डालर	₹83.97	बदलाव नहीं
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 82.01	

एक नजर में

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने छह नए मार्गों पर उड़ानें शुरू कीं

नई दिल्ली: एयर इंडिया एक्सप्रेस ने घरेलू नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से छह नई उड़ानें शुरू की गई हैं। इसमें चेन्नई-भुवनेश्वर, चेन्नई-बागडोगरा, चेन्नई-तिरुवनंतपुरम, कोलकाता-वाराणसी, कोलकाता-गुवाहाटी और गुवाहाटी-जयपुर उड़ान शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि इन मार्गों पर 12 अगस्त से उड़ानें शुरू हो गई हैं। अब कंपनी की दैनिक उड़ानें 380 हो गई हैं। (प्रेट्र)

फर्जी जीएसटी पंजीकरण के खिलाफ 16 से अभियान

नई दिल्ली: केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने बताया कि केंद्र और राज्यों के जीएसटी अधिकारी 16 अगस्त से फर्जी जीएसटी पंजीकरण के खिलाफ अभियान चलाएंगे। यह देशव्यापी अभियान दो महीने तक चलाया जाएगा। धोखाधड़ी से इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने और कर देने से बचने के लिए फर्जी पंजीकरण का इस्तेमाल होता है। (प्रेट्र)

मारुति सुजुकी फ्रांक्स का जापान के लिए निर्यात शुरू

नई दिल्ली: मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को बताया कि उसके स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल (एसयूवी) का जापान को निर्यात शुरू हो गया है। पहली खेप में गुजरात के पीपावाव पोर्ट से 1,600 फ्रांक्स जापान भेजी गई हैं। कंपनी ने बताया कि फ्रांक्स मारुति सुजुकी की पहली ऐसी एसयूवी होगी, जो जापान में लांच की जाएगी। बलेनो के बाद जापान को निर्यात की जाने वाली फ्रांक्स कंपनी की दूसरी गाड़ी है। (प्रेट्र)

भारत में बनी रेंज रोवर स्पोर्ट्स की डिलिवरी शुरू

मुंबई: टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर ने भारत में बनी रेंज रोवर स्पोर्ट्स की डिलिवरी शुरू कर दी है। कंपनी ने बताया कि इसके साथ रेंज रोवर के पोर्टफोलियो में शामिल सभी गाड़ियों का घरेलू स्तर पर उत्पादन पूरा हो गया है। जगुआर लैंड रोवर ने इसी वर्ष मई में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट्स का टाटा के पुणे संयंत्र में उत्पादन शुरू करने की घोषणा की थी। (प्रेट्र)

स्वास्थ्य बीमा से हटाया जा सकता है जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की नौ सितंबर की बैठक में चर्चा संभव, टैक्स दरें तर्कसंगत बनाने पर भी होगा विचार

- जीवन और स्वास्थ्य बीमा से मिलने वाले जीएसटी का 72 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के खाते में
- नितिन गडकरी द्वारा वित्त मंत्री को पत्र लिखने के बाद विपक्ष ने भी सरकार को घेरा था

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक नौ सितंबर को होने जा रही है। यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें जीवन और स्वास्थ्य बीमा की खरीदारी पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी दरों को या तो कम किया जा सकता है या फिर इसे पूरी तरह खत्म किए जाने पर चर्चा हो सकती है। संभव है कि केंद्र की ओर से ही इसका विचार रखा जाए। हालांकि देखना यह होगा कि इसके समर्थन में कितने राज्य आते हैं। बता दें कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा से मिलने वाले जीएसटी का 72 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के खातों में जाता है जबकि 28 प्रतिशत केंद्र के पास रहता है। बैठक में जीएसटी स्लैब में बदलाव एवं उसे तर्कसंगत बनाने पर भी चर्चा की जाएगी।

दरअसल, हेल्थ इंश्योरेंस पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को लेकर कुछ दिनों पहले तब राजनीतिक गर्मी बढ़ गई थी जब कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने इसके बहाने केंद्र पर लोगों के स्वास्थ्य से भी पैसा कमाने की बात कही थी। विपक्ष को इसलिए और भी अवसर मिल गया गया था, क्योंकि केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस संबंध में वित्त मंत्री को संसद सत्र के दौरान पत्र लिखा था। बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्तमंत्री ने इस मुद्दे पर राज्य सरकारों को ही कठघरे में खड़ा किया था। उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों से कहा था कि इस मुद्दे को वे अपने राज्य के वित्त मंत्रियों के समक्ष क्यों नहीं उठाते हैं। जीएसटी काउंसिल की बैठक में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं। सीतारमण ने कहा था कि राज्यों के वित्त मंत्री ऐसा इसलिए नहीं करते हैं, क्योंकि स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम से मिलने वाले राजस्व में आधी हिस्सेदारी सीधे तौर पर राज्यों को मिलती है और केंद्र को मिलने वाली 50 प्रतिशत राशि में से भी 41 प्रतिशत राशि सभी राज्यों में वितरित हो जाती है।

24,529 करोड़ रुपए मिले पिछले तीन वर्ष में जीवन-स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी से

8,262.94 करोड़ रुपये मिले स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी से 2023-24 में

1,484 करोड़ रुपये का राजस्व मिला जीवन बीमा प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी से 2023-24 में

सरकारी बीमा योजनाओं पर नहीं लगता है जीएसटी

काउंसिल की बैठक में इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी को खत्म या इसमें कमी की जाती है तो इससे इंश्योरेंस खरीदार को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार की तरफ चलाई जा रही इंश्योरेंस स्कीम पर जीएसटी नहीं लगता है।

स्लैब में बदलाव पर विचार काफी समय से लंबित

जून में आयोजित जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक के बाद वित्त मंत्री ने बताया था कि आगामी बैठक में जीएसटी की विभिन्न दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए विचार-विमर्श किया जाएगा। इस संबंध में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में फिटमेंट कमेटी बना दी गई है और कमेटी की रिपोर्ट या पहले की फिटमेंट कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी की दरों में बदलाव पर फैसला होगा। बैठक में जीएसटी दरों के स्लैब में भी विचार किया जा सकता है। स्लैब में बदलाव पर विचार भी काफी समय से लंबित है।

स्पैम काल करने पर गैर पंजीकृत संस्थाओं के काटे जाएंगे कनेक्शन

- ट्राई ने ऐसी कंपनियों को दो साल तक काली सूची में डालने को कहा
- दूरसंचार कंपनियों से ऐसी कार्रवाई की पाक्षिक सूचना मांगी

नई दिल्ली, प्रेट्र: ट्राई ने टेलीकाम कंपनियों से अवांछित (स्पैम) काल करने वाली गैर पंजीकृत संस्थाओं के सभी दूरसंचार संसाधनों का कनेक्शन काटने का निर्देश दिया है। साथ ही ऐसी कंपनियों को दो साल तक के लिए काली सूची में डालने को कहा है। इस दौरान किसी भी दूरसंचार कंपनी की तरफ से उन्हें नए कनेक्शन आवंटित नहीं किए जाएंगे। नियामक ने दूरसंचार कंपनियों को इस निर्देश का तत्काल पालन करने और इस संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में पाक्षिक आधार पर नियमित ब्योरा देने को भी कहा है। ट्राई ने कहा कि इस 'निर्णायक कार्रवाई' से बिना पंजीकरण वाली टेलीमार्केटिंग कंपनियों की तरफ से उपभोक्ताओं को की जाने वाली अवांछित काल में कमी आने और ग्राहकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

दूरसंचार नियामक ट्राई ने थोक कनेक्शन और दूसरे दूरसंचार साधनों का इस्तेमाल करने वाले सभी गैर-पंजीकृत टेलीमार्केटिंग (यूटीएम) कंपनियों से प्रचार के लिए की जाने वाली काल पर रोक लगाना सभी दूरसंचार कंपनियों के लिए अनिवार्य कर दिया है, चाहे ये संदेश पहले से रिकार्ड हों या कंप्यूटर-जनित हों। ट्राई ने सभी दूरसंचार कंपनियों को अपनी नवीनतम निर्देश का अनुपालन करने और हर महीने की पहली और 16 तारीख को इस संबंध में की गई कार्रवाई पर नियमित अपडेट देने का भी निर्देश दिया है। नियामक ने स्पैम काल पर लगाम लगाने की मंशा से पिछले हफ्ते सभी दूरसंचार कंपनियों के नियामकीय प्रमुखों के साथ बैठक की थी। इसमें एयरटेल, बीएसएनएल, रिलायंस जियो, टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड, क्वाड्रेंट टेलीवेंचर्स लिमिटेड और वी-कान मोबाइल एंड इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों ने शिरकत की थी।

दूसरी तिमाही में 3.2 प्रतिशत बढ़ा भारतीय स्मार्टफोन बाजार

- अप्रैल-जून के दौरान 3.9 करोड़ स्मार्टफोन की थोक बिक्री हुई
- 16.5% बाजार हिस्सेदारी के साथ चीनी कंपनी वीवो शीर्ष पर

नई दिल्ली, प्रेट्र: कैलेंडर वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही यानी अप्रैल-जून के दौरान भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 3.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। इस दौरान भारतीय बाजार में स्मार्टफोन की थोक बिक्री 3.9 करोड़ इकाई रही है। इंटरनेशनल डाटा कारपोरेशन (आइडीसी) के अनुसार, इस दौरान 16.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ चीनी स्मार्टफोन कंपनी वीवो शीर्ष पर रही है। वीवो की थोक बिक्री में वार्षिक आधार पर 6.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न लांचिंग के साथ वीवो लगातार दूसरी तिमाही में शीर्ष पर बने रहने में कामयाब रही है। 13.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शाओमी दूसरी स्थान पर रही है। 12.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सैमसंग तीसरे स्थान पर चली गई है। पिछले वर्ष समान अवधि में सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी 15.4 प्रतिशत थी। 6.7 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ एपल छठे स्थान पर रही है। एपल की थोक बिक्री में वार्षिक आधार पर 24.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। सुपर प्रीमियम यानी 67 हजार रुपये से ज्यादा मूल्य के स्मार्टफोन की श्रेणी में 83 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ एपल शीर्ष पर रही है। सैमसंग 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही है। प्रीमियम सेगमेंट यानी 50 हजार से 67 हजार रुपये मूल्य की श्रेणी में एपल की हिस्सेदारी वार्षिक आधार पर बढ़कर 61 प्रतिशत हो गई है। वहीं, सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है।

एथनाल की कीमतों में वृद्धि कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार नवंबर 2024 से शुरू होने वाले सत्र के लिए एथनाल की कीमतों में वृद्धि के प्रस्ताव पर विचार कर रही है क्योंकि उसका लक्ष्य 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रस्ताव पर पहले ही एक दौर की चर्चा पूरी कर ली है। उन्होंने कहा कि एथनाल की कीमतों में संशोधन गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य पर आधारित होगा।

एक सूत्र ने कहा कि उत्पादन को प्रोत्साहित करने और मिश्रण के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मूल्य संशोधन पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जा रहा है। पिछले सप्ताह सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जैव ईंधन निर्माण के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान करते हुए कहा था कि भारत 2030 की मूल समयसीमा से पहले ही 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा।

बैंकिंग में बिकवाली से 700 अंक टूटा सेंसेक्स

मुंबई, प्रेट्र: बैंकिंग शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की ताजा निकासी के चलते घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 692.89 अंक गिरकर 79 हजार से नीचे गिरकर 78,956.03 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 759.54 अंक तक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 208 अंक की गिरावट के साथ 24,139 के स्तर पर बंद हुआ।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि मिश्रित वैश्विक संकेतों के कारण घरेलू बाजार गिरावट के साथ बंद हुए हैं। हाल के औद्योगिक उत्पादन डाटा ने मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में सुस्त वृद्धि का संकेत दिया है। इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में 4.52 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। अब बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का पूंजीकरण 445.30 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

79 हजार से नीचे गिरकर 78,956 पर बंद हुआ बीएसई सूचकांक

4.52 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई निवेशकों की संपत्ति में

अदाणी की सात कंपनियों के शेयर गिरकर बंद हुए

मंगलवार को अदाणी समूह की सूचीबद्ध 10 में से सात कंपनियों के शेयर 2.37 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ बंद हुए। जिन कंपनियों के शेयर गिरकर बंद हुए उनमें अदाणी विल्मर, अदाणी एंटरप्राइजेज, अंबुजा सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एसीसी, अदाणी पावर और एनडीटीवी शामिल हैं। दूसरी ओर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी साल्यूशंस के शेयर 1.94 प्रतिशत तक की तेजी के साथ बंद हुए।

एमएससीआइ इंडिया सूचकांक में शामिल होगी वोडाफोन

नई दिल्ली, प्रेट्र: उभरते बाजारों के शेयरों पर नजर रखने वाले एमएससीआइ की नवीनतम सूचकांक समीक्षा के अनुसार, वोडाफोन आइडिया तथा आयल इंडिया सहित सात कंपनियां 30 अगस्त से एमएससीआइ इंडिया सूचकांक में शामिल होंगी। इसके अलावा डिक्सन टेक्नोलाजी (इंडिया), ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज साफ्टवेयर, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स, रेल विकास निगम, वोडाफोन आइडिया और जायडस लाइफसाइंसेज सूचकांक में शामिल हुए हैं। यह बदलाव 30 अगस्त को कारोबार समाप्त होने पर होगा।

हिंडाल्को के निदेशक मंडल में कुमार मंगलम बिड़ला के पुत्र-पुत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र: आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल में चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के पुत्र आर्यमान विक्रम बिड़ला और पुत्री अनन्या बिड़ला को भी शामिल किया गया है।

निदेशक मंडल की बैठक में अनन्या और आर्यमान को निदेशक के तौर पर शामिल करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। अनन्या एक सफल व्यवसायी होने के साथ मशहूर गायिका भी हैं। उन्होंने महज 17 साल की उम्र में स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई थी, जो आज देश की दूसरी सबसे बड़ी माइक्रो फाइनेंस कंपनी है।

वहीं आर्यमान के पास उद्यमिता, उद्यम पूंजी निवेश और पेशेवर खेल जैसे विविध अनुभव हैं। वह आदित्य बिड़ला समूह के फैशन, खुदरा, रियल एस्टेट और पेंट सहित कई व्यवसायों से जुड़े हुए हैं।

राष्ट्रीय फलक

कर को शून्य तक लाना चाहती हूं: सीतारमण

नई दुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

- आइसर के 11वें दीक्षा समारोह में पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री ने डेटा विज्ञान के क्षेत्र में रिसर्च की जरूरत बताई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कई बार लोग मुझसे पूछते हैं कि देश में इतने सारे टैक्स क्यों हैं। मैं चाहती हूं कि टैक्स को शून्य तक ला सकूं, लेकिन भारत की चुनौतियां बहुत हैं और हमें चुनौतियों से पार पाना होगा। देश कहीं और से पैसे का इंतजाम नहीं कर सकता। सरकार सिर्फ बात नहीं कर रही है। वह अनुसंधान एवं विकास में पैसा लगा रही है। यह पैसा कराधान से कमाया जाता है। मेरा काम राजस्व उत्पन्न करना है, लोगों को परेशान करना नहीं है। केंद्रीय वित्त मंत्री मंगलवार को भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल के 11वें दीक्षा समारोह को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि देश को चुनौतियों से निपटने के लिए संसाधनों की जरूरत है। साथ ही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को वित्त पोषित करने की भी जरूरत है। दुनिया ने जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा के परिवर्तन के लिए बहुत सारा पैसा देने का वादा किया है, पर वह अभी तक नहीं आया है। हालांकि भारत ने इसका इंतजार नहीं किया। भारत अपनी ताकत के दम पर जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। पेरिस समझौते में दिए गए वादे हमारे अपने पैसे से पूरे किए गए।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में ज्यादा स्कोप: सीतारमण ने कहा कि समाज को आपके ज्ञान का फायदा तब मिलेगा, जब आप ज्ञान को समाज में बाटेंगे। नई तकनीक के साथ रिसर्च पर काम किया जा रहा है। वहीं डेटा विज्ञान के क्षेत्र में भी रिसर्च करने की जरूरत है। एआइ के क्षेत्र में भी स्टार्टअप तैयार किए जा रहे हैं, जिससे आने वाले समय में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश 5जी नेटवर्क पर काम कर रहा है। वहीं बीएसएनएल ने अभी 4जी नेटवर्क शुरू किया है। 4जी नेटवर्क ने काफी परेशान किया है। वहीं, भारत उन्नत रसायन के साथ काम रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में ज्यादा स्कोप है। सोलर से मिलने वाली ऊर्जा को स्टोर किया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव एवं भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी उपस्थित रहे।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल के दीक्षा समारोह को संबोधित करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। प्रवीण दीक्षित

तबादले पर अधिकारी ने फर्जी फर्में भी करा ली थीं स्थानांतरित

जासं, नई दिल्ली: जीएसटी घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की जांच में सामने आया कि आरोपित जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा तबादला होने पर फर्जी फर्मों को भी अपने क्षेत्र में स्थानांतरित करा लिया था। जिससे फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट दिखाकर रिफंड लेने का फर्जीवाड़ा चलता रहे।

गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में पता चला कि जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा का वर्ष 2021 में व्यापार एवं कर विभाग के वार्ड-छह से वार्ड-22 में तबादला हो गया था। जिस पर वार्ड-छह में जीएसटी अधिकारी की मदद से रिफंड ले रहे 50 फर्जी फर्मों के मालिकों की फाइलों भी वार्ड-22 के नए कार्यालय में स्थानांतरित करा ली गईं। एसीबी अधिकारी का कहना है कि व्यापार एवं कर विभाग में तैनात कई अन्य जीएसटी अधिकारी भी संदेह के घेरे में हैं, उनकी जांच की जा रही है। एसीबी के संयुक्त आयुक्त मधुर कुमार वर्मा ने बताया कि घोटाले में बड़ी संख्या में जीएसटी अधिकारी, अधिवक्ता और अन्य के शामिल होने का पता चला है।

पंजाब में एनएचएआइ के प्रोजेक्ट रुकने पर हाइ कोर्ट सख्त

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

- नोटिस जारी कर पूछा, भूमि का कब्जा क्यों नहीं दिलाया गया
- सीएम ने भी गडकरी को भेजा जवाब, एनएचएआइ की ढिलाई से रुका काम

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने 13,190 करोड़ की लागत वाले 391 किमी लंबे 10 राष्ट्रीय राजमार्ग प्रोजेक्ट हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद भूमि की अनुपलब्धता के कारण काम रुकने पर कड़ा रुख अपनाया है। इसके साथ ही पंजाब के मुख्य सचिव को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। मुख्य सचिव को हलफनामे में बताना होगा कि गत वर्ष अक्टूबर के आदेश का पालन करते हुए एनएचएआइ को भूमि का कब्जा क्यों नहीं दिलाया गया। उधर, पंजाब में चल रहे नेशनल हाइवे के प्रोजेक्टों को लेकर कानून व्यवस्था तथा भूमि अधिग्रहण पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सवाल उठाते हुए लिखे गए पत्र का मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी मंगलवार को जवाब भेज दिया है।

एनएचएआइ ने हाइ कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए बताया था कि भूमि न मिलने से दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस वे, लुधियाना रूपनगर से खरड़ हाईवे व लुधियाना-बठिंडा हाइवे का कार्य लंबित है। हाई कोर्ट ने गत वर्ष अक्टूबर में आदेश दिया था कि यह सुनिश्चित किया जाए कि दो महीने के भीतर बाधा मुक्त कब्जा एनएचएआइ को दिलाया जाए। अब हाई कोर्ट में एनएचएआइ ने बताया कि आदेश के बावजूद भूमि का कब्जा नहीं दिलाया जा रहा है। इन प्रोजेक्ट्स के लिए 80 प्रतिशत भूमि प्राप्त नहीं हुई है।।

गडकरी के पत्र का दिया जवाब : गडकरी के पिछले दिनों लिखे पत्र का उत्तर भेजकर मुख्यमंत्री मान ने इन बिंदुओं को उजागर किया है। राज्य सरकार ने एनएचएआइ को किसानों की बड़ी मात्रा में भूमि का कब्जा दिलवा दिया है, परंतु एनएचएआइ व उसके ठेकेदारों द्वारा उस भूमि पर मशीनें पहुंचाकर काम शुरू नहीं किया गया, जिससे काम रुका है।

बिहार के सभी 32 टोल प्लाजा पर लगाया गया ई-डिटेक्शन सिस्टम

राब्यू, जागरण • पटना: बिहार के सभी टोल प्लाजा पर अब ई-डिटेक्शन सिस्टम के माध्यम से आटोमैटिक ई-चालान कटने लगा है। अगर वाहन का भी बीमा, प्रदूषण और फिटनेस फेल है, तो टोल प्लाजा से गुजरते ही स्वतः ई-चालान कट जाएगा। परिवहन विभाग के अनुसार, सिर्फ दो दिनों में ही करीब पांच हजार वाहनों का ई-चालान काटा गया है। इनमें राज्य के बाहर के वाहन भी शामिल हैं। वर्तमान में राज्य के सभी 32 टोल प्लाजा को ई- डिटेक्शन प्रणाली से जोड़ा गया है। यह चालान एक दिन में किसी टोल प्लाजा पर एक ही बार काटा जाएगा। इसकी सूचना संबंधित वाहन मालिक के मोबाइल नंबर पर भेजी जा रही है। राज्य के परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि राज्य में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में सर्वाधिक मौत राष्ट्रीय राजमार्ग पर हो रही है। इसपर नियंत्रण के लिए जरूरी है कि वाहन का फिटनेस, परमिट, बीमा, मोटर वाहन कर आदि का अनुपालन शत प्रतिशत सख्ती से लागू किया जाए।

आइएलएंडएफएस को पांच साल में हुआ था 9,414 करोड़ रुपये घाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: कर्ज में डूबी ढांचागत वित्त कंपनी आइएलएंडएफएस को वित्त वर्ष 2013-14 से लेकर 2017-18 तक लगातार पांच वर्षों में कुल 9,414 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इन पांच वर्षों में कंपनी की कुल आय घटकर 5,786 करोड़ रह गई, जबकि पहले यह 8,562 करोड़ बताई गई थी। यह जानकारी कंपनी के संशोधित बही-खाते से मिली है।

आइएलएंडएफएस के नए निदेशक मंडल ने एनसीएलटी के निर्देशों के अनुरूप पुराने खातों को दोबारा खोलने व तैयार करने का काम पूरा कर लिया है। इस साल जून में एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने बोर्ड को दो अन्य सब्सिडियरी कंपनियों (आइएलएंडएफएस ट्रांसपोर्टेशन व आइएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज) के साथ संशोधित बही-खाते की दिशा में आगे मंजूरी दी थी।

भारत में बिकने वाले नमक और चीनी के सभी ब्रांडों में माइक्रोप्लास्टिक

- पर्यावरण अनुसंधान संगठन टाक्सिक्स लिंक ने किया दावा
- नमक, चीनी के सभी नमूनों में मिले माइक्रोप्लास्टिक

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत में बिकने वाले नमक और चीनी के सभी ब्रांडों में खतरनाक माइक्रोप्लास्टिक मिले हैं। मंगलवार को प्रकाशित अध्ययन में यह दावा किया गया है। पर्यावरण अनुसंधान संगठन टाक्सिक्स लिंक द्वारा किए गए "नमक और चीनी में माइक्रोप्लास्टिक" शीर्षक वाले अध्ययन में 10 प्रकार के नमक - जिसमें सेंधा नमक, समुद्री नमक और स्थानीय कच्चा नमक शामिल थे। अध्ययन में आनलाइन तथा स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी का भी परीक्षण किया गया।

अध्ययन में नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी का पता चला, जो फाइबर, छर्रे, टुकड़ों सहित विभिन्न रूपों में मौजूद थे। इन माइक्रोप्लास्टिक का आकार 0.1 मिमी से लेकर 5 मिमी तक था। आयोडीन युक्त नमक में बहुरंगी पतले रेशों और फिल्मों के रूप में अध्यधिक माइक्रोप्लास्टिक पाए गए।

'टाक्सिक्स लिंक' के एसोसिएट निदेशक सतीश सिन्हा ने कहा, हमारे अध्ययन में नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की अच्छी खासी मात्रा का पाया जाना चिंताजनक है। मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में तत्काल और व्यापक अनुसंधान की जरूरत है।

माइक्रोप्लास्टिक स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये छोटे प्लास्टिक कण भोजन, पानी और हवा के माध्यम से इंसानों शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। हालिया शोध में मानव अंगों जैसे फेफड़े, दिल, यहां तक मां के दूध और अजन्मे शिशुओं में भी माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं।

प्रतीकात्मक

अदाणी समूह के खिलाफ जांच जल्द पूरा कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, प्रेट्र: अदाणी समूह की तरफ से शेयर मूल्य में हेरफेर के आरोपों से संबंधित दो लंबित मामलों में जांच को जल्द पूरा करने के लिए सेबी को निर्देश देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अदाणी मनी साइफनिंग घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट आफशोर फंड में उनकी और उनके पति की हिस्सेदारी थी, जिससे आम जनता व निवेशकों के मन में संदेह का माहौल पैदा हो गया है।

विशाल तिवारी 2023 में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ताओं में से एक थे और उन्होंने अदाणी समूह की तरफ से शेयर मूल्य में हेरफेर के आरोपों की जांच की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार की रामदेव की माफी, अवमानना का केस बंद

नई दिल्ली, प्रेट्र : भ्रामक विज्ञापन मामले में माफी स्वीकार करने बाद सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु बाबा रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के विरुद्ध अवमानना कार्यवाही बंद कर दी।

बाबा रामदेव, बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के वकील गौतम तालुकदार ने बताया, 'उनके मुवक्किलों द्वारा दिए गए शपथपत्र के आधार पर अदालत ने अवमानना कार्यवाही बंद कर दी है।' 14 मई को शीर्ष अदालत ने अवमानना नोटिस पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें कोविड टीकाकरण अभियान एवं आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के विरुद्ध दुष्प्रचार का आरोप लगाया गया है।

बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के विरुद्ध भी मामला खत्म

शीर्ष अदालत ने 21 नवंबर, 2023 के आदेश में उल्लेख किया था कि पतंजलि आयुर्वेद के वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि इसके बाद कानून का उल्लंघन नहीं होगा, विशेष रूप से उसके द्वारा निर्मित और विपणन किए जाने वाले उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के मामले में। औषधीय प्रभाव का दावा करने वाले या किसी भी चिकित्सा प्रणाली के विरुद्ध अनौपचारिक बयान किसी भी रूप में मीडिया को जारी नहीं किया जाएगा।"

****

300 से अधिक लोग मारे गए हैं बांग्लादेश में हिंसा। देश में कई हफ्तों तक विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत आ गई हैं।

शेख हसीना के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज

हिंसक झड़पों में एक दुकान मालिक की मौत पर पुलिस की कार्रवाई

दो पूर्व कैबिनेट मंत्रियों समेत छह अन्य लोगों के विरुद्ध भी दर्ज किया गया मामला

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और छह अन्य लोगों को हत्या के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। छह अन्य लोगों में हसीना की कैबिनेट के दो मंत्री और बर्खास्त पुलिस प्रमुख शामिल हैं।

पांच अगस्त को बांग्लादेश छोड़कर भारत आने के बाद हसीना के विरुद्ध यह पहला मामला दर्ज किया गया है। यह मामला पिछले महीने हुए हिंसक संघर्षों के दौरान एक किराना दुकान मालिक की हत्या को लेकर दर्ज किया गया है। अदालत के एक अधिकारी ने बताया, '(ढाका के) मोहम्मदपुर इलाके के एक निवासी द्वारा दायर मामले के सिलसिले में कोर्ट ने पुलिस को इसे एफआइआर के रूप में दर्ज करने का निर्देश दिया।' एफआइआर में नामित छह अन्य लोग हैं- अवामी लीग के महासचिव एवं पूर्व सड़क परिवहन मंत्री ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और बर्खास्त पुलिस महानिरीक्षक (आइजीपी) अब्दुल्ला अल मामून, ढाका के पुलिस आयुक्त हबीबुर रहमान, एडिशनल आइजीपी हारुन-उर-रशीद और अतिरिक्त संयुक्त आयुक्त बिप्लब कुमार। ऐसा माना जाता है कि हसीना के भारत आने से कुछ घंटे पहले दोनों मंत्री गुप्त रूप से देश छोड़कर चले गए थे, जबकि पुलिस अधिकारियों का ठिकाना मीडिया के लिए अज्ञात है। इस बीच, हसीना व छह अन्य के विरुद्ध केस दर्ज कराने वाले व्यक्ति हामिर हमजा शातिल को फोन पर मौत की धमकी मिली है।

शेख हसीना पर मुकदमा चलाने की मांग को लेकर मंगलवार को ढाका में प्रदर्शन करते छात्र। एपी

हसीना के करीबी अधिकारियों के इस्तीफे वैध : यूनुस

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी अधिकारियों के इस्तीफे वैध हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कई शीर्ष अधिकारियों को पद छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद पिछले कुछ दिनों में देश के प्रधान न्यायाधीश, पांच न्यायाधीश और सेंट्रल बैंक के गवर्नर इस्तीफा दे चुके हैं। यूनुस ने रविवार रात कहा कि सारे कदम कानूनी तौर पर उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बहाल करना अंतरिम सरकार की प्राथमिकता है।

बांग्लादेश की बगावत में अमेरिकी भूमिका नहीं : व्हाइट हाउस

- प्रेस सचिव ने कहा-खुद बांग्लादेशी सरकार का भविष्य तय करे जनता
- इस बारे में मीडिया रिपोर्ट व अफवाहें झूठीं, हालात पर नजर रखना जारी

वाशिंगटन, आइएएनएस : अमेरिका ने पहली बार बांग्लादेश की बगावत में अपनी सरकार का हाथ होने से साफ इन्कार किया है। दक्षिण एशियाई देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों और सैकड़ों लोगों की मौत से अमेरिकी सरकार की संलिप्तता की कोई भी रिपोर्ट या अफवाह पूरी तरह झूठी हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। व्हाइट हाउस ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेशी लोगों को खुद ही बांग्लादेशी सरकार का भविष्य तय करना चाहिए।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कराइन जीन-पियरे ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में दखल से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़कर भागने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। अपना भविष्य चुनने के लिए अपनी मर्जी से अपने नेताओं का चुनाव करना बांग्लादेश की जनता का अधिकार और विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस के बाहर बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन पर कहा कि अमेरिका वहां के हालात पर अपनी नजर बनाए रखना जारी रखेगा। इससे परे मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। जीन-पियरे ने कहा कि जब यहां मानवाधिकार का कोई भी मामला आता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति जनता में अपना जोरदार और स्पष्ट संदेश देते हैं। लेकिन इस मामले में उनकी तरफ से कुछ भी कहना अभी निर्धारित नहीं है।

उन्होंने हसीना के हवाले से कुछ मीडिया रिपोर्टों का खंडन करते हुए यह जवाब दिया जिसमें दावा किया गया था कि शेख हसीना सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता से समझौता करने और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर अपना प्रभुत्व जमाने देने पर सत्ता में बनी रह सकती थीं।

वहीं शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने भी एक्स पर पोस्ट में कहा कि उनकी मां ने कभी ऐसा कोई बयान नहीं दिया। एक अखबार में छपा उनकी मां के इस्तीफे से जुड़ा बयान सरासर झूठ है। उन्होंने ढाका में रहते हुए या छोड़ने के बाद ऐसा कोई बयान नहीं दिया।

भारत खुद करे शेख हसीना पर फैसला : अमीर

साक्षात्कार

बांग्लादेश में पांच अगस्त के घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का राजनीतिक वनवास खत्म हो चुका है। मुहम्मद यूनुस की अगुआई में गठित अंतरिम सरकार में शामिल किए गए कई सलाहकार बीएनपी से परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। ऐसे में पार्टी की आगे की रणनीति, बांग्लादेश-भारत के रिश्तों व पूर्व पीएम शेख हसीना को लेकर पार्टी के विचार जानने के लिए विशेष संवाददाता **जयप्रकाश रंजन** ने बीएनपी नेता, बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया के पूर्व सलाहकार और पूर्व वाणिज्य व उद्योग मंत्री **अमीर खासरू महमूद चौधरी** से लंबी बात की। ढाका स्थित निवास स्थान से टेलीफोन पर मंगलवार सुबह की गई इस बातचीत में चौधरी पिछले 15 वर्षों के दौरान भारत सरकार की तरफ से हसीना व उनकी पार्टी अवामी लीग को दिए गए समर्थन को लेकर नाराज दिखे, लेकिन स्पष्ट किया कि दोनों देशों के भावी रिश्तों पर इसका असर नहीं होगा। बातचीत के मुख्य अंश :

● अभी बांग्लादेश की आंतरिक स्थिति कैसी है?

- हालात सुधर रहे हैं। ढाका व इसके आसपास के इलाकों में स्थिति पूरी तरह से सामान्य हैं। दूसरे इलाकों में भी हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। सरकार की सारी एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। खासतौर पर न्यायपालिका और पुलिस विभाग में कर्मचारियों, अधिकारियों के लौटने से काम सुचारू होने लगा है। लेकिन आपको यह भी याद रखना होगा कि यह बहुत बड़ा आंदोलन था। इसकी व्यापकता का पता बाहर से नहीं लगाया जा सकता। सत्ता में काबिज किसी तानाशाह को हटाना आसान नहीं होता। मिस्र, इराक जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं जब महीनों तक इन देशों की स्थिति खराब रही थीं।

● अंतरिम सरकार की प्राथमिकता क्या होगी? आपकी पार्टी क्या सुझाव दे रही है?

- हालात को सामान्य करना, देश के सभी संस्थानों को सुचारू तौर पर चलाना ही प्राथमिकता है। लेकिन अपने कार्यकाल के 15 वर्षों में पीएम हसीना ने जिस तरह से पुलिस प्रशासन, न्यायपालिका, वित्तीय व्यवस्था, बैंकिंग व्यवस्था आदि को बर्बाद किया है, उसे रास्ते पर लाना आसान नहीं है। लोकतंत्र के लिए जरूरी सारे संस्थान अंदर से जर्जर हो चुके हैं। न सिर्फ केंद्रीय संस्थान बल्कि राज्यों के अधीन काम करने वाले संस्थानों की भी यही स्थिति है। हर जगह अवामी लीग के गैर-प्रोफेशनल लोगों की नियुक्तियां की गई हैं। इनको सुधारने का काम शुरू किया गया है।

● ऐसे में भारत को आप क्या संदेश देना चाहेंगे जिसके ताल्लुक पूर्व पीएम हसीना के साथ बहुत ही करीबी थे?

- मैं आज से नहीं बल्कि काफी अरसे से भारत से कह रहा हूं कि वह बांग्लादेश को लेकर अपनी नीति बनाए, शेख हसीना या उनकी पार्टी को लेकर नहीं। मैं बीएनपी का ऐसा सदस्य हूं जो लगातार भारत की यात्रा करता रहा हूं और हर बार मैंने वहां के लोगों को यही सुझाव दिया है। भारत और बांग्लादेश का रिश्ता एक-दो राजनीतिक दलों पर नहीं टिका होना चाहिए बल्कि यह व्यापक हितों में दोनों देशों की जनता व समूचे दक्षिण एशिया के संदर्भ में होना चाहिए। भारत ने हसीना पर दांव लगाकर एक 'एयर बबल' बना दिया था, अब यह फूट चुका है। हमें उम्मीद है कि भारत अब बांग्लादेश को एक साथ लेकर आगे चलेगा। भारत इस क्षेत्र का सबसे बड़ा देश है, उसका दायित्व ज्यादा बड़ा है।

● हसीना भारत में ही हैं, क्या इससे भारत-बांग्लादेश के रिश्तों पर असर हो सकता है?

- शेख हसीना कहां रहती हैं या नहीं रहती हैं, यह फैसला भारत को करना है। बांग्लादेश की मौजूदा या भावी सरकार पर इसका असर नहीं होगा। जहां तक आम बांग्लादेशी का सवाल है तो वह साफ तौर पर मानता है कि हसीना ने उनके देश को धोखा दिया है और उसे आज इस स्थिति में पहुंचा दिया है। अगस्त में कुछ सौ छात्र मारे गए लेकिन इसके पहले हजारों की हत्याएं हसीना के कार्यकाल में हुई हैं।

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की जांच करे यूएनएचआरसी'

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था प्रज्ञा प्रवाह ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की जांच करने की अपील की है।

प्रज्ञा प्रवाह ने यूएनएचआरसी से आग्रह किया कि वह बांग्लादेश में जमीनी स्थिति का आकलन करने, पीड़ितों से बातचीत करने तथा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ मानवाधिकार उल्लंघन का दस्तावेजीकरण करने के लिए तत्काल एक टीम भेजे। प्रज्ञा प्रवाह ने जनता का समर्थन मांगते हुए अपनी अपील के मसौदे के साथ सार्वजनिक आनलाइन लिंक जारी किया है।

प्रज्ञा प्रवाह ने बांग्लादेशी अधिकारियों से हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों के जीवन, संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने का भी आग्रह किया है। यह भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए।

मुस्लिम व हिंदू सांप्रदायिक सद्भाव मजबूत करने पर सहमत

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रोफेसर यूनुस के साथ विधि सलाहकार आसिफ नजरुल और धार्मिक मामलों के सलाहकार एएफएम खालिद हुसैन भी थे। इस मौके पर हिंदू संगठनों के कई अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे। यह बैठक प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद हिंदुओं पर हमले, उनकी संपत्तियों की तोड़फोड़ तथा कई हिंदू मंदिरों को नष्ट किए जाने के बाद हुई है।

यूनुस के दौरे के बाद मंदिर में मुस्लिम और हिंदू समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें दोनों समुदायों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई।

हिंदुओं से मुलाकात के बाद की सलाहकारों के साथ बैठक : मुहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय से मुलाकात के बाद अपने आवास जमुना स्टेट गेस्ट हाउस में एक बैठक की जिसमें अंतरिम सरकार के सभी सलाहकार शामिल हुए। इसे अंतरिम सरकार की कैबिनेट बैठक कहा जा रहा है। इसमें चर्चा हिंदुओं पर हमलों समेत हालिया हिंसा, बांग्लादेश के भविष्य एवं देश में शांति बहाली पर केंद्रित रही। इससे पहले अंतरिम सरकार ने सोमवार को एक हेल्पलाइन स्थापित की जिस पर लोगों से हिंदू मंदिरों, चर्चों एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर हमलों की जानकारी देने को कहा गया है। इस बीच, बांग्लादेश जातीय हिंदू महाजोत (बीजेएचएम) ने गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम.सखावत हुसैन को सात मांगें सौंपी हैं। महाजोत का कहना है कि हसीना सरकार अपदस्थ होने के बाद से 48 जिलों में 278 स्थानों पर हिंदुओं पर हमले की घटनाएं हुई हैं। वहीं, बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद के अनुसार, हसीना सरकार के पतन के बाद से 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर हमलों की कम से कम 205 घटनाएं हुई हैं।

ढाका में मंगलवार को ढाकेश्वरी मंदिर में हिंदू समुदाय के सदस्यों के साथ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस। प्रेट्र

अंतरिम सरकार को सौंपी सात मांगें

- हिंदू समुदाय पर हुए सबसे बुरे सांप्रदायिक हमलों की पूर्ण न्यायिक जांच हो।
- अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम और आयोग का गठन किया जाए।
- सार्वजनिक खर्च पर हिंदू समुदाय के क्षतिग्रस्त मंदिरों और घरों का जीर्णोद्धार व मरम्मत हो।
- दोषियों को सजा दिलाने के लिए त्वरित सुनवाई हो और पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो।
- वर्ष 2000 से अब तक देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर विस्तृत रिपोर्ट बने।
- आगामी दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान तीन दिन की छुट्टी हो।
- अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की स्थापना हो।

न्यूज गैलरी

पाक में राष्ट्रीय ध्वज बेचने वाले स्टोर पर हमला, एक की मौत

क्वेटा: बलूचिस्तान प्रांत में मोटरसाइकिल सवार आतंकियों ने राष्ट्रीय ध्वज बेचने वाले स्टोर पर बम फेंक दिया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह घटना पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने से पहले हुई है। हमले से एक दिन पहले आजादी समर्थक समूह ने दुकानदारों से पाकिस्तान का राष्ट्रीय ध्वज नहीं बेचने को कहा था। (प्रेट्र)

पाकिस्तान, अफगान तालिबान के बीच गोलीबारी, तीन मरे

इस्लामाबाद: अफगानिस्तान के साथ लगती तोर्खम सीमा चौकी पर पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार को गोलीबारी हुई। गोलीबारी में अफगानिस्तान की तरफ एक महिला और दो बच्चों की मौत हो गई। पाकिस्तान की ओर किसी के हताहत की कोई सूचना नहीं मिली है। तोर्खम सीमा चौकी बंद होने से दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही और व्यापार प्रभावित है। (एपी)

'बिना सुधार वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सुरक्षा परिषद अक्षम'

- भारत ने जी-4 देशों की ओर से फिर उठाया परिषद में विस्तार का मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : भारत ने जी-4 देशों की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का मुद्दा फिर उठाया है। कहा, सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों की संख्या में विस्तार व उचित प्रतिनिधित्व दिए बिना मौजूदा असंतुलन बढ़ेगा और मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में इसे अक्षम बनाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भी कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि और प्रभारी आर रवींद्र ने सोमवार को कहा, "हाल के वैश्विक घटनाक्रमों ने दर्शाया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा का संरक्षण करने की अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी निभाने में अक्षम है।" वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक उच्चस्तरीय परिचर्चा में जी-4 देशों-ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से बयान दे रहे थे। रवींद्र ने कहा कि 1945 में परिषद की स्थापना के समय जो वास्तविकताएं थीं, उनकी जगह मौजूदा भूराजनीतिक वास्तविकताओं ने ले ली है और हर स्तर पर बदलाव की आवश्यकता महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि जी-4 देशों के लिए यूएनएससी के सही से काम नहीं करने की प्राथमिक वजह अफ्रीका, लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों को प्रतिनिधित्व नहीं देना और स्थायी श्रेणी में एशिया प्रशांत क्षेत्र को उचित प्रतिनिधित्व नहीं देना हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि एवं प्रभारी आर रवींद्र। एएनआइ

पाकिस्तान में दो मुस्लिम महिलाओं के विरुद्ध ईश निंदा का मामला

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कुरान के पन्ने जलाने को लेकर दो मुस्लिम महिलाओं के विरुद्ध ईश निंदा के आरोप में मामला पंजीकृत किया गया है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि कसूर जिले के राई कलां गांव के इमाम काशिफ अली की शिकायत पर एक निजी स्कूल की प्रिंसिपल शहनाज खान और उसकी रसोइया शजिया करामात के विरुद्ध पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-बी के तहत मामला पंजीकृत किया गया। पिछले सप्ताह दो ईसाई बहनों के विरुद्ध ईश निंदा का मामला पंजीकृत किया गया था।

इमाम कासिफ ने मस्जिद से घोषणा की कि दोनों महिलाओं ने शनिवार को कुरान के पन्ने जलाए। पुलिस अधिकारी खालिद सलीम ने बताया कि इसके बाद दोनों महिलाओं से पूछताछ की गई। उनके परिवार डरकर गांव छोड़कर भाग गए। घर और स्कूल तक उग्र भीड़ के पहुंचने से पहले ही शहनाज खान भूमिगत हो गई। अवांछित घटना रोकने के लिए भारी पुलिस दस्ता भेजा गया है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा-कमला निर्वाचित हुईं तो देश को तबाह कर देंगी

- डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क को दिया दो घंटे लंबा इंटरव्यू
- रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार ट्रंप ने कहा-हैरिस की नीतियों से अमेरिका में अवैध लोगों का आना पक्का होगा

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से दो घंटे लंबी बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और उसकी चुनौतियों पर बेबाक राय रखी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैट उम्मीदवार को कट्टर वामपंथी करार दिया। उन्होंने कहा कि अगर वह चुनी गईं तो अमेरिका को तबाह कर देंगीं।

डोनाल्ड ट्रंप का इंटरव्यू अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को मंगलवार को ही लेना था जो साइबर अटैक के कारण निर्धारित समय से देर से शुरू हुआ लेकिन दो घंटे चला। दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए कमला हैरिस को टक्कर दे रहे 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा कि उनकी राय यही है कि उनकी नीतियों से अमेरिका में और भी अवैध लोगों का आना पक्का हो जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी हमारे पास कोई राष्ट्रपति है ही नहीं और कमला हैरिस उससे भी बदतर हैं। वह सैन फ्रांसिस्को की उदारवादी हैं जिन्होंने उस शहर, कैलीफोर्निया को बर्बाद किया और अब अगर चुनी गईं तो हमारे देश को भी तबाह कर देंगीं। ट्रंप ने दावा किया कि अगर कमला राष्ट्रपति बनीं तो वह पूरी दुनिया से 5-6 करोड़ अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेंगीं। कमला जितने अवैध लोगों को अमेरिका में ले चुकी हैं, वह तादाद हमारी सोच से बड़ी है। बहुत से देश अपनी जेलों को खाली करके अपने अपराधी अमेरिका भेज रहे हैं। यह हमारे घरों तक अपराध और हिंसा ला रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि चुनावी रैली में अवैध आव्रजकों के बोर्ड के कारण ही वह उन पर हुए जानलेवा हमले में बच पाए। वैसे उन्होंने उस चार्ट को कभी भी 20 प्रतिशत से ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया लेकिन उस दिन उसी के पीछे छिपकर उन्होंने खुद को गोलीबारी से बचाया। अगर उन्होंने भाषण देते हुए गर्दन नहीं घुमाई होती तो हमलावर के तालमेल में कमी नहीं होती और उनकी जान नहीं बचती। यह जो हुआ है वह चमत्कार है। ट्रंप ने कहा कि वह राष्ट्रपति बनकर अमेरिका को और सुरक्षित बनाएंगे।

फ्लोरिडा में इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इंटरव्यू के दौरान डोनाल्ड ट्रंप। रायटर

इजरायल को 'सजा' न देने का अनुरोध ईरान ने ठुकराया

- ईरान ने कहा, पश्चिमी देशों की उदासीनता के कारण इजरायल फलस्तीन पर लगातार हमला कर रहा
- इजरायल पर कार्रवाई न करने पर संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आलोचना की

तेहरान, एएनआइ: ईरान ने चुनिंदा यूरोपीय देशों द्वारा इजरायल के खिलाफ दंडात्मक कदम (सजा) न उठाने के अनुरोध को ठुकरा दिया है। कुछ पश्चिमी देशों ने ईरान से इजरायल के खिलाफ सैन्य हमले की चल रही धमकियों को रोकने के लिए कहा और ऐसा हमला होने पर गंभीर परिणाम भुगतने का संकेत दिया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने पलटवार करते हुए कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहे संकट से निपटने के लिए पश्चिमी देशों द्वारा कोई व्यावहारिक और प्रभावी उपाय नहीं उठाए गए हैं।

12 अगस्त को फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के नेताओं ने ईरान से इजरायल के खिलाफ सैन्य हमले की चल रही धमकियों को रोकने का आह्वान किया और इस तरह के हमले होने पर क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर परिणामों पर चर्चा की थी। पश्चिमी देशों के नेताओं के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिमी देशों की उदासीनता के कारण इजरायल रक्षाहीन फलस्तीन के खिलाफ नरसंहार और युद्ध अपराध सहित सभी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय अपराध कर रहा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कनानी ने गाजा पट्टी में बिगड़ती मानवीय स्थिति और दस महीने से अधिक समय तक इजरायल के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आलोचना की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि फलस्तीन के खिलाफ इजरायल के अमानवीय अपराध और विदेशों में उसकी हत्याएं हर दिन बढ़ रही हैं।

गाजा युद्धविराम समझौता विफल हुआ तो इजरायल पर हमला कर सकता है ईरान

- हमास प्रमख की तेहरान में हुई हत्या का बदला लेने को बेकरार ईरान
- 15 अगस्त को दोहा में युद्धविराम समझौते की तैयारियों में जुटे मध्यस्थ

दुबई, रायटर: पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इस बीच, ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि केवल गाजा में युद्धविराम समझौता ही इजरायल पर ईरान के हमले में देरी कर सकता है। गुरुवार को गाजा युद्धविराम समझौते को लेकर तैयारियां चल रही हैं। हमास का कहना है कि वह गाजा युद्धविराम समझौते पर पहले से तैयार प्रस्ताव का क्रियान्वयन चाहता है न कि नए सिरे से वार्ता की शुरुआत। दूसरी ओर, इजरायली सुरक्षा बलों के हमले में मंगलवार को वेस्ट बैंक में 18 वर्षीय फलस्तीनी की मौत हो गई है।

हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की तेहरान में हुई हत्या का बदला लेने के लिए ईरान तिलमिला रहा है। इजरायल भी संभावित हमले को लेकर चौकन्ना है और अमेरिका उसे ईरान से सुरक्षा का भरोसा दे रहा है। ईरान ने तेहरान में हानिया की हत्या के बाद इजरायल से बदला लेने का संकल्प लिया है। हालांकि, तेहरान में हानिया की हत्या में संलिप्तता से इजरायल ने न तो इन्कार किया है और न ही स्वीकार किया है। इजरायल की सुरक्षा के लिए अमेरिकी नौसेना ने पश्चिम एशिया में युद्धपोत और पनडुब्बियों की तैनाती कर दी है।

ईरान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने रायटर को बताया कि यदि गाजा में 15 अगस्त को होने वाला युद्धविराम समझौता विफल हुआ तो ईरान अपने सहयोगी हिजबुल्ला के साथ इजरायल पर हमला कर देगा।

हिजबुल्ला भी हाल ही में अपने कमांडर फुआद शुकर की हत्या से इजरायल से खार खाए बैठा है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जान किर्बी ने भी सोमवार को कहा कि ईरान की ओर से इस सप्ताह कुछ न कुछ हो सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हमास को बातचीत की मेज पर लाने के लिए तुर्किये के विदेश मंत्री हकन फिदान से बात की है। इजरायल और हमास के बीच अप्रत्यक्ष शांति वार्ता गुरुवार को कतर के दोहा में होनी है।

यमन में हाउती विद्रोहियों का यूएन मानवाधिकार कार्यालय पर कब्जा

यमन के हाउती विद्रोहियों ने राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के कार्यालय पर कब्जा कर लिया है। यूएन के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि हाउती ने उसके दस्तावेजों, फर्नीचर और वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। यह जब्ती संयुक्त राष्ट्र, सहायता एजेंसियों और विदेशी दूतावासों के साथ काम करने वाले लोगों पर हाउती द्वारा की गई कार्रवाई का ताजा कदम है। वहीं, हाउती विद्रोहियों द्वारा मंगलवार को तीसरे हमले में लाल सागर में एक और जहाज को निशाना बनाया गया।

भारत के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ करना चाहता है बाइडन प्रशासन

- व्हाइट हाउस ने कहा-भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते को दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक मानते हैं राष्ट्रपति बाइडन

वाशिंगटन, प्रेट्र : व्हाइट हाउस ने कहा है कि बाइडन प्रशासन भारत के साथ अपनी "महत्वपूर्ण" साझेदारी का विस्तार करने के साथ ही अधिक समृद्ध और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाने के लिए तत्पर है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के शेष छह महीनों में प्राथमिकताओं पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में यह टिप्पणी की। कैरीन जीन-पियरे ने दोनों देशों को लेकर काफी सकारात्मक तथ्य रखें।

कैरीन जीन-पियरे ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हम भारत के साथ अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदारी को आगे बढ़ाने और इससे अमेरिका के लोगों को हो होने वाले लाभ को लेकर संजीदा हैं। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विश्व को अधिक समृद्ध और सुरक्षित बनाना चाहते हैं।

कैरीन जीन-पियरे ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते को दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक मानते हैं। पिछले साल जून में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा और उसके बाद पिछले सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए बाइडन की भारत यात्रा के बाद भारत और अमेरिका के बीच समग्र संबंधों में काफी सुधार हुआ है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे। फाइल/रायटर

****

मुझे पेरिस ओलिंपिक की तैयारी के लिए खेल मंत्रालय से बहुत कम या कोई व्यक्तिगत वित्तीय सहायता नहीं मिली और यहां तक कि कोच के लिए मेरे अनुरोध को भी खारिज कर दिया गया।
— अश्विनी पोनप्पा, बैडमिंटन खिलाड़ी

पैरालिंपिक में जीतेंगे 25 से ज्यादा पदक : झाझरिया

जयपुर, प्रेट्र : भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआइ) प्रमुख देवेंद्र झाझरिया ने मंगलवार को कहा कि देश को 28 अगस्त से शुरू होने वाले पेरिस पैरालिंपिक में 25 से ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद है। पेरिस में भारत की ओर से सबसे बड़ा 84 खिलाड़ियों का दल भाग ले रहा है। झाझरिया ने कहा कि यह भारत का पैरालिंपिक खेलों में अब तक का सबसे बड़ा दल है।

पेरिस ओलिंपिक के बाद संन्यास ले चुके पीआर श्रीजेश बोले, हमारी टीम स्वर्ण पदक जीतने की हकदार थी लेकिन लगातार दो कांस्य पदक जीतना भी बड़ी बात

सचिन के बाद विराट आए...मेरे बाद भी कोई न कोई आएगा : श्रीजेश

पेरिस ओलिंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हाकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश का कहना है कि टीम स्वर्ण पदक जीतने की हकदार थी, लेकिन खाली हाथ आने से बेहतर कांस्य पदक है। भारतीय हाकी सही दिशा में आगे बढ़ रही है और हम अगले ओलिंपिक में स्वर्ण जरूर जीतेंगे। अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास ले चुके श्रीजेश ने कहा कि पेरिस में उनका प्रदर्शन देखकर अब कई युवा गोलकीपिंग को अपनाएंगे। श्रीजेश से अभिषेक त्रिपाठी ने विशेष बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :-

साक्षात्कार

● पिछले दो दशक से ज्यादा समय से आप भारतीय गोलपोस्ट के सामने एक दीवार की तरह खड़े रहे हैं। आपने अब संन्यास ले लिया है। आपके जाने से पैदा हुए शून्य को भरना क्या आसान होगा?

-मेरी जगह जल्द ही कोई न कोई ले लेगा। जैसे सचिन तेंदुलकर ने जब संन्यास लिया तो विराट कोहली आ गए। उसी तरह मेरे जाने के बाद अब बात हो रही है अगला कौन। लोग आते रहेंगे, स्टार आते रहेंगे और कुछ समय के लिए लोग श्रीजेश को मिस करेंगे। शुभम काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मोहित एक युवा लड़का है, वह भी काफी अच्छा है। सूरज है और जब इन्हें भी खेलने का अनुभव मिलेगा तो यह भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

● जैसा आपने कहा कि पहले गोलकीपर बहुत ज्यादा दिखते नहीं थे और बहुत से खिलाड़ी गोलकीपर बनना नहीं चाहते थे। क्या अब आपको लगता है कि आपके कारण कई खिलाड़ी गोलकीपर बनेंगे?

-यही चीज तो हमने बदली है। पिछले तीन से चार मैचों में गोलकीपिंग की काफी प्रशंसा हुई है। इससे कई खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी कि गोलकीपिंग भी अच्छी पोजीशन है, जिस पर खेलकर भारतीय टीम में जगह बनाई जा सकती है। दूसरी बड़ी बात है कि मेरी नजर में गोलकीपिंग काफी ग्लैमरस पोजीशन है। आपको करीब से देखा जाता है, सभी की नजरें आपके ऊपर होती हैं इसलिए मुझे लगता है कि अब खिलाड़ी गोलकीपर बनने से नहीं हिचकिचाएंगे।

● टोक्यो में जब हम जीते तो आप गोल पोस्ट के ऊपर बैठे थे और अब पेरिस में भी आपने वही किया। इस पर क्या कहेंगे?

-जब हम टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीते तो बस दिमाग आया तो गोल पोस्ट पर चढ़ गया था लेकिन इस बार पेरिस में मैंने पहले ही सोचा था कि यहां भी गोल पोस्ट पर बैठकर करियर से अलविदा लेता हूं।

● हाकी में पिछले कुछ सालों में हमने काफी प्रगति की है लेकिन अभी भी हम जर्मनी और बेल्जियम जैसे देशों को नहीं हरा पा रहे हैं। आपकी नजर में और क्या-क्या सुधार होने चाहिए?

-लेकिन बेल्जियम ने सेमीफाइनल तक के लिए क्वालीफाई नहीं किया इसलिए उससे हार का कोई फर्क नहीं पड़ता है। आस्ट्रेलिया भी क्वालीफाई नहीं किया, लेकिन हम लोगों ने किया। ये दिखाता है कि हम कहीं न कहीं बेहतर कर रहे हैं। यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है कि हम किसे हरा रहे हैं या किससे हा रहे हैं बल्कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप कहां पर फिनिश कर रहे हो। मेरा तो मानना है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं। सभी खिलाड़ियों को आत्मविश्वास मिला है और अगले ओलिंपिक में आप देखोगे कि जो टीम वहां खेलेगी उसमें 11 से ज्यादा खिलाड़ियों के पास दो-दो ओलिंपिक खेलने का अनुभव होगा। उस टीम के लिए आगे जाकर बड़ी टीमों का हराना मुश्किल नहीं होगा।

● लेकिन कहीं न कहीं मन में स्वर्ण न जीतने की टीस है?

-बिल्कुल, हम लोग स्वर्ण पदक जीतने के हकदार थे, लेकिन दुर्भाग्य से हम नहीं जीत पाए। इसकी टीस तो हमेशा ही दिल में रहेगी, लेकिन खाली हाथ होने से बेहतर है कांस्य पदक जीतना। अच्छी बात यह है कि हमने लगातार दो स्वर्ण जीते।

पीआर श्रीजेश के साथ सेल्फी लेते प्रशंसक ● एएनआइ

● हाकी को स्वर्णिम दौर में लौटाने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

-भाई ये तो आपके ऊपर है। अब हमारे पास दो-दो कांस्य पदक हैं, आप उसकी कहानी सुनाओ न युवा पीढ़ी को। हमें पुराने दौर में जाने की क्या जरूरत है। हम तो अपने बच्चों को यही कांस्य पदक दिखा रहे हैं कि हमारे पास ओलिंपिक पदक है। आप भी खेलो और आप भी जीतो इसलिए हमें इतने पुराने समय में जाने की जरूरत नहीं क्योंकि हम में से किसी ने भी वो मुकाबले देखे ही नहीं हैं। आप ने भी वह मैच नहीं देखे होंगे। हमने जो मैच देखे हैं उसी में खुश रहना चाहिए।

● अब आप कोचिंग की तरफ बढ़ेंगे। इस भूमिका को कैसे देखते हैं?

-अभी तो फिलहाल में ज्यादा कुछ नहीं सोच रहा हूं। कोचिंग मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा। मैंने ट्रेनिंग की है, लेकिन पेशेवर कोचिंग कभी नहीं की है। मेरे लिए भी यह नई चुनौती होगी। मैं छोटे-छोटे कदम बढ़ाऊंगा और उसके बाद उस दिशा में बढ़ूंगा।

● क्या आपको लगता है कि भारतीय हाकी अब सही दिशा में जा रही है। इसके पीछे की वजह आप क्या मानते हैं क्योंकि आपने दोनों दौर देखे हैं, जब पदक नहीं आते थे और अब दो-दो पदक आए हैं?

-अब हमें ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने को मिल रहे हैं। लड़कों को ज्यादा एक्सपोजर मिल रहा है। हम लोग प्रो लीग में 16 मैच खेलते हैं। आस्ट्रेलिया जाकर 10 मैच खेलते हैं। इसी तरह यूरोप में ज्यादा मैच खेल रहे हैं। मेरा मानना है कि आधुनिक हाकी में यह सबसे बड़ा बदलाव है। पुराने समय में हमें शीर्ष टीमों के विरुद्ध इतने मैच खेलने को नहीं मिलते थे।

● जब भी देश में हाकी के महान खिलाड़ियों का नाम लिया जाएगा आपका नाम भी इसमें होगा। आपने कैसे हाकी चुनी और अब आप अपने इस सफर को कैसे देखते हैं?

-जब मैंने जीवराज स्पोर्ट्स में खेलने गया तो मैंने हाकी को देखा था। मैंने हाकी चुना और खेलने लगा, लेकिन मुझे ज्यादा भागना नहीं था तो मैं गोलकीपर बन गया। वहां मेरे दो कोच थे जयकुमार और रमेश कोलप्पा। दोनों ने मेरी काफी मदद की। मेरे माता-पिता ने मुझे काफी सहयोग दिया। वहां से मैं नेशनल कैंप में आया और हरेंद्र सर ने मुझे सीधा जूनियर टीम में चुन लिया। मैं अंडर-16 कैंप में गया था, जहां से मेरा सफर शुरू हुआ। अब यहां तक पहुंचा तो इसमें कई लोगों का साथ रहा है। 2008 में हम ओलिंपिक में क्वालीफाई नहीं कर पाए, वहीं 2012 ओलिंपिक में हम एक भी मैच नहीं जीत पाए। 2016 में हम आठवें स्थान पर रहे और अब लगातार दो ओलिंपिक में पदक जीते। ये मेरे लिए स्वप्निल सफर रहा है। जहां से मैंने हाकी शुरू की वहां से यहां तक पहुंचना बहुत बड़ी बात है।

● आपका हंसमुख स्वभाव सबको पसंद है लेकिन क्या आप सीनियर होने के नाते अच्छा नहीं खेलने पर साथी खिलाड़ियों को डांटते भी हैं?

-(हंसते हुए) मैं बिलकुल भी हसंमुख स्वभाव का नहीं हूं। मैदान पर काफी गंभीर हूं। मैं सबको बोलता हूं कि अपना काम करो और मैदान पर मजाक नहीं करो।

● ग्रेट ब्रिटेन के विरुद्ध मैच के दौरान जब अमित को रेड कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों से खेली तो क्या यह भरोसा था कि आप कि आप सारे आक्रमण रोक लेंगे?

-उस समय तो बस दिमाग में केवल यही बात चल रही थी कि मैच को किसी भी कीमत पर जीतना है। अंतिम समय में हम लोगों को गोल मिला, लेकिन ब्रिटेन ने भी गोल कर दिया, लेकिन हमें बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। उसके बाद शूटआउट हुआ और मैंने वह कर दिखाया। मुझे खुद पर भरोसा था कि अगर मैं फोकस रहा तो कुछ शाट जरूर रोक लूंगा और उससे सामने वाली टीम पर दबाव हो जाएगा। ऐसा ही हुआ और हमारे खिलाड़ियों ने शूटआउट में सही निशाने पर गेंद मारी।

● आपने सर्वाधिक गोल बचाए, लेकिन जब पैनाल्टी शूटआउट हुआ तो कहीं न कहीं डर लगा था?

-जब आप अपना चौथा ओलिंपिक खेल रहे होते हैं तो आपको डर नहीं लगता है। आपके ऊपर एक जिम्मेदारी होती है, जिसे आपको अच्छे ढंग से निभाना होता है।

● वर्तमान टीम के किस खिलाड़ी को आप भविष्य का सुपरस्टार मानते हैं और क्यों?

-हमारी टीम में सभी सुपर स्टार हैं। मैं किसी एक खिलाड़ी का नाम नहीं लूंगा। डिफेंस में संजय कुमार नया लड़का है। फारवर्ड में अभिषेक और सुखजीत है। ये लोग अच्छा खेल रहे हैं और ये सभी स्टार बनने वाले हैं।

● भारत ने छह पदक जीते। कहा जा रहा है कि सरकार की ओर से खिलाड़ियों के हर तरह की मदद मिल रही है। ऐसा क्या किया जाए कि भारत खेल शक्ति बने?

-मुझे ये तो नहीं पता कि खेल शक्ति बनाने के लिए क्या करना चाहिए, क्योंकि मुझे ही ओलिंपिक पदक जीतने में 20 वर्ष लग गए। मेरी टीम में एक लड़का है, जिसने दो साल में ही ओलिंपिक पदक जीत लिया। तो सबके लिए ये सफर अलग-अलग होता है।

● क्या आपको लगता है कि हाकी लीग दोबारा शुरू करनी चाहिए?

-मेरे हिसाब से बिल्कुल करनी चाहिए।

एक नजर में

पेगुला-पोपरिन बने विजेता

मांट्रियल : आस्ट्रेलिया के एलेक्सेई पोपिरिन ने रूस के पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को हराकर नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीता। पोपिरिन 21 साल बाद मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले आस्ट्रेलियाई बन गए हैं। करीबन डेढ़ घंटे चले मैच में उन्होंने रूबलेव को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी। यह उनके करियर का तीसरा और सबसे बड़ा एटीपी टूर खिताब है। वहीं, अमेरिका की जेसिका पेगुला ने हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 2-6 और 6-1 से हराकर टोरंटो ओपन का खिताब जीता। जीत के साथ पेगुला ने अनिसिमोवा के खिलाफ जीत बरकरार रखी है। (एपी)

अच्छी शुरुआत के बाद फिसले प्रगनानंद

सेंट लुइस : ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट के पहले दिन लगातार दो मैचों में दबदबा बनाने के बाद चूक गए और तालिका में सबसे नीचे रहे। अमेरिका के लेवोन आरोनियन के विरुद्ध शुरुआती मुकाबले में काले मोहरों से खेलते हुए प्रगनानंद ने सकारात्मक शुरुआत की लेकिन उन्हें ड्रा से संतुष्ट होना पड़ा। दिन के दूसरे मैच में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह आखिरी स्थान पर खिसक गए। (प्रेट्र)

बीएफआइ ने मुक्केबाजी कोच के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली : पेरिस ओलिंपिक में निराशाजनक अभियान के बाद भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने मंगलवार को नए विदेशी कोच के लिए आवेदन मंगाए हैं। महासंघ के विज्ञापन के अनुसार भारतीय मुक्केबाजी महासंघ आगामी चार साल के लिए अपनी एलीट राष्ट्रीय टीम के लिए विदेशी मुक्केबाजी कोच नियुक्त करना चाहता है। (प्रेट्र)

ओलिंपिक में देश के लिए कई और पदक जीतने हैं : मनु

पेरिस में दो पदक जीतने वालीं मनु ने कहा, भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने का है लक्ष्य

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेरिस में दो पदक जीतने वाली भारत की पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की नजरें अब ओलिंपिक में कई पदक जीतने पर लगी हैं। पेरिस में 22 वर्षीय मनु स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में सरबजोत के साथ कांस्य पदक जीता था। वह 25 मीटर पिस्टल में भी कांस्य पदक जीतने से चूक गईं थीं।

मनु ने मंगलवार को कहा कि हम सभी खिलाड़ी पदक जीतने के लिए काफी मेहनत करते हैं, लेकिन अगर भविष्य में दो से अधिक पदक एक ही ओलिंपिक में जीत पाती हूं तो यह शानदार होगा। मेरा कड़ी मेहनत करके भविष्य में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य है। मैं भविष्य में भारत के लिए कई और ओलिंपिक पदक जीतना चाहती हूं।

विश्व कप से बाहर रह सकती हैं मनु: मनु भाकर दिल्ली में 13 से 18 अक्टूबर तक होने वाले निशानेबाजी विश्व कप से बाहर रह सकती है क्योंकि उन्होंने तीन महीने का ब्रेक लेने का निर्णय किया है।

मनु के कोच जसपाल राणा ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह अक्टूबर में होने वाले विश्व कप में खेलेंगी या नहीं क्योंकि वह तीन महीने का ब्रेक ले रही है। वह लंबे समय से कड़ी मेहनत कर रही है तो यह सामान्य ब्रेक है। ब्रेक के बाद हम 2026 एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए काम करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी कल एथलीटों से मिलेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन : भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त को भारतीय ओलिंपिक दल से मिलेंगे। पेरिस ओलिंपिक में भारत के 117 एथलीटों के दल ने हिस्सा लिया था। सूत्रों के अनुसार, सभी खिलाड़ी गुरुवार को लाल किले में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। इसके बाद खिलाड़ी पीएम सरकारी आवास लोक कल्याण मार्ग जाएंगे और यहां पर दोपहर करीब एक बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुलाकात करेंगे। इससे पहले, बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु खिलाड़ियों से शाम को मुलाकात करेंगी।

मनु भाकर ● एएनआइ

विनेश की अपील पर अब 16 को आएगा निर्णय

नई दिल्ली, जेएनएन : विनेश फोगाट की अपील पर मंगलवार को खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) की तदर्थ प्रभाग ने निर्णय फिर टाल दिया। अब खेल पंचाट 16 अगस्त को इस मामले में निर्णय सुनाएगा। विनेश को पेरिस ओलिंपिक की 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इस निर्णय के विरुद्ध विनेश ने खेल पंचाट में अपील की थी।

आइओए ने मंगलवार को बताया, सीएएस तदर्थ प्रभाग की अध्यक्ष ने विनेश फोगाट बनाम युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग व अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ डा. एनाबेल बेनेट को 16 अगस्त शाम छह बजे (फ्रांस के समयानुसार) तक निर्णय सुनाने की अनुमति दी है। अपील में विनेश ने उन्हें संयुक्त रूप से रजत पदक देने की मांग की है।

पैरा शटलर प्रमोद भगत 18 महीने के लिए निलंबित

नई दिल्ली, प्रेट्र : टोक्यो पैरालिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता पैरा शटलर प्रमोद को विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने पर 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है, जिससे वह इस महीने शुरू हो रहे पेरिस पैरालिंपिक में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे। भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक 'वेयरअबाउट' (ठिकाने का पता) नियम के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। उनका निलंबन एक सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा।

भगत ने वाडा के निर्णय के विरुद्ध सीएसए में अपील दायर की थी, जो पिछले महीने खारिज कर दी गई थी। इस बीच, एसएल एथलीट 36 वर्षीय भगत ने कहा है कि वह इस निर्णय से दुखी हैं। तकनीकी कारणों से किसी पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। मैं दो बार परीक्षण से चूक गया क्योंकि मैं दूसरी जगह पर था, लेकिन मेरे पास तीसरी बार दायर करने के सभी साक्ष्य हैं। इसके बावजूद मेरी अपील स्वीकार नहीं की गई।

प्रमोद भगत ● फाइल फोटो, एक्स

बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन का दोषी पाया गया, इस महीने से शुरू होने वाले पेरिस पैरालिंपिक में नहीं खेल पाएंगे

स्वर्ण जीतते ही बदली अरशद की किस्मत

लाहौर, प्रेट्र : पेरिस ओलिंपिक के भाला फेंक स्पर्धा में पाकिस्तान के लिए इतिहास रचने वाले अरशद नदीम की वतन वापसी पर किस्मत चमक गई है। अपना पीला तमगा लेकर घर पहुंचे अरशद पर सरकार मेहरबान है। पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने मंगलवार को चुन्नू स्थित गांव में जाकर 10 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (तीन करोड़ भारतीय रुपये) का चेक और एक लग्जरी कार भेंट की।

92.97 नंबर प्लेट की कार: मरियम नवाज ने अरशद नदीम को जो कार दी है, उसका नंबर 92.97 है। दरअसल, अरशद ने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर की थ्रो के साथ ही स्वर्ण जीता था। मुख्यमंत्री ने नदीम को जब 92.97 नंबर प्लेट वाली नई कार की चाबियां सौंपी तब वहां उनके माता-पिता भी थे।

आतंकी के साथ दिखे नदीम

नई दिल्ली, जेएनएन : ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें वह अमेरिका द्वारा आतंकवादी घोषित हारिस डार के साथ बैठे दिख रहे हैं। डार आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक दल मिली मुस्लिम लीग (एमएमएल) का संयुक्त सचिव है। हालांकि, यह अभी पता नहीं लगाया जा सका है कि प्रसारित वीडियो ओलिंपिक के पहले का है या बाद का। एमएमएल आतंकी हाफिज सईद द्वारा बनाया गया एक संगठन है, जिसे 2008 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। 2018 में अमेरिका ने सात वैश्विक आतंकी के नाम घोषित किए थे, डार का नाम भी शामिल था।

हारिस डार के साथ अरशद नदीम ● एक्स

लोगों ने बनाया नुमाइश की वस्तु: इस बीच, अरशद को स्थानीय लोग नुमाइश की तरह प्रयोग कर रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर अरशद का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें लोग उनसे मिलते हैं। वीडियो में लोगों ने अरशद को नकद राशि दी और तस्वीरें खिंचवाईं। वीडियो में अरशद को नकद राशि देने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि जिस तरह से मैंने।

बांग्लादेश से पहला टी-20 धर्मशाला की बजाए ग्वालियर में

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत और बांग्लादेश के बीच छह अक्टूबर को होने वाले पहले टी-20 मुकाबले की मेजबानी अब ग्वालियर करेगा। पहले इस मैच की मेजबानी धर्मशाला को दी गई थी, लेकिन स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम में नवीनीकरण कार्य होने के कारण बीसीसीआइ ने कार्यक्रम में बदलाव किया है। यह मुकाबला ग्वालियर के नए स्टेडियम श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें यह पहला अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। 2010 में ऐतिहासिक भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे के बाद इस स्टेडियम में यह पहला मैच है जिसमें महान सचिन तेंदुलकर दोहरा शतक बनाने वाले पहले क्रिकेटर बने थे।

बीसीसीआइ अगले साल जनवरी में इंग्लैंड के विरुद्ध पहले और दूसरे टी-20 मैच के स्थानों की अदला-बदली पर भी सहमत हुआ। चेन्नई को पहले टी-20 की मेजबानी करनी थी और लेकिन अब वह दूसरे मैच की मेजबानी करेगा जबकि कोलकाता दूसरे के बजाए शुरुआती टी-20 मैच की मेजबानी करेगा। पहला मैच 22, जबकि दूसरा टी-20 25 जनवरी को खेला जाएगा।

बुची बाबू टूर्नामेंट में खेलेंगे श्रेयस, इशान

मुंबई, प्रेट्र : श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और इशान किशन 15 अगस्त से शुरू होने वाले बुची बाबू टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। श्रेयस और सूर्य जहां मुंबई की ओर से जम्मू-कश्मीर के विरुद्ध खेलेंगे तो इशान झारखंड की कप्तानी करेंगे। इस टूर्नामेंट के जरिये श्रेयस और सूर्य के पास अपने खेल को तराशने का मौका है। मुंबई टीम की कप्तानी सरफराज खान करेंगे। वहीं, इशान पहले इस टूर्नामेंट के लिए झारखंड के संभावितों की सूची में नहीं थे, लेकिन बुधवार को वह टीम के साथ जुड़ेंगे। इस टूर्नामेंट से इशान लाल गेंद क्रिकेट में वापसी करेंगे। पिछले साल रणजी सत्र में नहीं खेलने को लेकर इशान की आलोचना हुई थी और उन्हें केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा था।

श्रेयस अय्यर इशान किशन

आस्ट्रेलिया 3-1 से जीतेगा सीरीज : पोंटिंग

दुबई, प्रेट्र : पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने नवंबर से होने वाली बार्डर-गावस्कर ट्राफी में मेजबान आस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी बताया है। भारत के विरुद्ध लगातार दो टेस्ट सीरीज गंवाने के बावजूद पोंटिंग का मानना है कि आस्ट्रेलियाई टीम पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से जीत दर्ज करेगी। रिकी पोंटिंग ने कहा कि भारत के विरुद्ध आस्ट्रेलिया के पास अपने घरेलू मैदान में साबित करने के साथ ही पिछली दो सीरीज का बदला लेने का भी मौका है। उन्होंने कहा कि घर पर आस्ट्रेलिया का पलड़ा हमेशा भारी रहा है। उन्हें लगता है कि दोनों टीमें आक्रामक गेंदबाज लेकर उतरेंगी। इसके साथ उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज खलील अहमद को टीम में शामिल करने की वकालत की और कहा कि शमी, सिराज और बुमराह के होने से भारत के गेंदबाजी आक्रमण को काफी मजबूती मिलेगी।

रिकी पोंटिंग

राष्ट्रीय फलक

जाफर सादिक के भाई को ईडी ने मनी लांड्रिंग के आरोप में किया गिरफ्तार

चेन्नई, प्रेट्र: द्रमुक से निष्कासित नेता जाफर सादिक के भाई मोहम्मद सलीम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लांड्रिंग के मामले में सोमवार को गिरफ्तार किया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ईडी, चेन्नई ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्करी और मनी लांड्रिंग की चल रही जांच में एक महत्वपूर्ण गिरफ्तारी की है।

मोहम्मद सलीम को जाफर सादिक मामले से जुड़ी आय को लांड्रिंग करने में शामिल होने के लिए पीएमएलए, 2002 के प्रविधानों के तहत पकड़ा गया है। सलीम को मंगलवार को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। सत्र न्यायाधीश एस अल्ली ने उन्हें 27 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सलीम को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, कोर्ट ने 27 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजा

तमिलनाडु में भाजपा नेता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

तमिलनाडु पुलिस ने मंगलवार को कहा कि शिवगंगा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले टी देवनाथन यादव को एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के जमाकर्ताओं को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें तिरुचिरापल्ली में आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों की एक टीम ने गिरफ्तार किया और बाद में पूछताछ के लिए चेन्नई लाया गया।

सियाचिन से मनाली पहुंचा सेना का दल

जागरण संवाददाता, मनाली

भारतीय सेना की 75वीं वर्षगांठ पर भारतीय सेना के जवान साइकिलिंग अभियान पर निकले हैं। सियाचिन से लेह होते हुए शुरू हुआ यह अभियान मंगलवार को मनाली पहुंचा। मनाली के पलचान ट्रांजिट कैंप में विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने सेना के जवानों का स्वागत कर उनका मनोबल बढ़ाया। विधायक ने सेना के दल को झंडी दिखाकर मनाली से अंडोमान निकोबार के लिए रवाना किया। इस अभियान मे भारतीय सेना की विभिन्न रेजिमेंट और विभिन्न राज्यों के जवान भाग ले रहे हैं। मनाली पहुंचने पर सैनिकों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। ट्रांजिट कैंप का माहौल देशभक्ति भर गया। साइकिल अभियान के तहत लगभग 5500 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। अभियान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के इंदिरा प्वाइंट तक जाएगा। अभियान देश की एकता और अखंडता का संदेश देने के लिए चलाया जा रहा है। विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने कहा कि भारतीय सेना का यह अभियान गौरवान्वित करने वाला है। सफलतापूर्वक मनाली पहुंचने पर उन्होंने सेना को बधाई दी। इस अभियान मे लगभग 12 साइकिलिस्ट व अन्य जवान भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना के मनोबल को बढ़ाने के लिए सभी लोगों को सहयोग देना चाहिए।

सेना के साइकिलिंग दल को सियाचिन के लिए हरी झंडी देकर रवाना करते विधायक भुवनेश्वर गौड़

'आइएनएस विक्रांत मामले में सोमैया के खिलाफ आगे की जांच जरूरी'

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई के एक कोर्ट ने भाजपा नेता किरीट सोमैया और उनके बेटे के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में क्लोजर रिपोर्ट का निपटारा करते हुए कहा कि पुलिस ने इस बात की जांच नहीं की है कि नौसेना के विमान वाहक पोत विक्रांत को बचाने के लिए उनके द्वारा एकत्र किए गए धन का क्या किया गया।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एसपी शिंदे ने विगत सप्ताह जारी एक आदेश में पुलिस को निर्देश दिया है कि मामले में आगे और जांच की जाए। भारतीय नौसेना के विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रांत को 1961 में नौसेना में शामिल किया गया था। उसने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पूर्वी पाकिस्तान की नाकाबंदी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जनवरी 2014 में जहाज को एक आनलाइन नीलामी के माध्यम से बेचा गया। एक पूर्व सैनिक की शिकायत पर अप्रैल 2022 में यहां ट्रांबे थाने में सोमैया और उनके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पूर्व सैनिक ने दावा किया था कि उन्होंने इस अभियान के लिए 2013 में 2,000 रुपये का चंदा दिया था। आरोप था कि सोमैया ने पोत को बचाने के अभियान में 57 करोड़ से ज्यादा जमा किए थे।

- **मुंबई की कोर्ट ने पूछा, विमान वाहक पोत विक्रांत को बचाने के लिए एकत्र किए गए धन का क्या किया गया**
- **सोमैया पर पोत को बचाने के अभियान में 57 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा करने के है आरोप**

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
बुधवार, 14 अगस्त, 2024

न्यू यार्क टाइम्स से

व्यायाम से मूड बनाएं बेहतर

जिम या एक्सरसाइज करके आ रहे लोगों को अक्सर आपने उत्साहित देखा होगा। विज्ञानियों का मानना है कि थोड़ी सी एक्सरसाइज कर लेने से न्यूरोकेमिस्ट्री में परिवर्तन आ जाता है, जिससे जीवन में आशा, शांति, जुड़ाव महसूस होता है और हमारा मूड बेहतर हो जाता है। संभव है कि आपको व्यायाम फायदेमंद न लगे, लेकिन कुछ लोग आनुवांशिक या मनोवैज्ञानिक तौर पर व्यायाम करने से आनंद महसूस करते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि अपने वर्कआउट में कुछ बदलाव कर आप अपने मस्तिष्क और शरीर को आनंद महसूस करने के अनुकूल बना सकते हैं। व्यायाम करने से डोपामाइन और सेरोटोनिन में वृद्धि होती है, जो हमें एकाग्रचित और शांत रखने में सहायक है। इसी तरह आक्सीटोसिन सामाजिक जुड़ाव बढ़ाने में सहायक होता है।

स्वयं को तीन सप्ताह का समय दें: जिस तरह मांसपेशियों को तैयार होने में समय लगता है, उसी तरह व्यायाम के लिए मस्तिष्क को डोपामाइन रिवार्ड सिस्टम विकसित करने में समय लगता है। शारीरिक सक्रियता जितनी कम होगी, डोपामाइन सिस्टम की प्रतिक्रिया उतनी ही धीमी होगी। इसके लिए तीन सप्ताह का समय चाहिए। संभव है इससे अधिक भी लगे।

सामाजिक सक्रियता बढ़ाएं: समूह में व्यायाम करने से आक्सीटोसिन बढ़ जाता है।

चर्चा में

डा. सुशीला कटारिया
डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, मेदांता, गुरुग्राम

वजन घटाना नहीं है खेल

पदक जीतने की ओर बढ़ रहीं कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट सौ ग्राम वजन अधिक होने के कारण अप्रत्याशित रूप से ओलिंपिक के फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दी गईं, जबकि अमन सहरावत ने रातोंरात साढ़े चार किलो वजन घटाकर कांस्य पदक जीता। तेजी से वजन घटाने की इस प्रक्रिया को 'रैपिड वेट लास' कहा जाता है, पर यह कितना जोखिम भरा हो सकता है और क्या हो वजन कम करने का सही तरीका, आइए जानें...

●जागरण आर्काइव

क्या आपको मालूम है कि ऐसे खेलों जिनमें वजन की बड़ी भूमिका होती है, उनसे जुड़े खिलाड़ी इसके लिए कितना बड़ा जोखिम मोल लेते हैं? एक रात या कुछ घंटों में वजन घटाने का खेल जान की बाजी लगाने के बराबर है।

रैपिड वेट लास है खतरनाक: पेशेवर खिलाड़ी तेजी से वजन घटाने के लिए जिस तरीके को अपनाते हैं उसे रैपिड वेट लास कहा जाता है। इसे समझने के लिए आप रसगुल्ले का उदाहरण ले सकते हैं। इसके रस को निचोड़ दें तो वजन कम हो जाएगा और वापस रस में डुबो दें तो पहले सा हो जाएगा। खिलाड़ी वजन कम करने के लिए शरीर से पानी को कम करते हैं। शरीर में साठ से सत्तर प्रतिशत तक पानी होता है। पानी कम करने की इस प्रक्रिया में यदि उचित सावधानी नहीं बरती गई तो यह जानलेवा हो सकता है। जैसा कि विनेश फोगाट के मामले में हुआ। उन्हें डिहाइड्रेशन के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

शार्टकट है बड़ा जोखिम: वजन बढ़ने से परेशान होकर झटपट इसे घटाने के लिए शार्ट कट तरीके अपनाना बड़े जोखिम को आमंत्रित करना है। यह प्रक्रिया रणनीति के तहत धीमी गति वाली होनी चाहिए। यदि बढ़े वजन या मोटापे से परेशान होकर आपने भी तेजी से वजन घटाने का लक्ष्य तय कर लिया है तो ऐसे किसी शार्टकट को अपनाने से बचें। विशेषज्ञ चिकित्सक के परामर्श से ही कोई कदम उठाएं।

स्वयं से करें सवाल: यदि आप अपना वजन घटाना चाहते हैं तो पहले स्वयं से सवाल करें कि आपका वजन अधिक क्यों है? अपनी दिनचर्या पर गौर करें। देखें कि आप हर दिन जो खा-पी रहे हैं उसमें वसा, चीनी या नमक की मात्रा कितनी है? बाहर का खाना खाते हैं या घर का बना पोषक तत्व युक्त, शारीरिक सक्रियता कितनी है, गाड़ी से चलना पसंद है या पैदल अथवा साइकिल का प्रयोग करते हैं? ध्यान रहे, यदि आप संतुलित भोजन यानी पोषक तत्वों से भरपूर भोजन करते हैं, पर्याप्त सक्रिय रहते हैं तो वजन को संतुलित करना कठिन काम नहीं है।

ये हैं रैपिड वेट लास के दुष्परिणाम

- **डिहाइड्रेशन:** बेहोशी, किडनी खराब होना, हीट स्ट्रोक आदि।
- **इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन:** इसके असंतुलन से मसल क्रैंप, हृदयाघात की आशंका होती है।
- **पोषक तत्वों की कमी:** शारीरिक-मानसिक कमजोरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाना, आस्टियोपोरोसिस व एनीमिया का खतरा आदि।

मेटाबोलिज्म ठीक है न

यदि आप वजन कम करने के लिए यह सोचकर कम कैलोरी वाला आहार ले रहे हैं कि इससे शरीर से वसा कम हो जाएगा, तो ऐसा नहीं है। ऐसा करना मांसपेशियों की क्षति का जोखिम भी उत्पन्न कर सकता है। साथ ही इससे मेटाबोलिज्म यानी चयापचय की प्रक्रिया भी धीमी हो सकती है। ध्यान रहे, मेटाबोलिज्म ही निर्धारित करता है कि हम प्रतिदिन कितनी कैलोरी बर्न कर रहे हैं। धीमे मेटाबोलिज्म का अर्थ है कि व्यक्ति प्रतिदिन बहुत कम कैलोरी बर्न कर पा रहा है।

यह भी रहे ध्यान

- शुगर और कार्बोहाइड्रेट का सेवन कम करें।
- हेल्दी फैट पर जोर दें।
- तनाव प्रबंधन पर ध्यान दें।
- वर्कआउट करें।
- धीरे-धीरे चबाकर खाने की आदत विकसित करें।

वजन कम करने में रखें ध्यान

वजन कम करना अलग-अलग कारकों पर निर्भर करता है, जैसे-उम्र, आनुवंशिक और स्त्री हैं या पुरुष।

- वसा कम करने के लिए रैपिड वेट लास तकनीक काम नहीं आ सकती। आप पूरे दिन पैदल चलकर भी इसे कम नहीं कर सकते।
- सौ ग्राम वसा कम करने के लिए करीब सात हजार सात सौ कैलोरी कम करनी होगी, जो कई सप्ताह में होगा।
- कैलोरी घटाएं, पर ज्यादा नहीं। दो हजार कैलोरी को चौदह सौ करें। इसे पांच-छह सौ कैलोरी नहीं होना चाहिए।
- पोषक तत्वों का सेवन करते हुए वजन घटाना या कम करना चाहिए।
- एक से डेढ़ किलो हर माह का लक्ष्य रखें। यदि ओवरवेट हैं तो यह दो किलो भी कर सकते हैं।

बातचीत : सीमा झा

वर्ग पहेली-2721

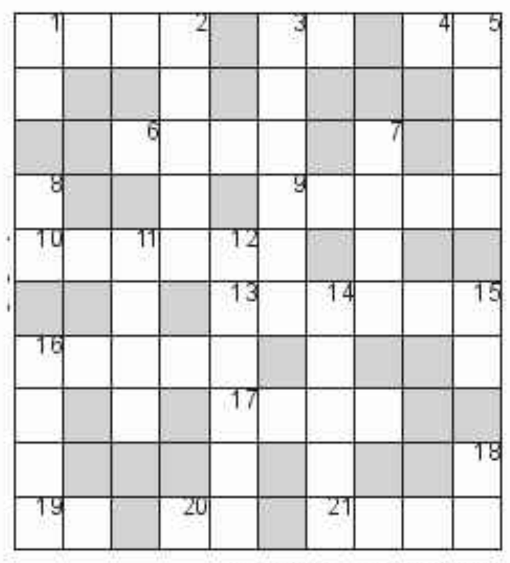

बाएं से दाएं
1. समावेश, इकट्ठा करना (4)। 3. कठोर, सख्त (2)। 4. पति की माता (2)। 6. टालमटोल (4)। 9. शक्ति बढ़ाने वाला (5)। 10. षड्यंत्र रचना (3,3)। 13. इन्कार कर देना (2,2,2)। 16. कथा कहने वाला (5)। 17. अग्निशमक यंत्र (4)। 19. अल्प, न्यून (2)। 20. नासिका, प्रतिष्ठा (2)। 21. अयोग्य, नाकाबिल (4)।

ऊपर से नीचे
1. समस्त, तमाम, कुल (2)। 2. सृजन करनेवाला (5)। 3. बहाना करना, बात बनाना (3,3)। 5. सहयोगी, समर्थन करने वाला (4)। 7. मौका (4)। 8. कौन (2)। 11. क्रमानुसार (4)। 12. कांति-दीप्ति, तड़क-भड़क (3,3)। 14. टीस उठना (3,2)। 15. इज्जत, प्रतिष्ठा, नासिका (2)। 16. कला से युक्त (4)। 18. सीमा, राशि, समूह (2)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

अ	च	क	चा	ना			पा		हा
	ह			वि	प	रि	त	गा	मी
ब	ल		श	क					भ
	प		ह		न	का	रा		र
	ह		र	क	म		का	ट	ना
झू	ल	ना		स	क	ना		चक्र	
ठ		टा	ल	ना		ट		र	
ब					ट	क		की	ल
या	द	फ	र	मा	ना			हो	
नी		ल			क	न	क	ना	ना

जागरण सुडोकू-2721

		3		7		5		6
8					5			7
		5	8			1		
4			9					3
	1	8			2		7	
9				1				2
5						4	2	
	4	9		3			6	
6			2		1			5

कल का हल

4	8	9	1	2	3	6	7	5
7	3	1	4	5	6	8	9	2
2	5	6	7	8	9	4	1	3
1	6	8	3	7	2	5	4	9
9	4	7	5	6	8	3	2	1
3	2	5	9	4	1	7	6	8
6	9	4	2	3	5	1	8	7
8	1	3	6	9	7	2	5	4
5	7	2	8	1	4	9	3	6

आज का भविष्यफल- 14 अगस्त, 2024 बुधवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावणमास शुक्ल पक्ष नवमी।
आज का राहुकाल : दोपहर 12 बजे से 01 : 30 बजे तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर

कल 15 अगस्त, 2024 का पंचाग
कल का दिशाशूल : दक्षिण
कल का भद्रा : रात्रि के 10 :04 बजे से प्रारंभ 16 अगस्त को प्रात : 09 :40 पर समाप्त।
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की दशमी तत्पश्चात एकादशी ज्येष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात मूल नक्षत्र वैधृति योग तत्पश्चात विषकुंभ योग वृश्चिक में चंद्रमा 12 घंटे 53 मिनट तक तत्पश्चात धनु में।

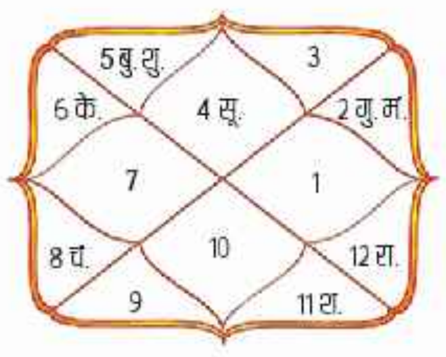

- मेष : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
- वृष : व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- मिथुन : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- कर्क : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। वाणी पर संयम रखें।
- सिंह : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- कन्या : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।
- तुला : जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा।
- वृश्चिक : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- धनु : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
- मकर : धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
- कुंभ : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर संयम रखें।
- मीन : रिश्तों में निकटता आएगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।

मानसून केयर

डा. मेधा कुलकर्णी
प्रोफेसर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली

क्यों बढ़ जाती है पाचन की समस्या

यदि इन दिनों भूख कम लगने या पेट के लगातार भारी रहने की समस्या हो रही है तो इसका एक कारण मौसम का परिवर्तन भी हो सकता है। मानसून में खानपान के साथ-साथ किस तरह की सतर्कता बरतनी चाहिए, आइए जानते हैं...

मानसून यानी वर्षा ऋतु में पाचन क्रिया कमजोर पड़ जाती है, इसलिए खानपान में थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत होती है। इन दिनों वातावरण में आर्द्रता बढ़ जाती है। ये बदलाव स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण होते हैं। लोग भूख कम लगने या खाना हजम नहीं होने की शिकायत करने लगते हैं। आजकल के मौसम में थोड़ा भी गरिष्ठ भोजन करने से गैस, एसिडिटी और खट्टी डकार आने की आशंका बढ़ जाती है।

बढ़ जाती है जोड़ों की तकलीफ: पाचन ठीक नहीं होने से भोजन सही से नहीं पच पाता। इससे शरीर में विषाक्त तत्व बढ़ जाते हैं। इसका सर्वाधिक असर जोड़ों में होता है। जिन लोगों को पहले से जोड़ों संबंधी समस्या है, उन्हें अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

हल्का-सुपाच्य भोजन करें: इन दिनों खानपान को लेकर बहुत सतर्क रहना चाहिए। बाहर के अधिक तैलीय और मसालेदार भोजन खाने से बचें। इसके बजाय घर का बना हुआ ताजा और सुपाच्य भोजन करें। अगर व्रत करते हैं तो इन दिनों में भी कुट्टू, आलू, मखाना आदि का सेवन करें।

●जागरण आर्काइव

पेयजल को लेकर सावधानी: वर्षा ऋतु में पानी को उबालकर ठंडा कर लें, फिर उसका प्रयोग करें। दूषित पेयजल से अतिसार, डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वायरल-डेंगू से रहें सतर्क: बरसात में मच्छरों के कारण डेंगू व अन्य मच्छरजनित बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। डेंगू के मच्छर दिन में काटते हैं। मच्छरों से बचने के लिए घर के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। घर के भीतर गमलों या अन्य वस्तुओं में भी पानी एकत्रित न होने दें। यदि इम्युनिटी मजबूत रहेगी तो मच्छर काटने पर भी डेंगू होने की आशंका नहीं होगी या कम रहेगी।

बातचीत : ब्रह्मानंद मिश्र

क्या खाएं-क्या न खाएं

अधिक तले-भुने और मसालेयुक्त भोजन से बचने का प्रयास करें। शाम को सूरज ढलने से पहले हल्का-सुपाच्य भोजन करें। इसमें मूंग दाल और टिंडा, लौकी जैसी सब्जियों का प्रयोग कर सकते हैं। इस मौसम में गुनगुना पानी पीना चाहिए। व्रत कर रहे हैं तो दिन में केवल फल या दूध ले सकते हैं।

उपयोगी होंगे ये उपाय

- पानी में सोंठ मिलाकर पिएं या भोजन के बाद जीरा पानी का सेवन करें। इससे पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। साथ ही गैस की समस्या नहीं होगी। इसके साथ ही इम्युनिटी बढ़ाने वाले पोषक तत्वों को भोजन में शामिल करें।
- बालों और शरीर को गीला होने से बचाएं। यदि भीग गए हैं तो अपने को अच्छी तरह से सुखा लें। कारण, इस समय फंगल-वायरल संक्रमण अधिक होता है।
- यदि भोजन से पहले अदरक का एक छोटा टुकड़ा थोड़ा सेंधा नमक के साथ चबाकर खाएंगे तो भूख बढ़ती है और पाचन अच्छा होता है।
- हरड़ पाउडर के साथ सोंठ और थोड़ा शहद मिलाकर सेवन करने से इम्युनिटी बेहतर होती है।

संतों को बदनामी की नहीं होनी चाहिए चिंता : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- मानहानि मुकदमे पर अदालत ने अंतरित आदेश पारित करने से किया इन्कार, जारी किया नोटिस
- गोविंदानंद सरस्वती ने 21 जुलाई को प्रेस कान्फ्रेंस कर अविमुक्तेश्वरानंद पर लगाए थे कई आरोप

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा गोविंदानंद सरस्वती के खिलाफ दायर मानहानि मुकदमे पर अंतरिम आदेश पारित करने से इन्कार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि आप एक संत हैं, आप इस बारे में चिंतित क्यों हैं? संतों को इन सबसे चिंतित नहीं होना चाहिए, इससे उन्हें बदनाम नहीं किया जा सकता, संत अपने कर्मों से सम्मान पाते हैं। न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने अंतरिम निषेधाज्ञा आवेदन पर नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 29 अगस्त तय की है।

अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि गोविंदानंद उन्हें फर्जी बाबा, ढोंगी बाबा, चोर बाबा कहते हैं। गोविंदानंद कह रहे हैं कि अविमुक्तेश्वरानंद हिस्ट्रीशीटर हैं और लोगों का अपहरण करा रहे हैं। इतना ही नहीं अविमुक्तेश्वरानंद पर सात हजार करोड़ का सोना चुराने और साध्वियों के साथ अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है। इस पर पीठ ने कहा कि ये सब सुनने में खराब लगता है पर अदालत की राय है कि गोविंदानंद सिर्फ निराश हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई मानहानि है। गोविंदानंद ने 21 जुलाई को प्रेस कान्फ्रेंस कर अविमुक्तेश्वरानंद पर आरोप लगाए थे। फर्जी बाबा होने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त है। वाराणसी की एक अदालत ने अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर भगोड़ा घोषित कर दिया गया था।

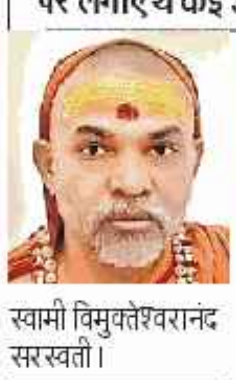

स्वामी विमुक्तेश्वरानंद सरस्वती।

गोविंदानंद सरस्वती। फाइल

रमणरेती आश्रम पहुंचे गुरुशरणानंद, अनुयायियों ने ली राहत की सांस

जागरण संवाददाता, मथुरा

- सुबह सवा नौ बजे पहुंचकर रमण बिहारी के दर्शन कर लगाई परिक्रमा
- चार दिन पहले बिना कुछ बताए आश्रम से चले गए थे कार्ष्णि महाराज

उदासीन संप्रदाय के विख्यात संत और महावन स्थित रमणरेती आश्रम के पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज मंगलवार सुबह सवा नौ बजे आश्रम लौट आए हैं। चार दिन पहले वह आश्रम से बिना कुछ बताए चले गए थे। अनुयायियों ने खोजबीन की तो पता चला वह चेन्नई के बाला गोकर्णनाथ मंदिर में साधना कर रहे हैं। इसके बाद कुछ अनुयायी चेन्नई पहुंचे और उन्हें आश्रम ले आए। महाराज जी को आश्रम में पाकर अनुयायी भी प्रफुल्लित हो गए।

85 वर्षीय गुरुशरणानंद महाराज आश्रम चार दिन पहले अकेले ही चादर ओढ़कर आश्रम से पैदल निकल गए थे। अनुयायियों में यह बात फैली कि वह आश्रम में किसी बात को पसंद नहीं कर रहे थे, इसलिए नाराज होकर चले गए। सीसीटीवी खंगाले गए तो पता चला कि आश्रम के बाहर वह एक आटो में बैठकर रेलवे स्टेशन पहुंचे। रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी खंगाले गए। सोमवार को पता चला कि महाराज जी पहले तिरुपति बाला जी गए। वहां केश अर्पित किए। इसके बाद चेन्नई के बाला गोकर्ण महादेव मंदिर पहुंचे हैं। वहां गुरुशरणानंद से उनके करीबी एक बड़े योगगुरु ने फोन पर वार्ता की। इसके बाद मंगलवार को वह चेन्नई से हवाई जहाज से वह दिल्ली पहुंचे। वहां से कार से सवा नौ बजे महावन के रमणरेती आश्रम पहुंचे। चर्चा है कि गुरुशरणानंद आश्रम की व्यवस्थाओं को लेकर नाखुश थे। बाद में उन्हें मना लिया गया। हालांकि इस बारे में अधिकृत तौर पर कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है।

मंगलवार सुबह चेन्नई से वापस महावन स्थित रमणरेती आश्रम पहुंचे कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज। सौजन्य आश्रम

इच्छा थी, कुछ दिन फकीरी करूं

कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज ने मंगलवार को रमणरेती आश्रम पहुंचकर एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा, गुरु पूर्णिमा के बाद हमारा मन हुआ कि भगवान तिरुपति जी को अपने केश अर्पित कर आऊं। कुछ दिन फकीरी करूंगा। इसीलिए कुछ लेकर नहीं गया। चश्मा, खड़ाऊ और कमंडल भी नहीं। भगवान ने हमें सुविधा से भेजा, ये आश्चर्य है। हम वहां एकांतवास कर रहे थे। राजाओं की तरह रह रहे थे। कहीं कोई परेशानी नहीं थी। हमारी ये प्रसन्नता देख हमारे आश्रम वालों ने हमें चेन्नई में भजन करने की अनुमति भी दे दी थी। कुछ लोगों को कुछ न कुछ ढूंढने की आदत है। सच बात ये है कि रमणरेती जैसे संत सबको मिलें। व्यर्थ इधर-उधर की चर्चा न करें। इधर-उधर का संकेत अच्छा नहीं है। हम स्वस्थ हैं, यहां बहुत लोगों को आने की आवश्यकता नहीं है।

श्रद्धा का महासावन

अनादि काल से ब्रह्मांड का नेतृत्व कर रहे हैं शिव

भगवान शिव अनादि काल से संपूर्ण ब्रह्मांड का नेतृत्व कर रहे हैं। इस सृष्टि में भगवान के शिवलिंग स्वरूप की पूजा की जाती है। शिव वह हैं जो किसी व्यक्ति या पदार्थ का बोध कराते हैं। शिव ही सबसे अंत में शयन करते हैं। सबसे अंत में शयन ब्रह्म ही करता है, इसलिए शिवलिंग ब्रह्म स्वरूप माना गया है। सृष्टि के सृजन, पालन व उपसंहार तीनों का कारण शिवलिंग ही है। ऊर्ध्वगामी शक्ति शिवत्व में व्याप्त है। सृजन, पालन और संहार यह तीनों ही प्रकृति के मूल तत्व हैं। हमारे जीवन के शुभ और अशुभ कर्मों का फल भी भगवान शिव ही देते हैं। पुराणों, वेदों और शास्त्रों में भगवान शिव के महात्म्य को प्रतिपादित किया गया है। भगवान शिव आदिदेव महादेव हैं। हमारी सांस्कृतिक मान्यता के अनुसार 33 करोड़ देवताओं में शिरोमणि देव शिव ही हैं। सावन माह भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। सनातन धर्म में यह माह शिव के पूजन व दर्शन के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस महीने में शिव की भक्ति करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। भगवान शिव पृथ्वी पर अपने निराकार - साकार रूप में निवास करते हैं। शिव सर्वव्यापक एवं सर्वशक्तिमान हैं। शिव प्रलय के पालनहार हैं। प्रलय के गर्भ में ही प्राणी का अंतिम कल्याण है। शिव के प्रति समर्पित होने से कल्याण निश्चित है।

गोपाल शास्त्री, प्रधान पुजारी ललिता देवी मंदिर नैमिषारण्य

केसर की क्यारी में फीकी पड़ी लाल सोने की चमक

नवीन नवाज ● जागरण

- सूखे की मार झेल रही है केसर की फसल, सामान्य से करीब 65 प्रतिशत कम हुई वर्षा
- घाटी में जल्द नहीं बदला मौसम तो खिलने से पहले ही मुरझा जाएंगे केसर के फूल

केसर की क्यारी। फाइल

श्रीनगर : केसर की क्यारी करने वाले पांपोर में राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ सटे अपने खेतों में खड़े बिलाल बट ने आसमान की तरफ देखते हुए कहा कि बस अल्लाह मेघ दे... यहां बादल बरस जाएं... अन्यथा हमने जो पसीना इन खेतों में बहाया है, वह इस सूखे में सूख जाएगा। उसने कहा कि घाटी में जो सूखे का दौर चल रहा है, उससे हम सभी की जान सूखी हुई है। सेब की पैदावार पहले ही प्रभावित हो चुकी है। यही स्थिति रही तो केसर के फूल भी ही मुरझा जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि लाल सोना कहलाने वाला केसर दुनिया का सबसे महंगा मसाला है। कश्मीर में पैदा होने वाला केसर दुनिया के अन्य भागों में पैदा होने वाले केसर से ज्यादा बेहतर माना जाता है। घाटी में केसर जिला पुलवामा के पांपोर और उसके साथ सटे जिले बडगाम के कुछेक हिस्सों में ही उगाया जाता है। एक किलोग्राम केसर तैयार करने के लिए केसर के लगभग डेढ़ लाख फूल चुनने पड़ते हैं। पूरी घाटी में लगभग 38 हजार हेक्टेयर भूमि में खेती होती है। केसर की खेती के लिए ठंडा और आर्द्र मौसम चाहिए। केसर की फसल अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में तैयार होने लगती है और नवंबर के अंत तक केसर किसानों के घर में होता है। इस वर्ष जून से अगस्त के पहले सप्ताह तक कश्मीर में सामान्य से करीब 62 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। पुलवामा और बड़गाम, जहां केसर के खेत हैं, उस क्षेत्र में सामान्य से करीब 65 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। बिलाल बट ने कहा कि हमें इस समय अपने खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी चाहिए। जमीन में नमी होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। कश्मीर सैफरान ग्रोअर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल मजीद वानी ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक बारिश नहीं हुई तो केसर मुरझा जाएंगे।

> केसर के खेतों में सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए हमारा मैकेनिकल विंग पूरी तरह सक्रिय है। किसानों को बोरवेल की सुविधा प्रदान की गई है। 73 बोरवेलों को स्प्रिंकलर (छिड़काव) सिंचाई प्रणालियों से जोड़ कर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही मौसम भी अनुकूल हो जाएगा और बारिश होगी।
> - वहीद-उर-रहमान, उपनिदेशक, कृषि विभाग

अगले वर्ष की हजयात्रा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, प्रेट्र : अगले वर्ष होने वाली हजयात्रा के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। 2025 के लिए भारत का कोटा 2024 के समान 1,75,025 पर बरकरार रखा गया है। भारतीय हज समिति के माध्यम से होने वाली इस यात्रा के लिए पहली बार भारतीय हज समिति की वेबसाइट के अलावा हज सुविधा एप पर भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

आवेदन करने वाले हजयात्रियों के लिए भारतीय हज समिति की हेल्पलाइन के साथ-साथ इंटरनेट मीडिया चैनल भी संचालित किए जा रहे हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने मंगलवार को कहा, सरकार ने 2025 के लिए हज समिति पोर्टल शुरू किया है। 45 वर्ष या उससे अधिक आयु की मुस्लिम महिलाएं बिना मेहरम वाली महिलाओं (एलडब्ल्यूएम) श्रेणी के तहत बिना मेहरम (पुरुष साथी) हज कर सकती हैं। 2024 में एलडब्ल्यूएम श्रेणी के तहत 4558 महिलाओं ने हज किया है। सुधारों के तहत हज-2024 के दौरान 'हज सुविधा एप' लांच किया गया है।

****

दूसरे दिन स्थगित रही अमरनाथ यात्रा, जम्मू से नहीं भेजा जत्था

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

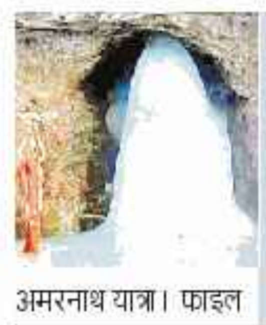

अमरनाथ यात्रा। फाइल

प्रशासन ने दिया मौसम का हवाला, यात्रियों की संख्या में भारी कमी भी है कारण

मौसम के बदले मिजाज के कारण मंगलवार को भी अमरनाथ यात्रा स्थगित रही। यात्रा स्थगित रहने का दूसरा कारण श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी भी है। हालांकि प्रशासन ने मौसम का हवाला देकर ही लगातार दूसरे दिन भी जम्मू से श्रद्धालुओं के जत्थे को यात्रा पर रवाना नहीं किया। अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन संपन्न हो जाएगी। इस वर्ष अब तक 5.10 लाख श्रद्धालु बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। बता दें कि मरम्मत कार्यों के कारण पहलगाम मार्ग से अमरनाथ यात्रा को छह अगस्त से ही बंद कर दिया गया है। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड व प्रशासन ने कहा था कि बारिश से इस मार्ग को नुकसान पहुंचा है। इसलिए यात्रा सिर्फ बालटाल मार्ग से चलेगी। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी जम्मू से जत्था रवाना नहीं होने के कारण कुछ श्रद्धालु सीधे श्रीनगर पहुंच गए, लेकिन बालटाल मार्ग से भी यात्रा नहीं जाने के कारण वे नहीं जा पाए। यात्रा के लिए श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा से महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में छड़ी मुबारक बुधवार को पवित्र गुफा के लिए रवाना होगी। छड़ी मुबारक में साधु, संत व श्रद्धालु शामिल होते हैं।

लंगर आर्गनाइजेशन ने श्राइन बोर्ड को लिखा पत्र: श्री अमरनाथ बर्फानी लंगर आर्गनाइजेशन के प्रधान राजन गुप्ता ने कहा कि पहलगाम से यात्रा छह अगस्त से और बालटाल मार्ग से 12 अगस्त से रोक दी गई है। यदि यह सही है तो बोर्ड को तत्काल लंगर वालों को वापस जाने की इजाजत दे देनी चाहिए। हम पहले से ही यात्रा अवधि कम किया जाए।

कला की दुनिया को बदल रही एआइ, कलाकारों को प्रशिक्षण जरूरी : शबाना

राब्यू, जागरण, कोलकाता : अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा कि कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआइ) कला की दुनिया को बदल रही है और कलाकारों को बदलावों में ढलने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण की जरूरत होगी। अभिनेत्री सोमवार को यहां टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी के दीक्षा समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे माहौल में पली-बढ़ी हूं, जिसने हमें सिखाया है कि कला का इस्तेमाल सामाजिक बदलाव के यंत्र के रूप में किया जाना चाहिए। आजमी ने कहा कि एआइ कला की दुनिया को बदल रहा है। एआइ खतरनाक हो सकता है लेकिन इससे निपटने के लिए प्रशिक्षण की भी आवश्यकता है। यह खेल से लेकर साहित्य तक विभिन्न विषयों में बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

शबाना आजमी।

पहले सुपरकंप्यूटर को अंतरिक्ष में ले जाने वाला ड्रैगन यान लांच

2017 में आज ही स्पेसएक्स ने पहले सुपरकंप्यूटर को अंतरिक्ष में ले जाने वाले ड्रैगन अंतरिक्ष यान को लांच किया था। 14 सितंबर को तकनीकविदों ने इसे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में स्थापित किया। हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइजेज द्वारा निर्मित इस कंप्यूटर का नाम 'स्पेसबोर्न कंप्यूटर' है।

सिंगापुर में पहले ग्रीष्मकालीन युवा ओलिंपिक खेलों की शुरुआत

2010 में आज ही सिंगापुर में पहले ग्रीष्मकालीन युवा ओलिंपिक खेलों की शुरुआत हुई थी। इसमें 204 देशों के 3,600 एथलीट ने हिस्सा लिया। ओलिंपिक की तरह यह भी हर चार साल में आयोजित किया जाता है। इसमें 14 से 18 वर्ष की आयु के एथलीटों को प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति है।

स्वतंत्रता संग्राम में सुब्बरामन ने दिया था अहम योगदान

स्वतंत्रता सेनानी एनएमआर सुब्बरामन का जन्म 1905 में आज ही के दिन तमिलनाडु के मदुरै में हुआ था। 1922 में उच्च अध्ययन के लिए लंदन जाने से इन्कार कर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने का निर्णय लिया। 1923 में मदुरै जिला कांग्रेस कमेटी से जुड़ गए। 1930 में नमक मार्च में भाग लेने के लिए मदुरै में युवाओं को प्रेरित किया। ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के कारण पांच साल तक जेल में भी रहे। विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन में शामिल होकर उन्होंने 100 एकड़ जमीन दान में दे दी थी।

मंगल ग्रह की सतह के नीचे विशाल जल भंडार के प्रमाण

नासा का इनसाइट लैंडर के डाटा पर आधारित है यह खोज, विज्ञानियों को मंगल ग्रह के भूकंपीय डाटा से मिली मदद

भविष्य में मंगल ग्रह पर बस्तियों के लिए इस पानी का उपयोग संभव नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार मंगल ग्रह पर पानी का विशाल भंडार हो सकता है। संभवतः यह पानी इतना है कि वहां दो किलोमीटर गहरा सागर बन सकता है, लेकिन यह पानी सतह से कई किलोमीटर नीचे है इसलिए भविष्य में मंगल पर बस्तियों के लिए इसका उपयोग करना संभव नहीं होगा।

इस अध्ययन में 'इनसाइट' लैंडर से प्राप्त डाटा का विश्लेषण किया गया। नासा ने 2018 में मंगल ग्रह पर 'इनसाइट' लैंडर भेजा था, ताकि वहां की सतह, मेंटल, कोर और वायुमंडल के बारे में अध्ययन किया जा सके। यह मिशन 2022 में समाप्त हुआ। शोधकर्ताओं में अमेरिका के बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ता भी शामिल हैं। । इसने मंगल ग्रह का भूकंपीय डाटा प्रदान किया, जिससे विज्ञानियों को इस संभावित जल भंडार की खोज में मदद मिली है। पानी सतह से लगभग 11.5-20 किमी नीचे स्थित है। सतह के विपरीत जहां पानी जम जाता है, वहां इन गहराइयों पर तापमान पानी को तरल बनाए रखने के लिए पर्याप्त गर्म होता है।

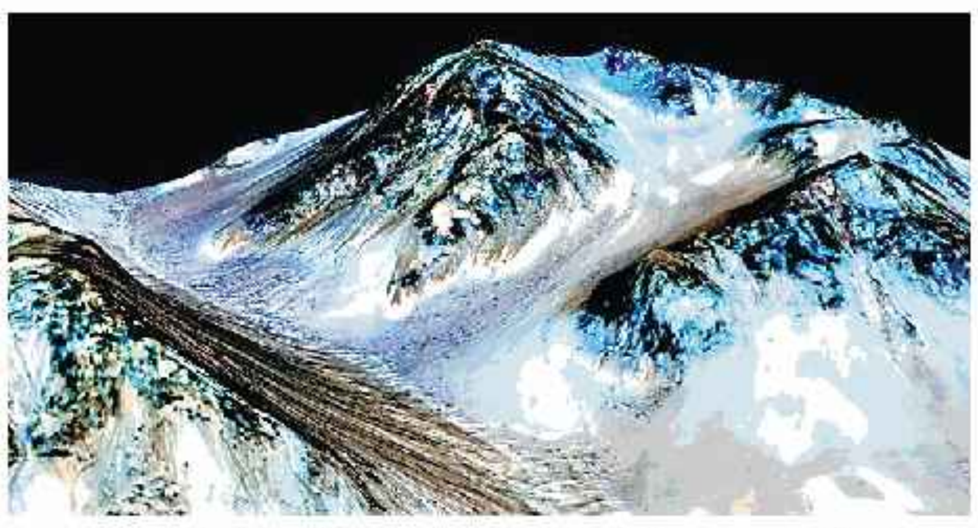

इनसाइट लैंडर के भूकंपीय डाटा के विश्लेषण से मिले पानी के संकेत। सौजन्य- नासा

अध्ययन में कहा गया है कि मौजूदा मंगल ग्रह पर तापमान मध्य परत के पास मौजूद तरल पानी के लिए पर्याप्त गर्म है। परत के नीचे छिद्र बंद होने की उम्मीद है।

प्रोसिडिंग्स आफ नेशनल एकेडमी आफ साइंस में छपा यह शोध बताता है कि करीब 300 करोड़ साल पहले मंगल ग्रह की सतह पर पानी होने के सबूत मिलते हैं, लेकिन माना जाता है कि यह पानी समय के साथ अंतरिक्ष में खो गया। शोध में कहा जा रहा है कि मंगल ग्रह की मध्य सतह के नीचे पानी होना इस ग्रह में पानी और जल चक्र के संकेत देता है।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के ग्रह विज्ञानी वशन राइट ने कहा कि पानी की मौजूदगी का निर्धारण भूकंपीय तरंगों की गति का विश्लेषण करके किया गया। ये तरंगे चट्टानों की संरचना, दरारों की मौजूदगी और उन्हें भरने वाली चीजों के आधार पर गति बदलती हैं।

मंगल पर था पानी का भंडार

विशाल छिपे हुए पानी के भंडार की खोज मंगल ग्रह के इतिहास और जीवन को समर्थन देने की क्षमता को लेकर हमारी समझ को बढ़ाती है। तीन अरब साल से भी पहले मंगल ग्रह नदियों, झीलों और संभवत: महासागरों वाला एक गर्म ग्रह था। यह अध्ययन दिखाता है कि पानी अंतरिक्ष में जाने की जगह ज्यादातर जमीन के अंदर रिस गया। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के ग्रह विज्ञानी और अध्ययन के सह लेखक माइकल मंगा ने बताया कि पानी पृथ्वी की भूजल प्रक्रियाओं के समान सतह के अंदर जा सकता है। इससे पता चलता है कि मंगल ग्रह शुरुआत से पानी से भरा रहा होगा। यह जानने में मदद मिल सकती है कि वहां की जलवायु कैसी थी।

ढके चेहरे वाले पुतलों से परिधानों का प्रदर्शन

कपड़े की दुकानों पर पुतलों के माध्यम से परिधानों का प्रदर्शन ग्राहकों को आकर्षित करने का एक अत्यंत प्रचलित ढंग है। किंतु अफगानिस्तान में तालिबान शासन को इस पर एक आपत्ति है। तालिबान का आदेश है कि दुकानों पर पुतलों के चेहरे ढके होने चाहिए। इसी के अनुपालन में काबुल में दुकान पर महिलाओं के पुतलों के चेहरे ढके दिखे। अगस्त 2021 में सत्ता में वापसी के बाद से तालिबान इस्लामिक कानूनों की सख्त व्याख्या लागू कर रहा है। एएफपी

इधर-उधर की

महिला ने जिंदा चींटियों से सजाया अपना स्मार्टफोन

पारदर्शी कवर के अंदर भूलभुलैया में घूमती चींटियां। इंटरनेट मीडिया

नई दिल्ली, जेएनएन: एक महिला ने फोन को नया लुक देने के लिए कवर को चींटियों का फार्म बना डाला। महिला के फोन का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इसमें एक बेंच पर बैठी महिला को स्मार्टफोन से बात करते देखा जा सकता है। इसके बाद कैमरा जूम होता है, जिससे उसके फोन के पारदर्शी कवर के अंदर बनी भूलभुलैया में चींटियों को घूमते हुए देख सकते हैं। यूजर्स इस वीडियो को लेकर खासे नाराज हैं। वह इसे अनावश्यक क्रूरता बता रहे हैं।

सूर्य की सतह पर सौर तूफानों के सुंदर रंगीन दृश्यों से नहाए पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्र

रमेश चंद्रा ● जागरण

नैनीताल: सूर्य की सतह पर इन दिनों सौर तूफान उठ रहे हैं। यह भू-चुंबकीय तूफान पृथ्वी के ध्रुवों पर अद्भुत रंगों की आभा बिखेर रहे हैं। इन सौर तूफान का ध्रुवों से टकराना जारी है। अगले वर्ष तक इनके जारी रहने की संभावना है।

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के पूर्व सौर विज्ञानी डा. वहाबउद्दीन ने बताया कि हाल के दिनों में सौर तूफानों ने पृथ्वी के दोनों ध्रुवों पर टकराकर औरोरा के खूब रंग बरसाए हैं। औरोरा रंग बिरंगे बादलों की तरह उच्च ऊर्जावान कणों से निकलने निकलने वाली रंग-बिरंगी रोशनी है। जिन्हें नार्दन व सर्दन लाइट भी कहा जाता है। पिछले दो दिन आए तीव्र सौर तूफान के दौरान टेक्सास, मिसिसिपी, एरिजोना, कोलोराडो व कैलिफोर्निया समेत 30 से अधिक अमेरिकी राज्यों में औरोरा के अद्भुत रंग देखने को मिले। पृथ्वी के उत्तर व दक्षिण ध्रुवों पर औरोरा के रंगों की बरसात हो रही है। कुदरत के इन दृश्यों को देखने के लिए दुनियाभर के लोग उत्तरी व दक्षिणी ध्रुवों से लगे देशों में पहुच रहे हैं। डा. वहाब ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दुनिया के कम अक्षांशों वाले क्षेत्रों में गंभीर भू-चुंबकीय तूफान का असर देखने को मिल रहा है। भारत का लेह लद्दाख भी औरोरा के रंगों से रंगने लगा है। भारी सौर तूफानों के दौरान यह क्षेत्र भी रात में रोशनी से नहाया हुआ नजर आएगा।

भू-चुंबकीय सौर तूफान के ध्रुवों से टकराने का क्रम अगले वर्ष तक रह सकता है जारी

न्यूजीलैंड से फोटोग्राफर इयान ग्रिफिन द्वारा ली गई तस्वीर। सौ: नासा की साइट वेदर स्पेस डाट काम

प्रोटीन युक्त आहार से किडनी रोगियों में कम होता है मौत का जोखिम

नई दिल्ली, आइएएनएस: एक ताजा अध्ययन में बताया गया है कि प्रोटीन की प्रचुरता वाले आहार क्रानिक किडनी रोगों (सीकेडी) से पीड़ित रोगियों में मौत का जोखिम करने में मददगार पाए गए हैं।

अनुमान है कि दुनियाभर में करीब 85 करोड़ लोग किडनी संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं और इनमें से अधिकांश कम या मध्य आय वर्ग वाले देशों में रहने वाले हैं। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट तथा स्टाकहोम यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि हल्के या मध्यम सीकेडी वाले वृद्धों में प्रोटीन रोग बढ़ने की गति को सीमित करने में भूमिका निभा सकता है।

सामान्य भारतीय आहार कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है, लेकिन उसमें प्रोटीन की कमी होती है। ऐसे में सलाह दी गई है कि शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम (यदि आप एक स्वस्थ व्यक्ति हैं) लगभग एक ग्राम प्रोटीन का उपभोग करने का प्रयास करना चाहिए।

जीवन में उद्देश्य की कमी महसूस होना डिमेंशिया का संकेत

अनुसंधान

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जीवन में उद्देश्य का अभाव और व्यक्तिगत उन्नति के अवसर की कमी महसूस होना डिमेंशिया की शुरुआत का संकेत हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि बुजुर्गों में संज्ञानात्मक क्षमता में मामूली कमी के निदान से तीन से छह वर्ष पहले मनोवैज्ञानिक कल्याण की भावना में कमी आ जाती है। इससे याददाश्त और सोचने की क्षमता प्रभावित होती है, लेकिन इतना नहीं कि रोजाना के कार्यों पर असर पड़े। संज्ञानात्मक क्षमता में मामूली गिरावट बाद में डिमेंशिया में बदल जाती है।

चाइना एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के पोषण एवं स्वास्थ्य विभाग के शोध दल समेत अन्य शोधकर्ताओं ने मनोवैज्ञानिक कल्याण और मष्तिष्क की क्षमता व उससे संबंधित विकारों के बीच संबंध पाया है। शोध का निष्कर्ष जर्नल आफ न्यूरोलाजी एंड साइकिएट्री में प्रकाशित हुआ है। शोध दल ने अध्ययन के लिए अमेरिका में 910 बुजुर्गों का 10 वर्ष तक फालोअप लिया। प्रतिभागियों की औसत उम्र 80 वर्ष थी और शुरुआत में उनकी याददाश्त व सोचने की क्षमता ठीक थी। इस बीच इनके मस्तिष्क की क्रियाविधि, संज्ञानात्मक क्षमता और मनोवैज्ञानिक कल्याण की जांच की गई। करीब एक तिहाई प्रतिभागियों (265) में मामूली संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट पाई गई। इसके बाद इनमें से 89 लोगों में डिमेंशिया विकसित हो गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि संज्ञानात्मक रूप से ठीक लोगों की अपेक्षा संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट वाले व्यक्तियों में डिमेंशिया के निदान से तीन वर्ष पहले जीवन में उद्देश्य की कमी महसूस होने लगी थी। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

शादी जैसी खबरों से कृति के स्वजनों को परेशानी

अभिनय के साथ प्रोडक्शन में भी उतर चुकी हैं कृति। इंस्टाग्राम (@kritisanon)

सिनेमा के सितारों की निजी जिंदगी और रिश्तों को लेकर खबरें अक्सर आती रहती हैं। अफवाह होने पर कई बार यह सितारों के साथ-साथ उनके स्वजनों को भी प्रभावित करती हैं। अभिनेत्री कृति सैनन के अफेयर और उनकी शादी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ खबरों में यह दावा किया गया कि कृति लंदन के व्यवसायी कबीर बहिया को डेट कर रही हैं और उन्होंने गत महीने अपना जन्मदिन भी कबीर के साथ ही मनाया था। अब कृति ने एक इंटरव्यू में अपने बारे में लिखी जाने वाली ऐसी खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, 'जब भी मेरे बारे में कोई गलत निगेटिव जानकारी छपती है, तो वह न केवल मेरे लिए निराशाजनक होती हैं, बल्कि उसका असर मेरे परिवार पर भी होता है। उन्हें किसी ऐसी झूठी बातों के दुष्परिणामों का सामना नहीं करना चाहिए। खासतौर पर जब मेरी शादी होने वाली है जैसी बेतरतीब अफवाहें फैलने लगती हैं। फिर मेरे दोस्त यह सोचकर मुझे मैसेज भी करते हैं कि यह सच है। तब मुझे स्पष्ट करना पड़ता है कि ऐसा नहीं है। लोग अफवाहें फैलाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने की जहमत भी नहीं उठाते, खासकर इंटरनेट मीडिया पर। ऐसी अफवाहों पर लगातार स्पष्टीकरण देना परेशानी भरा होता है।' बता दें कि कृति उम्र में कबीर से बड़ी हैं। इस पर इंटरनेट मीडिया पर ट्रोल भी किया गया था। वह आगामी दिनों में काजोल के साथ फिल्म दो पत्ती में नजर आएंगी।

फिल्म स्त्री 2 के बाद गैंगस्टर के अवतार में उतरेंगे राजकुमार राव

आगामी फिल्म स्त्री 2 में अभिनेता राजकुमार राव सरकटे के चुंगल में फंसकर कभी इधर-उधर भागते, कभी डरते, तो कभी उससे गांव वालों को बचाते की जुगत करते नजर आएंगे। फिलहाल वह इस फिल्म के प्रमोशन पर जोर-शोर से लगे हैं। हालांकि, इस कामेडी फिल्म को प्रदर्शित होने के बाद अगले महीने से वह फिल्म भक्षक के निर्देशक पुलकित की एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री मानुषी छिल्लर भी अहम भूमिका में होंगी। सिनेमाई गलियारों की खबरों के अनुसार, इस फिल्म में राजकुमार उग्र की पृष्ठभूमि से आने वाले एक गैंगस्टर की भूमिका में होंगे। यह एक कमर्शियल मनोरंजक फिल्म होगी, जिसका अधिकतर हिस्सा उत्तर प्रदेश के वास्तविक लोकेशन पर शूट करने की योजना है। फिल्म के कुछ हिस्से मुंबई में भी शूट किए जाएंगे। शूटिंग शुरू करने से पहले वह सितंबर के पहले सप्ताह में थोड़ी वर्कशाप और स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन भी करेंगे। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो इस फिल्म को अगले साल प्रदर्शित करने की योजना है। हालांकि, इससे पहले राजकुमार के सामने स्त्री 2 के रूप में टिकट खिड़की की परीक्षा हैं, जहां उनकी फिल्म का सामना जान अब्राहम की वेदा और अक्षय कुमार की खेल खेल में से होना है।

हर तरह भूमिकाओं के बीच संतुलन बनाकर चल रहे राजकुमार। फाइल

सलोनी बत्रा ने बांध ली है अपने माता-पिता की बातों की गांठ

जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर इंसान को अलग-अलग सुझाव मिलते रहते हैं। इस बीच कुछ सुझाव ऐसे भी होते हैं, जिन्हें हमेशा के लिए गांठ बांधकर रख लेना ही समझदारी होती है। तैश और एनिमल फिल्मों की अभिनेत्री सलोनी बत्रा ने ऐसे ही अपने माता-पिता के सुझाव को गांठ बांधकर रखा है। इस बारे में सलोनी का कहना है कि जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर अलग अलग लोगों ने सुझाव दिए। पर मैं अपने माता-पिता की एक बात गांठ बांधकर रखती हूं। उन्होंने मुझसे कहा था कि मन का हो तो अच्छा और न हो तो और भी अच्छा। हमारी इंडस्ट्री में अक्सर ऐसा होता है कि जो चीज हमें चाहिए होती है, वो उस समय हमें नहीं मिलती है। फिर हम निराश हो जाते हैं कि अब मैं आगे कैसे बढ़ूं? ऐसी परिस्थिति में अपने आप और अपने भाग्य पर भरोसा रखना बहुत जरूरी है कि अगर वह काम नहीं हुआ तो किसी अच्छे कारण से ही नहीं हुआ। बस धैर्य रखो और आगे देखो। सलोनी आगामी दिनों में फिल्म एनिमल पार्क और वेब सीरीज कीप रोलिंग में नजर आएंगी।

एनिमल पार्क में भी सलोनी की अहम भूमिका। (@saloni_batra_)

शाह रुख से तुलना पर शर्मिंदा हो जाते हैं जितेंद्र

जब कोई पुरुष सज-संवरकर तैयार हो जाए, तो कई बार लोग मजाक में कह देते हैं कि खुद को शाह रुख खान समझते हो क्या। सोचिए अगर वाकई तुलना शाह रुख खान से हो जाए, तो क्या होगा। वही होगा, जो शुभ मंगल ज्यादा सावधान फिल्म के अभिनेता जितेंद्र कुमार के साथ हो रहा है। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरों में कमेंट में लिखा गया था कि वह ओटीटी के एसआरके यानी शाह रुख खान हैं। यह पढ़कर जितेंद्र शर्मिंदा हो गए। इसके पीछे यकीनन बहुत ठोस कारण भी है। शाह रुख खान हिंदी सिनेमा के बादशाह कहे जाते हैं, उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और अवार्ड्स जीते हैं। उनके मुकाबले जितेंद्र का अनुभव काफी कम है। इस तुलना पर जब जितेंद्र से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि जब ऐसा कमेंट आता है, तो यकीनन खुशी देता है, क्योंकि जिन कलाकारों से मैं प्रेरित रहा हूं, उन्हीं से जब तुलना होती है, तो इसका मतलब होता है कि लोग कहीं न कहीं उनका अंश आप में देख रहे हैं। जो लक्ष्य लेकर इंडस्ट्री में आए थे कि एक्टर बनना है, अच्छे किरदार निभाने हैं, वह लोगों को पसंद आ रहा है। सच कहूं तो उतनी ही शर्मिंदगी भी होती है, क्योंकि शाह रुख खान ने अपने करियर में काफी कुछ किया है। मैं उनके आगे कहीं भी खड़ा हो सकता हूं। ऐसे कमेंट पढ़कर शरमा जाता हूं।

बिना किसी दबाव के पसंद का काम करना पसंद करते हैं जितेंद्र। (@jitendrak1)

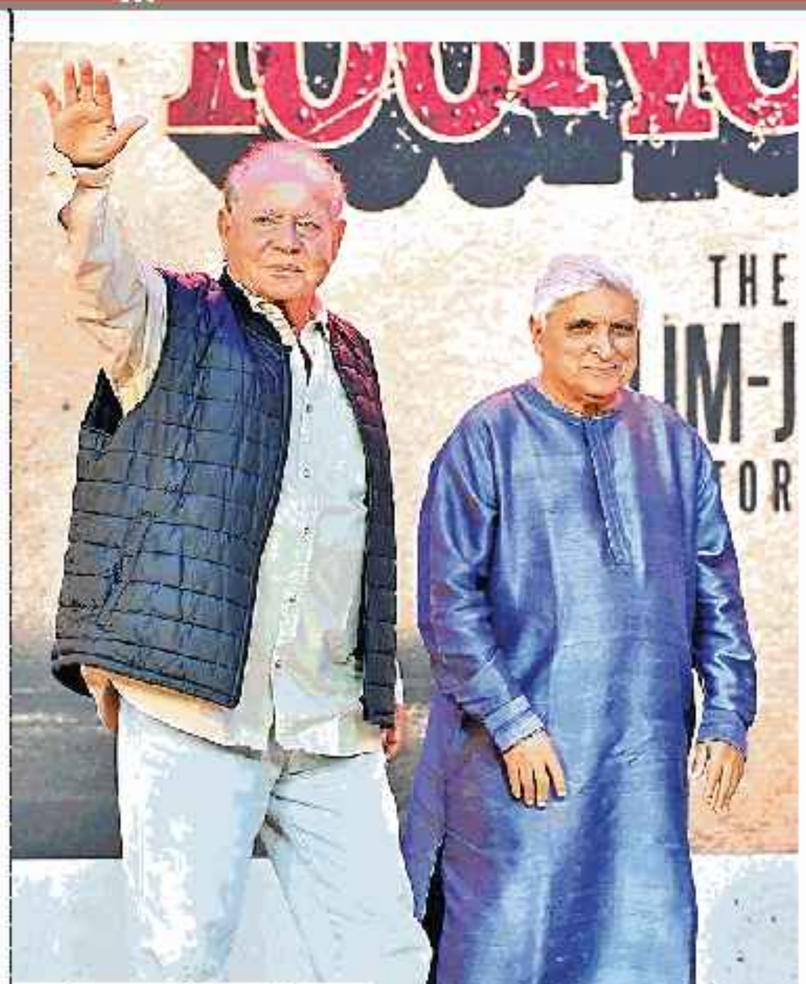

एंग्री यंग मेन की डाक्यू सीरीज के ट्रेलर लांच पर सलीम खान और जावेद अख्तर ● एएफपी

42 साल बाद साथ आई सलीम-जावेद की जोड़ी

पिछली सदी के सातवें दशक में शोले, जंजीर, दीवार, डान जैसी सुपरहिट फिल्मों की पटकथा लिखने वाले सलीम-जावेद (सलीम खान और जावेद अख्तर) हिंदी सिनेमा के पहले लेखक हैं, जिन्होंने उस दौर में अपनी स्क्रिप्ट्स के लिए अमिताभ बच्चन से ज्यादा फीस ली थी। साल 1982 में अलग होने से पहले इस जोड़ी ने 24 फिल्में लिखीं। इनमें 22 फिल्में सुपरहिट रहीं। करीब 42 साल बाद यह जोड़ी मुंबई में अपनी डाक्यू सीरीज एंग्री यंग मेन के ट्रेलर लांच के मौके पर मंच पर एकसाथ आई। इस दौरान मंच पर सलीम के बेटे सलमान खान, तो जावेद के बेटे फरहान अख्तर और बेटी जोया अख्तर भी मौजूद रहे। सलमान के साथ जोया और फरहान ने संयुक्त रूप से डाक्यू सीरीज बनाई है।

जोड़ी बैठकर नहीं बनाई: सलीम-जावेद से जब उनकी जोड़ी की सफलता का राज पूछा गया, तो अपने चुटकीले अंदाज में सलीम ने कहा, 'फार्मूला यह है हममें थोड़ी बहुत अक्ल थी, बाकी सब बेवकूफ थे।' वहीं अपनी जोड़ी को लेकर जावेद ने कहा, 'यह जोड़ी सोच समझकर नहीं बनाई थी। यह बस बन गई। मुझे हिंदी सिनेमा में पहली नौकरी पचास रुपये की मिली थी। फिर सौ रुपये की नौकरी एसएम सागर के साथ बतौर असिस्टेंट मिली। मैं उनकी फिल्म सरहदी लुटेरा के डायलाग भी लिख रहा था, क्योंकि कोई और लेखक नहीं मिल रहा था। सरहदी लुटेरा मेरी जिंदगी की सबसे अहम फिल्म है, क्योंकि यहीं पर मैं सलीम साहब से मिला। वह फिल्म में रोमांटिक भूमिका निभा रहे थे। उसके बाद हम मिलकर कहानियां वगैरह सोचते रहते थे। एक बार सागर साहब ने कहा कि एक शार्ट स्टोरी है, तुम दोनों उसका पुख्ता स्क्रीन प्ले बना दो। हमने कहा ठीक है लेकिन पिक्चर में हमारा नाम नहीं था। वहां एक सुधीर भाई थे। उन्हें पता था कि हमारा काम है। उन्होंने कहा कि सिप्पी फिल्म चले जाओ। वहां गए तो बात बन गई। फिर मैंने कहा कि मैं और सलीम साहब साथ काम करते हैं। तब वह बोले आप दोनों आ जाइए। वहां राजेश खन्ना ने कहा कि फिल्म हाथी मेरे साथी का स्क्रिनप्ले लिख दो।'

ब्रैट (बदतमीज) बोलने पर नाराज दिखे सलमान

डाक्यूमेंट्री में लेखक जोड़ी को ब्रैट भी बताया गया है। यह बुलाए जाने से खफा सलमान ने कहा, 'दो लोग लगातार हिट फिल्में दे रहे थे और उन्हें बहुत सारे कलाकारों और निर्माताओं को इन्कार करना पड़ा। तो यह बातें वहां से आती हैं कि ये लोग अपने आप को समझते क्या हैं, इनका दिमाग खराब हो गया है। दिमाग इनका खराब नहीं हुआ था। इनका दिमाग अच्छा चल ही रहा था। यह हिट पर हिट दे रहे थे, जिनके साथ यह काम नहीं कर पाए, उन्होंने इन्हें टैग कर दिया कि इनका दिमाग खराब था। जिन्होंने उनको यह बोला उनका दिमाग खराब था।'

क्रांति के क्रेडिट पर बोले सलमान

मंच पर मौजूद सलमान इस दौरान पिता की कुर्सी के पीछे ही खड़े रहे। जब फरहान से सलीम-जावेद की पसंदीदा फिल्म के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, 'क्रांति फिल्म सबसे ज्यादा शायद तीन सौ बार देखी है।' इसपर सलमान ने कहा, 'मैं टोकना चाहूंगा कि मनोज कुमार ने सलीम-जावेद से क्रांति का क्रेडिट लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने क्रांति को लिखा है।' उल्लेखनीय है कि क्रांति की कहानी व स्क्रीनप्ले का श्रेय सलीम-जावेद को दिया गया है। ऐसे में सलमान की नाराजगी स्पष्ट नहीं हुई।

पिता के साथ सलमान खान ● एएफपी

मोटी फीस लेंगे लिखने की: मौके पर जावेद अख्तर ने कहा, 'अब मैं आपको बता दूं कि हम लिखने जा रहे हैं। मैंने उनसे (सलीम खान) कहा है बस एक और पिक्चर हम साथ में लिखेंगे। उस जमाने में भी हमारी कीमत ज्यादा थी, इस जमाने में तो बहुत ज्यादा होगी, वो देख लीजिएगा।'

मेरे पास दो-दो मां हैं: जब सलमान से दोनों की लिखी फिल्मों में से पसंदीदा फिल्म का डायलाग पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मेरे पास मां है। फिर दो उंगलिया दिखते कहा वो भी दो। हालांकि यह कार्यक्रम हिंदी सिनेमा के प्रख्यात लेखकों को लेकर था, लेकिन कार्यक्रम मे ज्यादातर सवाल जवाब अंग्रेजी में हो रहे थे। अगर यह हिंदी में होता तो कार्यक्रम में चार चांद लग जाते।

सुशांत का घर खरीदा नहीं, किराए पर लिया है : अदा

बीते दिनों खबरें आईं कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने वह घर खरीद लिया है, जिसमें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे। अब अदा ने पहली बार इस मामले में स्पष्टीकरण दिया है। दरअसल, सोमवार को मौका था विक्रम भट्ट और इंदिरा प्रोडक्शन के अंतर्गत बनने वाली उनकी फिल्म तुमको मेरी कसम की घोषणा का। यह फिल्म इंदिरा आइवीएफ के संस्थापक अजय मुर्डिया और उनकी दिवंगत पत्नी इंदिरा की जिंदगी पर आधारित है। अदा फिल्म में इंदिरा की भूमिका में नजर आएंगी। इस मौके पर अदा से पूछा गया कि उन्होंने सुशांत वाला घर किराए पर लिया है या खरीदा है? तब अदा ने कहा, 'मैंने वो घर किराए पर लिया है। उसमें मेरी दादी भी योगदान देती हैं। द केरल स्टोरी ने जो 370 करोड़ रुपये कमाए हैं, वो मेरे नहीं हैं। वास्तव में वो घर मिस्टर लालवानी का है, जो अभी दक्षिण अफ्रीका में रहते हैं। उस घर में सुशांत भी किराए पर रह रहे थे।' इसपर विक्रम भट्ट ने कहा कि इनके (अदा) घर में फर्नीचर भी नहीं है। इस पर अदा ने कहा कि वह नहीं चाहती हैं कि डांस करते हुए उनका हाथ किसी फर्नीचर में लगे, इसलिए फर्नीचर नहीं रखा है।

डांस के शौक के कारण अदा ने नहीं रखा है घर में फर्नीचर ● मिडडे

****